नई दिल्ली । मंगलवार, 23 जून, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष नवमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :168/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल फीफा वर्ल्ड कप : सऊदी अरब को 4-0 से रौंदकर... | @ विचार अगर धमकी देते-देते पाकिस्तान ने सचमुच युद्ध... | @ व्यापार भारतीय शेयर बाजार हरे निशान में बंद...

कोचिंग सेंटर में भीषण आग
15 की मौत, कई घायल

एजेंसी ■ लखनऊ

लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र स्थित पुरनिया इलाके में सोमवार को एक निजी कोचिंग सेंटर में भीषण आग लगने से बड़ा हादसा हो गया, जिसमें मृतकों की संख्या बढ़कर 15 हो गई। सीएम योगी आदित्यनाथ ने घटनास्थल पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और अस्पताल में घायलों से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अलीगढ़ में अपने सभी निर्धारित कार्यक्रम रद्द कर लखनऊ के लिए रवाना हुए और घटनास्थल पर पहुंच गए। उन्होंने राहत कार्यों का जायजा लिया और घायलों को बेहतर इलाज की बात दोहराई। उन्होंने कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता घायलों को बेहतर से बेहतर उपचार उपलब्ध कराना है। घटना के कारणों का पता जांच रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।

घटनास्थल के बाद सीएम योगी केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर पहुंचे, जहां उन्होंने अग्निकांड में घायल हुए लोगों से मुलाकात की।

घटनास्थल पर मौजूद उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि हादसे में 14 बच्चों की मृत्यु हुई और चार घायल बच्चों को केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए गए हैं। घायलों का इलाज किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के ट्रॉमा सेंटर में चल रहा है। केजीएमयू की कुलपति प्रोफेसर सोनिया नित्यानंद ने कहा कि अलीगंज अग्निकांड में घायलों को बचाने के लिए चिकित्सकों की पूरी टीम जुटी हुई है। उन्होंने बताया कि जिन लोगों की मृत्यु हुई है, उनका पंचनामा और पोस्टमार्टम कराना आवश्यक प्रक्रिया है, जिसे शुरू कर दिया गया है। सीएमएस ट्रॉमा सेंटर के डॉ. प्रेम राज सिंह ने बताया, 'कुल 21 लोग अस्पताल में आए हैं, जिसमें 6 लोगों की स्थिति स्थिर है। बाकी लोग मृत अवस्था में लाए गए हैं। हम उनका पंचनामा कराकर उनको मार्चरी भेज रहे हैं।' उन्होंने स्पष्ट किया कि अस्पताल में बेड रिजर्व है, न दवाइयों की कमी है न ही बेड की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोपहर के समय भवन से अचानक धुआं उठता दिखाई दिया। कुछ ही देर में आग तेजी से फैल गई और पूरे भवन को अपनी चपेट में ले लिया। धुएं के कारण छात्रों में भगदड़ मच गई और कई बच्चों ने जान बचाने के लिए ऊंचाई से छलांग लगा दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग, पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गईं। डीजीपी राजीव कृष्ण, अपर मुख्य सचिव (गृह) संजय प्रसाद, जिलाधिकारी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद रहे। दमकल कर्मियों ने भवन की पिछली दीवार तोड़कर अंदर पहुंचने का प्रयास किया और राहत एवं बचाव अभियान चलाया। इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि घटना अत्यंत पीड़ादायक है और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। सीएम योगी ने अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने और घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। साथ ही हादसे के कारणों की विस्तृत जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के आदेश भी दिए हैं।

मुख्यमंत्री का ऐलान

- मृतकों के परिजनों को ₹5 लाख की सहायता
- घायलों को ₹50 हजार की सहायता

प्रधानमंत्री ने जताया शोक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों के लिए ₹2 लाख की सहायता की घोषणा की।

देश हित के लिए काम किया, सत्ता के लिए नहीं : पीएम कीर स्टार्मर

एजेंसी ■ लंदन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने मंगलवार को इस्तीफे का ऐलान कर दिया है। हालांकि, स्टार्मर नए पीएम के आने तक इस पद की जिम्मेदारी संभालते रहेंगे। इस्तीफे का ऐलान करते हुए ब्रिटिश पीएम ने अपने भाषण में कहा कि दो वर्ष पहले देश के प्रधानमंत्री के रूप में इस मार्ग पर कदम रखना उनके जीवन का सबसे गौरवपूर्ण क्षण था।

समर्थकों से बात करते हुए, स्टार्मर ने कहा कि उन्होंने जो भी फैसले लिए, वे देश को सबसे पहले रखने की इच्छा से लिए थे। उन्होंने कहा, 'मैंने अपनी पार्टी से जवाब सुना है और मैं उस जवाब को खुशी-खुशी स्वीकार करता हूं।'

पीएम कीर स्टार्मर ने इस्तीफे का ऐलान करते हुए कहा, 'दो साल पहले प्रधानमंत्री का पद संभालने मेरी जिंदगी का सबसे गर्व का पल था। 14 वर्षों बाद एक नई लेबर सरकार सत्ता में आई। वर्षों की निराशा और मायूसी के बाद हमारे देश के इतिहास में एक नया अध्याय शुरू हुआ। हमें लाखों लोगों की जिंदगी बेहतर बनाने का अवसर मिला और यही वजह थी कि मैं राजनीति में आया था।'

उन्होंने कहा कि यहां तक पहुंचने का सफर आसान नहीं था। उन्होंने कहा, 'छह साल पहले मुझे ऐसी लेबर पार्टी विरासत में मिली थी, जो राजनीतिक, आर्थिक और नैतिक रूप से लगभग दिवालिया हो चुकी थी। मुझे बार-बार कहा गया कि मेरी पार्टी खत्म हो गई है, हम इतिहास का हिस्सा बन चुके हैं और आम चुनाव में बहुमत हासिल करना तो दूर, सत्ता में वापसी भी नामुमकिन है। लेकिन हमने उन सभी को गलत साबित कर दिया।'

स्टार्मर ने कहा, 'पार्टी से एंटीसेमिटिज्म (यहूदी-विरोधी भावना) के जहर को बाहर निकालना, अर्थव्यवस्था, रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर जनता का भरोसा फिर से हासिल करना और ऐसी पार्टी का निर्माण करना जो गर्व के साथ राष्ट्रीय ध्वज के साथ खड़ी हो, यह बदलाव की कठिन प्रक्रिया का हिस्सा था। इसका उद्देश्य सत्ता हासिल करना नहीं, बल्कि ब्रिटेन को बेहतर बनाना था। ऐसा ब्रिटेन, जहां हर व्यक्ति को सम्मान मिले, हर किसी की अहमियत हो और समृद्धि व अवसर केवल कुछ लोगों तक सीमित न रहकर सभी के लिए उपलब्ध हों।'

महज दो वर्ष पहले स्टार्मर ने लेबर पार्टी को बंपर चुनावी जीत दिलाई थी। लेबर पार्टी को 174 सीटों के साथ बहुमत मिला। उस समय इसे लेबर के लिए एक निर्णायक राजनीतिक वापसी माना गया था। हालांकि, उनका कार्यकाल कई विवादों और नीतिगत बदलावों के कारण लगातार दबाव में रहा।

भारत दुनिया को दे रहा अनोखे और बेजोड़ आर्थिक अवसर: पीयूष गोयल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि आज भारत दुनिया को अनोखे और बेजोड़ आर्थिक अवसर प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत खुद को एक भरोसेमंद वैश्विक आर्थिक साझेदार के रूप में स्थापित कर रहा है।

रिपब्लिक समिट 2026 को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं (ग्लोबल सप्लाई चेन) में भारत की बढ़ती भूमिका और देश-हित को प्राथमिकता देने वाली व्यापार नीतियों ने भारत को दुनिया भर के कारोबारों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बना दिया है। उन्होंने कहा, 'भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में लगातार अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है, क्योंकि दुनिया भर की कंपनियां भरोसेमंद और विश्वसनीय साझेदारों की तलाश कर रही हैं।

गोयल ने कहा कि मजबूत आर्थिक आधार, स्थिर नीतिगत माहौल और मोदी सरकार द्वारा लागू किए गए विकासोन्मुख सुधारों के कारण दुनिया भर की कंपनियां तेजी से भारत की ओर आकर्षित हो रही हैं। उन्होंने क हा

कि भारत की आर्थिक प्रगति ने निवेशकों, व्यापारियों, निर्यातकों और उद्योगों के लिए अभूतपूर्व अवसर पैदा किए हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हाल के वर्षों में भारत द्वारा किए गए सभी व्यापार समझौते राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर किए गए हैं। साथ ही इन समझौतों ने भारत और उसके वैश्विक साझेदारों के बीच व्यापारिक संबंधों को भी मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि इन समझौतों का उद्देश्य भारतीय व्यापारियों, निर्यातकों, उद्योगों और नागरिकों के लिए अधिक अवसर पैदा करना है, जबकि भारत के हितों की पूरी सुरक्षा भी सुनिश्चित की गई है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ताओं में सरकार के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने हमेशा 'नेशन फर्स्ट' यानी राष्ट्र सर्वोपरि की नीति अपनाई है। उन्होंने कहा कि हर व्यापार समझौते को इस तरह तैयार किया गया है कि उससे देश में आर्थिक विकास और रोजगार के अवसर बढ़ें। गोयल ने कहा, 'मोदी सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उन्होंने किसानों के हितों की रक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को भी दोहराया और कहा कि कृषि संबंधी चिंताएं भारत की व्यापार नीतियों और वार्ताओं में एक प्रमुख विचारणीय विषय बनी हुई हैं।

रोजगार और राहत का बजट : बंगाल सरकार ने खोला खजाना

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री स्वप्न दासगुप्ता ने सोमवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए राज्य का पूर्ण बजट पेश करते हुए टैक्स को आसान बनाने वाले कई उपायों की घोषणा की। इन उपायों का मकसद नियमों का पालन आसान बनाना और राज्य के अपने टैक्स रेवेन्यू कलेक्शन को बढ़ाना है।

यह प्रजेंटेशन राज्य में आजादी के बाद भाजपा की सरकार के तहत पहला बजट सत्र था। ये घोषणाएं उस वादे के मुताबिक थीं, जो दासगुप्ता ने इस महीने की शुरुआत में वित्त विभाग का कार्यभार संभालने के बाद किया था। उन्होंने तब कहा था कि सरकार आम करदाताओं पर अतिरिक्त बोझ डाले बिना अपना टैक्स रेवेन्यू बढ़ाने की कोशिश करेगी। एक अहम प्रस्ताव प्रोफेशनल टैक्स से जुड़ा है। सरकार ने अलग-अलग कैटेगरी के करदाताओं

के लिए छूट की सीमा में काफी बढ़ोतरी का प्रस्ताव दिया है। सैलरी पाने वाले लोगों के लिए, मासिक छूट की सीमा 10,000 रुपए से बढ़ाकर 20,000 रुपए कर दी गई है। खुद का काम करने वाले लोगों के लिए सालाना छूट की सीमा 60,000 रुपए से बढ़ाकर 2.5 लाख रुपए कर दी गई है।

इसी तरह, व्यापारियों और बिजनेस करने वालों के लिए प्रोफेशनल टैक्स की देनदारी के लिए सालाना कुल कमाई या टर्नओवर की सीमा 5 लाख रुपए से बढ़ाकर 10 लाख रुपए कर दी गई है। वित्त मंत्री ने पश्चिम बंगाल में तैनात बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) के जवानों को प्रोफेशनल टैक्स से पूरी छूट देने की भी घोषणा की। एक और बड़ी घोषणा राज्य के एक्साइज नियमों से जुड़ी थी। दासगुप्ता ने कहा कि सरकार 'पश्चिम बंगाल एक्साइज (इंडस्ट्रियल स्पिरिट के लाइसेंस देने और काम करने की प्रक्रिया और फीस का भुगतान) नियम, 2025' के तहत मौजूदा प्रावधानों में बदलाव करेगी।

मौजूदा नियमों के तहत होम्योपैथिक दवा बनाने वाली कंपनियों को, जो असरदार दवाएं बनाने के लिए इंडस्ट्रियल स्पिरिट का इस्तेमाल करती हैं, तय फीस चुकाने के बाद राज्य एक्साइज डायरेक्टरेट से लाइसेंस लेना पड़ता है।

भाजपा की चुनाव तैयारी में जुटे राघव चड्ढा, पंजाब दौरे से बढ़ी अटकलें

एजेंसी ■ लुधियाना

राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने सोमवार को अप्रैल में आम आदमी पार्टी छोड़ने के बाद पहली बार पंजाब का दौरा किया और लुधियाना में भाजपा की एक अहम बैठक में शामिल हुए। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में हुई इस बैठक का मकसद 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए रणनीति बनाना था। राघव चड्ढा इस बैठक में एक अन्य सांसद राजिंदर गुप्ता के साथ शामिल हुए, जिन्होंने पिछले दिनों आप छोड़कर भाजपा का दामन थामा था। बैठक में उनकी मौजूदगी को एक अहम राजनीतिक घटनाक्रम के तौर पर देखा जा रहा है। इसके संकेत मिल रहे हैं कि चुनावों से पहले उन्हें संगठन में कोई अहम जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, भाजपा प्रमुख नितिन नवीन ने बैठक में मौजूद नेताओं और सांसदों से जमीनी स्तर पर काम करने को कहा। बैठक में शामिल एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने नाम न बताने की शर्त पर आईएएनएस को बताया, '2027 के चुनावों को ध्यान में रखते हुए, उन्होंने साफ किया कि हाल ही में शामिल हुए सांसदों को संगठन के भीतर चुनाव से जुड़ी अहम जिम्मेदारियां सौंपी जा सकती हैं।'

कतर में बड़ा हादसा
गैस प्लांट में विस्फोट
13 लोगों की मौत
66 घायल, कई की हालत गंभीर

13 लोगों में भारतीय भी शामिल, 70 KM तक सुनाई दी धमाके की गूंज

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कतर के रास लाफान में स्थित सबसे बड़े एलएनजी प्लांट में रविवार को हुए तेज धमाके में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 66 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना में कई लोग लापता भी हो गए थे, जिनका पता लगाया जा रहा है।

धमाके के बाद एक बार फिर पश्चिम एशिया में युद्ध छिड़ने की आशंकाएं बढ़ गईं, हालांकि, अधिकारियों ने धमाके के पीछे तकनीकी गड़बड़ी को वजह बताया है।

बता दें कि ईरान युद्ध के दौरान मिसाइलों और ड्रोन हमले में इस प्लांट को भारी नुकसान पहुंचा था। रविवार को भी प्लांट की मरम्मत का काम चल रहा था, जब इसमें अचानक धमाका हुआ।

अधिकारियों ने बताया कि तकनीकी गड़बड़ी के चलते बारजान गैस आपूर्ति संयंत्र में रविवार शाम को धमाका हुआ। धमाके की वजह से खिड़कियों के शीशे टूट गए और इसकी गूंज 70 किलोमीटर दूर तक सुनी गई। यूएई में हुई घटना पर भारत ने दुख जताया है। रायटर्स के अनुसार, कतर के आंतरिक मंत्रालय ने बताया कि आपात प्रतिक्रिया दलों को मौके पर तैनात कर दिया गया है। आग पर काबू पा लिया गया है। कतर की सरकारी कंपनी कतर एनर्जी ने बताया कि धमाके की वजह से प्लांट को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

यहां से स्थानीय उद्योग और कतर विद्युत उत्पादन सेक्टर को पाइपलाइन के जरिये गैस आपूर्ति की जाती है। इस प्लांट में घरेलू और निर्यात बाजार के लिए ईथेन, कंडेंसेट, तरलीकृत पेट्रोलियम गैस और सल्फर का उत्पादन किया जाता है।

ट्रेड डील करने भारत आ रहा यूएस अमेरिकी राजदूत का बड़ा ऐलान

एजेंसी ■ वाशिंगटन

भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से चली आ रही व्यापार वार्ता को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। फरवरी 2025 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू होने के बाद अब इस हफ्ते अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर भारत दौरे पर आ रहे हैं। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गौर ने खुद इस बात की जानकारी दी है कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम

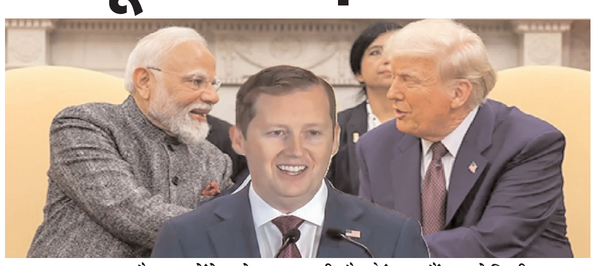

उठाया जा रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर जल्द नई दिल्ली पहुंच रहे हैं और उनकी केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के साथ कई दौर की बैठकें तय हैं। अमेरिकी राजदूत का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब दोनों देशों के बीच अंतरिम व्यापार समझौते और बटरल ट्रेड एग्रीमेंट को लेकर बातचीत निर्णायक चरण में पहुंचती दिखाई दे रही है।

लखनऊ अग्निकांड पर राष्ट्रपति मुर्मु और राहुल गांधी समेत कई नेताओं ने जताया दुख

विश्व केसरी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को लखनऊ अग्निकांड पर दुख जताया और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। साथ ही कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी घटना पर संवेदनाएं व्यक्त कीं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि लखनऊ में हुई भीषण अग्नि दुर्घटना में अनेक लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करती हूं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में लिखा कि लखनऊ के कोचिंग सेंटर में आग लगने के हादसे में कई लोगों की मृत्यु और कई अन्य के घायल होने का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। सभी शोकाकुल परिवारों को अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की आशा करता हूं।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पोस्ट में लिखा कि लखनऊ के कोचिंग सेंटर में आग लगने की दुखद घटना में कई लोगों की जान चली गई है, जो बेहद पीड़ादायक व हृदयविदारक है। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। कांग्रेस पार्टी सभी शोकसंतप्त परिवारों एवं घायलों के साथ है। मैं दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं तथा घायलों के शीघ्र एवं पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करता हूं। सरकार व प्रशासन से अनुरोध है कि पीड़ितों को जल्द से जल्द उचित मुआवजा व राहत प्रदान की जाए।

बसपा मुखिया मायावती ने दुख जताते हुए 'एक्स' पोस्ट में लिखा कि यूपी की राजधानी लखनऊ के एक कोचिंग सेंटर में दोपहर बाद हुई अग्निकांड में अनेक लोगों की मौत और भी कई लोगों के घायल हो जाने की घटना अति-दुखद। इस प्रकार की जानलेवा घटनाएं दिल को दहलाने वाली होती हैं तथा कितने ही परिवार की उम्मीदों को बिखेर देती हैं। ऐसी दुखद घटनाओं की रोकथाम के लिए सभी को मिलकर सही से काम करने की जरूरत है। सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप से काम नहीं चलेगा।

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने दुख जताते हुए 'एक्स' पोस्ट में लिखा कि लखनऊ के एक कोचिंग सेंटर में आग लगने से जिन्होंने अपनी जान गंवाई है, उनके प्रति हमारी श्रद्धांजलि। जिन्होंने अपनों को खोया है, उन शोक संतप्त परिवारों के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं। सरकार घायलों के लिए सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा सुनिश्चित करे। ये एक बेहद दुखद घटना है। इसके पीछे के कारणों की ईमानदारी से जांच हो, बच्चे किसी के घर के भी हो सकते थे। भविष्य में ऐसे दर्दनाक हादसों से बचा जा सके।

विरोध प्रदर्शन में गंदे पानी के इस्तेमाल को लेकर केरल विधानसभा में हंगामा

विश्व केसरी

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा में सोमवार को उस समय राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया, जब विपक्ष के नेता पिनाराई विजयन ने एआईवाईएफ-एआईएसएफ के विरोध मार्च के दौरान पुलिस पर दूषित पानी का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने वॉटर कैनन में इस्तेमाल किए गए पानी की एक बोतल पेश की, जिसे दूषित बताया।

पीएम श्री स्कीम पर सरकार के रुख के खिलाफ विरोध मार्च में सीपीआई नेता और विधायक के. राजन और दूसरे एक्टिविस्ट शामिल हुए। जब ??प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड पार करने की कोशिश की, तो पुलिस ने चंद्रशेखरन नायर स्टेडियम के पास वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया।

कुछ प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि वॉटर कैनन के इस्तेमाल के बाद उन्हें खुजली होने लगी और उन्होंने सवाल उठाया कि क्या पानी किसी गंदे स्रोत से लिया गया था।

विधानसभा में यह मुद्दा उठाते हुए विजयन ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बहुत ज्यादा दूषित पानी का इस्तेमाल किया गया, जिससे अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। उन्होंने कहा, 'वॉटर कैनन का इस्तेमाल करने का यह सामान्य तरीका नहीं है। ऐसे समय में जब केरल स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं पर चर्चा कर रहा है, इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए।' उन्होंने गृह मंत्री रमेश चेन्निथला से विस्तृत जवाब की मांग की।

चेन्निथला ने कहा कि प्रदूषित पानी का इस्तेमाल करने की कोई जानबूझकर कोशिश नहीं की गई थी और बताया कि वॉटर कैनन में पानी अथॉरिटी की सप्लाई से भरा जाता है। उन्होंने कहा कि पुराने टैंकर में जमा गंदगी या जंग के कारण पानी का रंग बदल सकता है। गृह मंत्री ने कहा, 'पानी का सैंपल लैब में जांच के लिए भेजा जाएगा। कमिश्नर से मामले की जांच करने को कहा गया है।

एनडीएमसी के अध्यक्ष ने सांगली अपार्टमेंट्स को घोषित किया 'अनुपम कॉलोनी'

विश्व केसरी

नई दिल्ली। न्यू दिल्ली म्युनिसिपल काउंसिल (एनडीएमसी) के अध्यक्ष केशव चंद्र ने सोमवार को कोपरनिकस मार्ग स्थित सांगली अपार्टमेंट्स को 'अनुपम कॉलोनी' घोषित किया। इसके साथ ही उन्होंने एक पट्टिका का अनावरण किया। यह सम्मान उन समुदायों को दिया जाता है, जो कचरा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं।

'अनुपम कॉलोनी' एनडीएमसी द्वारा दिया जाने वाला एक प्रमाणन/टैग है, जो उन कॉलोनियों को मिलता है जो जीरो-वेस्ट और आत्मनिर्भर जीवनशैली के उच्च मानकों को पूरा करती हैं।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, सांगली अपार्टमेंट्स ने लगभग 100 प्रतिशत कचरे के स्रोत पर ही पृथक्करण की उपलब्धि हासिल की है, जिसमें हर घर जिम्मेदार कचरा प्रबंधन में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है।

केशव चंद्र ने कहा कि यह पहल समुदाय आधारित पर्यावरण संरक्षण को मजबूत करने और नई दिल्ली को स्वच्छ, हरित और टिकाऊ शहर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सबसे महत्वपूर्ण बात यहां के निवासियों का उत्साह, ऊर्जा और भागीदारी है। आप देख सकते हैं कि एयर कमोडोर स्वयं यहां मौजूद हैं और हर स्तर पर लोगों की भागीदारी बहुत सक्रिय रही है।

उन्होंने आगे कहा कि इसी भागीदारी के कारण यह उपलब्धि इतनी कम समय में हासिल हो सकी।

इससे पहले एनडीएमसी ने जोर बाग, न्यू मोटी बाग, डी-1, डी-2, सत्या सदन ऑफिसर्स फ्लैट्स, भारती नगर, अराधना (बर्मा शेल कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी) और बापू धाम जैसी कई कॉलोनियों को भी 'अनुपम कॉलोनी' का दर्जा दिया है।

केशव चंद्र ने बताया कि नागरिकों की भागीदारी को बढ़ाने और जिम्मेदार कचरा निपटान को प्रोत्साहित करने के लिए कई 'अनुपम कॉलोनियों' ऐसे सेंटर बनाए गए हैं, जहां लोग कपड़े, किताबें और घरेलू सामान दान कर सकते हैं। इसके अलावा प्लास्टिक कचरा एकत्र करने के लिए वेंडिंग मशीन भी लगाई गई है, जिससे प्लास्टिक बोतलें वापस करने पर प्रोत्साहन मिलता है।

घरों से निकलने वाले गीले कचरे का ऑर्गेनिक वेस्ट कन्वर्टर के जरिए कंपोस्ट बनाया जाता है, जिसका उपयोग पार्कों और हरियाली के रखरखाव में किया जाता है।

वहीं सूखे पत्तों और बागवानी कचरे से पर्यावरण अनुकूल ब्रिकेट्स बनाए जाते हैं, जिससे 'वेस्ट टू वेल्थ' मॉडल को बढ़ावा मिलता है।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने पंजाब के औद्योगिक गौरव को बहाल करने का संकल्प लिया

विश्व केसरी

लुधियाना। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को कहा कि पंजाब के औद्योगिक और वाणिज्यिक गौरव को पुनर्स्थापित करना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का संकल्प है और इसे हर हाल में पूरा किया जाएगा।

उन्होंने लुधियाना के उद्योगपतियों को आश्वासन दिया कि राज्य में औद्योगिक विकास और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जाएगा, साथ ही कृषि को भी समानांतर रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।

नवीन ने कहा कि प्रत्येक क्षेत्र की समस्याएं अलग-अलग हैं, लेकिन इन्हें हल करने में सरकार की नीति, इरादा और निर्णायक नेतृत्व महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब सरकार केंद्र को उचित सहयोग नहीं दे रही है।

उन्होंने कहा कि पंजाब की औद्योगिक विरासत मजबूत रही है, और अगर आज यह वैसी नहीं है, तो यह चिंता का विषय है। केंद्र सरकार और भाजपा इसके लिए जवाबदेही सुनिश्चित करेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि प्रगति के लिए संवाद आवश्यक है, लेकिन अगर कोई सरकार इसे नकारात्मक मानसिकता से देखती है, तो विकास संभव नहीं है।

नवीन ने याद दिलाया कि कोरोना वायरस महामारी के दौरान, जब वे बिहार में मंत्री थे, उन्होंने पंजाब से बिहार में उद्योगों के पलायन को देखा था। उन्होंने कहा कि पंजाब में उद्योगों के लिए सहायक वातावरण और व्यवस्था का अभाव है। 'राज्य में एक सुदृढ़ औद्योगिक नीति के बिना उद्योग प्रगति नहीं कर सकता। उचित कानून व्यवस्था और सुशासन भी आवश्यक हैं।

उद्योगपतियों ने कानून-व्यवस्था, संगठित अपराध, जबरन वसूली और बिगड़ती शासन व्यवस्था को लेकर चिंता जताई। मंडी गोविंदगढ़ के उद्योगपतियों ने इस बात पर प्रकाश डाला कि लौह पुनर्चक्रण उद्योग में फर्जी वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) बिलिंग के कारण सरकारी खजाने को लगभग 2 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है।

साइकिल उद्योग के प्रतिनिधियों ने बताया कि जहां चीन 30 करोड़ साइकिलों का उत्पादन करता है, वहीं भारत केवल 3 करोड़ साइकिलों का उत्पादन करता है, और उन्होंने नई योजना की आवश्यकता पर बल दिया। कृषि-कंबाइन उद्योग ने प्रमाणन के लिए निर्धारित समय सीमा में कटौती को लेकर चिंता व्यक्त की। चावल मिल मालिकों ने अमेरिका-ईरान युद्ध और पेट्रोल की बढ़ती कीमतों के कारण बढ़ती लागत का मुद्दा उठाया और बासमती चावल के निर्यात पर सब्सिडी की मांग की।

मानसून में भारतीय तटरक्षक अलर्ट, वेस्ट एशिया संघर्ष का असर समुद्री मार्गों पर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। मानसून के दौरान समुद्री तूफानों का खतरा भारतीय तटों पर हमेशा बना रहता है, जिससे जान और माल के नुकसान की आशंका रहती है। इसके साथ ही तटीय क्षेत्रों में समुद्र से बहकर आने वाले मलबे और वस्तुएं भी चिंता का विषय बने रहते हैं। इनमें समुद्र में खाली छोड़े गए जहाज, नावें, दुर्घटनाग्रस्त जहाजों से गिरे कंटेनर और डूबे हुए जहाजों के मलबे शामिल हैं।

हर साल की तरह इस साल भी तटीय क्षेत्रों और समुद्र में भारतीय तटरक्षक फर्स्ट रिस्पॉन्डर एजेंसी के तौर पर तैयार है। इसके लिए जरूरी तैयारियां पहले ही पूरी कर ली गई हैं। भारतीय तटरक्षक अपने कोस्टल यूनिट को समय-समय पर दिशानिर्देश जारी करती रहती है। इसी कड़ी में, पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष को देखते हुए समुद्र में मौजूद छोड़े गए जहाजों/नावों और डूबे हुए जहाजों के मलबे पर खास निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

भारतीय तटरक्षक के प्रवक्ता कमांडेंट अमित उनियाल के मुताबिक, भारतीय तटरक्षक की यूनिटों को जारी किए दिशानिर्देशों में कहा गया है कि पश्चिम एशिया की मौजूदा सुरक्षा स्थिति ने समुद्री घटनाओं की संभावना को और बढ़ा दिया है, जिससे बिना निगरानी वाले जहाजों या नावों के भारतीय समुद्री क्षेत्र की ओर बहकर आने का खतरा बढ़ गया है। इसलिए ऐसे जोखिमों को कम करने के लिए लगातार निगरानी और समय पर कार्रवाई बहुत जरूरी है।

जारी दिशानिर्देशों के मुताबिक, एकीकृत समुद्री, वायु और इलेक्ट्रॉनिक निगरानी सुनिश्चित की जाए। तटरेखा पर जहाजों के फंसने जैसी घटनाओं को रोकने के लिए बहते हुए जहाजों या वस्तुओं की तुरंत रिपोर्टिंग, ट्रैकिंग और जोखिम का असेसमेंट किया जाए।

इसके अलावा, नवरिया वॉरनिंग और संबंधित नाविक सूचनाओं की लगातार निगरानी की जाए ताकि भारतीय समुद्री क्षेत्र को प्रभावित करने वाली किसी भी समुद्री घटना की समय रहते पहचान की जा सके। साथ ही, समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी) के साथ समय-समय पर संपर्क स्थापित किया जाए ताकि उनके अधिकार क्षेत्र में किसी भी छोड़े गए जहाज या नाव के होने की पुष्टि की जा सके।

समुद्र में कोस्ट गार्ड की 'आंख और कान' कहे जाने वाले मछुआरा समुदाय से मिली जानकारियों को प्राथमिकता दी जाए, क्योंकि वे ऐसे जहाजों या बहती वस्तुओं के बारे में प्रारंभिक जानकारी देने में सक्षम होते हैं। किसी भी चक्रवात के प्रभाव या उसके बाद राहत एवं बचाव कार्यों के लिए सभी तटरक्षक स्टेशनों को सक्रिय कर दिया गया है। तटरक्षक बल मुख्यालय ने अपने दिशानिर्देशों में सभी ऑफशोर पेट्रोलिंग वेसल्स को सर्च एंड रेस्क्यू, फायर फाइटिंग, प्रदूषण प्रतिक्रिया, तथा नाविकों और मछुआरों की सहायता के लिए तैयार रहने को कहा है।

इसके साथ ही मौसम विभाग की तरफ से जारी मौसम संबंधी सूचनाओं की लगातर निगरानी की जाए।

भारत में चालू खरीफ सीजन में कुल बुआई का रकबा 119 लाख हेक्टेयर के पार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत में चालू खरीफ सीजन में कुल बुआई का रकबा इस साल 19 जून तक बढ़कर 119.90 लाख हेक्टेयर हो गया है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 117.95 लाख हेक्टेयर था। यह जानकारी कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी डेटा में दी गई।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल अब तक धान की खेती का रकबा बढ़कर 12.36 लाख हेक्टेयर हो गया है, जो पिछले साल इसी अवधि के 8.09 लाख हेक्टेयर के आंकड़े से 4.27 लाख हेक्टेयर अधिक है।

उड़द और मूंग जैसी दालों की खेती का रकबा पिछले साल इसी अवधि के 6.39 लाख हेक्टेयर के मुकाबले बढ़कर 7.21 लाख हेक्टेयर हो गया है।

इस सीजन में अब तक ज्वार, बाजरा और रागी जैसे मोटे अनाजों (मिलेट्स) की खेती का रकबा बढ़कर 12.43 लाख हेक्टेयर हो गया है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 9.82 लाख हेक्टेयर था। गन्ने की खेती का रकबा भी बढ़कर 57.31 लाख हेक्टेयर हो गया है, जो पिछले साल इसी अवधि में 56.64 लाख हेक्टेयर था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने हाल ही में किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए मार्केटिंग सीजन 2026-27 के लिए 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी को मंजूरी दी थी।

'बॉस स्कैम' से साइबर ठगी का नया खतरा, भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने जारी की चेतावनी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने साइबर ठगी के एक नए तरीके को लेकर चेतावनी जारी की है, जिसे 'बॉस स्कैम' या 'सीईओ इम्पर्सोनेशन फ्रॉड' कहा जा रहा है। इस स्कैम में साइबर अपराधी कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों और सीईओ को निशाना बनाकर वित्तीय धोखाधड़ी को अंजाम दे रहे हैं।

भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के अनुसार, ठग खुद को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया जैसे नियामक संस्थानों का अधिकारी बताकर ईमेल या व्हाट्सऐप के जरिए संपर्क करते हैं। मैसेज में दावा किया जाता है कि कोई गंभीर नियम उल्लंघन हुआ है और तुरंत कार्रवाई जरूरी है।

इसके बाद एक जिप फाइल भेजी जाती है, जिसमें ऐसे सॉफ्टवेयर होते हैं, जिनका उपयोग हैकर्स द्वारा किया जाता है। कई मामलों में, सीईओ या वरिष्ठ अधिकारी मैसेज को आगे फाइनेंस विभाग तक भी भेज देते हैं।

भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने बताया कि जैसे ही यह फाइल विंडोज सिस्टम में खोली जाती है, एक ट्रोजन वायरस सक्रिय हो जाता है। इससे डिवाइस और व्हाट्सऐप वेब सेशन हैक हो जाते हैं। अपराधी अधिकारी के असली व्हाट्सऐप अकाउंट का इस्तेमाल करने लगते हैं। कर्मचारियों को फर्जी भुगतान के निर्देश भेजे जाते हैं। पैसे को म्यूल बैंक अकाउंट्स में ट्रांसफर कराया जाता है।

एक अन्य तरीके में हैकर डिवाइस की कॉन्टैक्ट लिस्ट बदलकर सीईओ के नाम से अपना नंबर सेव कर लेते हैं और उसी से कर्मचारियों को निर्देश भेजते हैं।

साइबर एजेंसी ने कंपनियों और कर्मचारियों को कई सावधानियां बरतने की सलाह दी है कि केवल व्हाट्सऐप या ईमेल संदेश पर तुरंत वित्तीय लेन-देन न करें।

ब्रिक्स एनएसए बैठक: अजित डोभाल ने ईरान के साथ पश्चिम एशिया और द्विपक्षीय संबंधों पर की बातचीत

विश्व केसरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने सोमवार को नई दिल्ली में हुई 16वीं ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बैठक के दौरान ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल (एसएनएससी) के रक्षा मामलों के उप सचिव गदीर नेजामी से मुलाकात की।

दोनों के बीच पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति, ब्रिक्स मंच के तहत सहयोग और भारत-ईरान के आपसी संबंधों को लेकर बातचीत हुई।

विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक?स' पर जानकारी देते हुए कहा, 'एनएसए अजित डोभाल ने सोमवार को 16वीं ब्रिक्स एनएसए बैठक के दौरान ईरान के एसएनएससी के रक्षा मामलों के उप सचिव गदीर नेजामी से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति की समीक्षा की। इसके अलावा ब्रिक्स के तहत सहयोग और भारत-ईरान के द्विपक्षीय संबंधों पर भी चर्चा हुई।'

भारत की अध्यक्षता में नई दिल्ली में दो दिवसीय ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक आयोजित की जा रही है। इस बैठक में सदस्य देशों के प्रमुख सुरक्षा अधिकारी शामिल हो रहे हैं, जो दुनिया में बदलती सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा कर रहे हैं और रणनीतिक मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर विचार कर रहे हैं।

एनएसए अजित डोभाल ने इथियोपिया की नेशनल इंटेलिजेंस एंड सिक्योरिटी सर्विस के एनालिसिस विभाग के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर मिलियन लेमा टैडेसे से भी मुलाकात की।

इस दौरान भारत और इथियोपिया के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए सहयोग के क्षेत्रों पर बातचीत हुई।

एमईए ने बताया कि इस बैठक में ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और प्रतिनिधिमंडल प्रमुख 'आज दुनिया के सामने मौजूद गैर-पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियों' के विषय पर अपने विचार साझा करेंगे।

अधिकारी तेजी से बदलती राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों और नई तकनीकों के कारण पैदा हो रहे सुरक्षा खतरों में उनकी भूमिका पर भी चर्चा करेंगे। इसके अलावा हाल ही में हुई ब्रिक्स की आतंकवाद विरोधी संयुक्त कार्य समूह और सूचना एवं संचार तकनीक (आईसीटी) के सुरक्षित इस्तेमाल से जुड़े संयुक्त कार्य समूह की बैठकों के नतीजों की भी समीक्षा की जाएगी।

छत्तीसगढ़ में मानसून की एंट्री: दंतेवाड़ा से प्रदेश में पहुंचा दक्षिण-पश्चिम मानसून

कई जिलों में येलो-ऑरेंज अलर्ट

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। लंबे इंतजार के बाद दक्षिण-पश्चिम मानसून ने आखिरकार छत्तीसगढ़ में दस्तक दे दी है। मौसम विभाग ने सोमवार को दंतेवाड़ा जिले से मानसून के प्रदेश में प्रवेश की पुष्टि की। मानसून के आगमन के साथ ही प्रदेश के मौसम में बदलाव शुरू हो गया है और अगले 24 से 48 घंटों के दौरान कई जिलों में बारिश की गतिविधियां तेज होने की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग के अनुसार इस वर्ष मानसून सामान्य तिथि की तुलना में करीब 10 से 12 दिन की देरी से प्रदेश पहुंचा है। मानसून की उत्तरी सीमा दंतेवाड़ा होते हुए आगे बढ़ रही है और अगले दो से तीन दिनों में इसके पूरे प्रदेश में फैलने की संभावना है। मानसून की देरी का असर वर्षा के आंकड़ों में भी दिख रहा है। अब तक प्रदेश में सामान्य से 63 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम वैज्ञानिक बीके चिंधालोरे ने बताया कि अल नीनो के प्रभाव के कारण इस वर्ष मानसून की प्रगति और वर्षा की तीव्रता प्रभावित हो सकती है। विभाग के अनुमान के मुताबिक पूरे मानसून सत्र में सामान्य से लगभग 10 प्रतिशत कम वर्षा होने की संभावना है। हालांकि आने वाले दिनों में कई जिलों में अच्छी बारिश के संकेत मिल रहे हैं, जिससे किसानों और आम लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है।

कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट

मौसम विभाग ने रायपुर, धमतरी, बालोद, गरियाबंद, महासमुंद, बलौदा बाजार, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा, जशपुर, दुर्ग, बेमेतरा, मुंगेली, सरगुजा और सूरजपुर सहित कई जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन क्षेत्रों में मेघगर्जन, आकाशीय बिजली, हल्की से मध्यम बारिश और 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

येलो अलर्ट भी जारी

सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, बस्तर, नारायणपुर, कोंडागांव, कांकेर, राजनांदगांव, कबीरधाम, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, कोरिया और बलरामपुर समेत कई जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। यहां मेघगर्जन, बिजली गिरने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि वे कृषि कार्यों और बुवाई से जुड़े निर्णय कृषि मौसम केंद्र द्वारा जारी पूर्वानुमान और सलाह के आधार पर ही लें। मानसून के आगमन से प्रदेशवासियों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिलने की उम्मीद बढ़ गई है।

महिला आयोग की सुनवाई में कई मामलों का हुआ निराकरण

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक एवं सदस्य प्रियम्वदा सिंह जूदेव ने जशपुर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में महिला उत्पीड़न एवं अन्य प्रकरणों की सुनवाई की। प्रदेशभर में आयोजित सुनवाई में 401 मामलों पर विचार किया गया, जिनमें जशपुर जिले के 10 प्रकरण शामिल रहे।

सुनवाई के दौरान एक महत्वपूर्ण मामले में आयोग ने छह वर्षों से साथ रह रहे एक युगल के विवाह की प्रक्रिया शुरू कराने के निर्देश दिए। मामले में अनावेदक, जो वर्तमान में सेना में कार्यरत है, ने आवेदिका के साथ लंबे समय से सहजीवन में रहने और उनसे एक पुत्री होने की बात स्वीकार की। आयोग के समक्ष आवेदिका ने एफआईआर दर्ज कराने के बजाय विधिवत विवाह कराने की इच्छा जताई, जिस पर अनावेदक ने सहमति दी। आयोग ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को दोनों पक्षों के विवाह की प्रक्रिया प्रारंभ कर दो माह के भीतर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही अनावेदक को प्रत्येक माह 10 हजार रुपए भरण-पोषण राशि जमा कराने का आदेश दिया गया। एक अन्य प्रकरण में सीआरपीएफ में पदस्थ कर्मचारी द्वारा पत्नी और दो बच्चों के भरण-पोषण की उपेक्षा किए जाने की शिकायत पर आयोग ने हस्तक्षेप किया। सुनवाई के दौरान अनावेदक ने अपनी पत्नी एवं बच्चों के लिए प्रतिमाह 20 हजार रुपए भरण-पोषण राशि देने पर सहमति व्यक्त की। आयोग ने संरक्षण अधिकारी को नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। भूमि विवाद से जुड़े एक मामले में आयोग ने दोनों पक्षों को तहसीलदार के समक्ष सीमांकन कराने और वैधानिक प्रक्रिया के अनुसार भूमि का कब्जा सुनिश्चित करने की सलाह दी। सीएचसी फरसाबहार में पदस्थ एक स्टाफ नर्स की आवास संबंधी शिकायत पर आयोग ने संबंधित विभाग को आवंटित शासकीय आवास की तत्काल मरम्मत कराने तथा मरम्मत अवधि में नियमानुसार एचआरए प्रदान करने के निर्देश दिए।सुनवाई के दौरान कुछ मामलों में आपसी सहमति एवं सुलह के आधार पर प्रकरणों का निराकरण किया गया, जबकि न्यायालय में लंबित एक मामले को आयोग ने सुनवाई योग्य नहीं मानते हुए बंद कर दिया। महिला आयोग ने सभी पक्षों को आपसी संवाद, कानूनी प्रावधानों के पालन एवं महिलाओं के अधिकारों के संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने उठाए छत्तीसगढ़ के अहम मुद्दे

रायपुर (संवाददाता)। रेलवे आधुनिकीकरण को लेकर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे प्रमुखता से उठाए। उन्होंने प्रदेश में रेल नेटवर्क के विस्तार, यात्री सुविधाओं में वृद्धि और लंबित परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने की मांग की।

सांसद अग्रवाल ने रायपुर-धमतरी रेल लाइन को कांकेर, कोंडागांव और जगदलपुर होते हुए विशाखापटनम तक विस्तारित करने का प्रस्ताव रखा। साथ ही नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति सामान्य होने का हवाला देते हुए रावघाट-जगदलपुर रेल परियोजना को जल्द शुरू करने की मांग की। बैठक में उन्होंने दुर्ग-पुरी तथा रायपुर-अंबिकापुर के बीच नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शुरू करने का सुझाव दिया। इसके अलावा बिलासपुर-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस को प्रतिदिन संचालित करने की मांग भी रखी गई। सांसद ने रायपुर वैगन रिपेयरिंग वर्कशॉप के आधुनिकीकरण, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने तथा नई रेल लाइनों पर मालगाड़ियों के साथ यात्री ट्रेनों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने रेलवे की जमीन पर वर्षों से निवास कर रहे जरूरतमंद परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ देने का सुझाव भी दिया। इसके साथ ही तिल्दा, भाटापारा समेत प्रदेश के कई प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर कोरोना काल से पहले उपलब्ध ट्रेनों के ठहराव को पुन: बहाल करने की मांग उठाई।

12 घंटे के भीतर तीन शव मिलने से सनसनी, हत्या की आशंका पर जांच तेज

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। राजधानी रायपुर में पिछले 12 घंटे के भीतर तीन अलग-अलग स्थानों पर शव मिलने से सनसनी फैल गई है। खमतराई और पुरानी बस्ती थाना क्षेत्रों में मिले इन शवों के मामलों में पुलिस हत्या की आशंका को लेकर जांच कर रही है।

पहला मामला खमतराई थाना क्षेत्र की डब्ल्यूआरएस कॉलोनी का है, जहां खुले मैदान में एक अज्ञात युवक का खून से लथपथ शव मिला। युवक के सिर और चेहरे पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। पुलिस को आशंका है कि भारी पत्थर से हमला कर उसकी हत्या की गई है। मृतक के दाहिने हाथ पर 'आरके सारथी' नाम का टैटू मिला है, जिसके आधार पर पहचान की कोशिश की जा रही है।

दूसरा शव खमतराई के मेटल पार्क इलाके में मिला, जो चार से पांच दिन पुराना बताया जा रहा है। शव सड़-गल चुकी अवस्था में मिला है। मृतक के शरीर पर 'चांदनी' नाम का टैटू पाया गया है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्टों से पहचान मिलान कर रही है। वहीं तीसरा शव पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के भाठागांव रिंग रोड किनारे मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

सरकारी मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टरों की कमी

सिविल सोसायटी ने मुख्य सचिव को सौंपा 16 पन्नों का ज्ञापन

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ की लड़खड़ाती स्वास्थ्य व्यवस्था और सरकारी मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टरों व शैक्षणिक स्टाफ की भारी कमी को लेकर छत्तीसगढ़ सिविल सोसायटी ने मुख्य सचिव को 16 पन्नों का विस्तृत पत्र सौंपा है। पत्र में रिक्त पदों पर तत्काल नियमित भर्ती शुरू करने, चिकित्सा शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए हैं। सिविल सोसायटी का दावा है कि प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में स्वीकृत पदों के मुकाबले आधे से अधिक पद खाली हैं।

सबसे गंभीर स्थिति सीनियर रेजिडेंट्स की है, जहां 518 स्वीकृत पदों में से 375 पद रिक्त हैं। वहीं असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर श्रेणी में भी लगभग 50 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं, जिससे चिकित्सा शिक्षा और मरीजों की उपचार व्यवस्था दोनों प्रभावित हो रही हैं। पत्र में बताया गया है कि प्रदेश में चिकित्सा विशेषज्ञों के 1773 स्वीकृत पदों में से केवल 355 डॉक्टर कार्यरत हैं, जबकि 1418 पद खाली हैं। कई जिलों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की संख्या शून्य तक पहुंच गई है। दूसरी ओर, छत्तीसगढ़ मेडिकल काउंसिल में 17 हजार से अधिक डॉक्टर पंजीकृत होने के बावजूद वर्ष 2020 के बाद से नियमित भर्ती नहीं होने पर सवाल उठाए गए हैं। सिविल सोसायटी ने कांकेर और राजनांदगांव मेडिकल कॉलेजों का उदाहरण देते हुए बुनियादी ढांचे और फैकल्टी की कमी को उजागर किया है। कई विभागों में प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष तक नहीं हैं, जबकि कुछ महत्वपूर्ण विभाग एक-दो डॉक्टरों के भरोसे संचालित हो रहे हैं। ज्ञापन में वर्तमान बॉण्ड नीति को भी अव्यावहारिक बताते हुए इसमें संशोधन की मांग की गई है। साथ ही इंटर्न डॉक्टरों का मानदेय बढ़ाकर 40 हजार रुपये और बॉण्डेड डॉक्टरों का मानदेय कम से कम एक लाख रुपये प्रतिमाह करने का सुझाव दिया गया है। सिविल सोसायटी ने राज्य सरकार से CGPSC के माध्यम से पारदर्शी नियमित भर्ती शुरू करने, ग्रामीण सेवा करने वाले डॉक्टरों को बोनस अंक देने, दूरस्थ मेडिकल कॉलेजों में फैकल्टी और आधारभूत सुविधाएं बढ़ाने तथा अगले 12 महीनों में कम से कम दो सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में किडनी और लीवर ट्रांसप्लांट सेवाएं शुरू करने की मांग की है।

किसानों की जमीन पर अवैध कब्जा, कांग्रेस का प्रदर्शन, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल हुए शामिल

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। अल्दा-देवरी-घुलघुल क्षेत्र के किसानों की जमीन पर अवैध कब्जा, फर्जी एनओसी और सरकारी भूमि पर अतिक्रमण के आरोपों को लेकर सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में ग्रामीणों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तिल्दा-नेवरा थाने का घेराव किया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण और कांग्रेस कार्यकर्ता धरने पर बैठे तथा पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि अल्दा, देवरी और घुलघुल क्षेत्र में किसानों की जमीन पर फर्जी दस्तावेजों और एनओसी के आधार पर अवैध कब्जे किए जा रहे हैं। साथ ही सरकारी जमीन पर भी अतिक्रमण किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद पुलिस और राजस्व विभाग की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है तथा दोषियों को संरक्षण दिया जा रहा है। धरना-प्रदर्शन के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि कांग्रेस किसानों के अधिकारों की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक लड़ेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज किया जा रहा है और प्रशासन उनकी शिकायतों पर गंभीरता से ध्यान नहीं दे रहा है। इस मौके पर बघेल ने देवरी-घुलघुल-अल्दा क्षेत्र में प्रस्तावित स्पंज आयरन प्लांट का भी विरोध किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की सहमति के बिना क्षेत्र में कोई भी उद्योग स्थापित नहीं होने दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि एक जून को तिल्दा-नेवरा में आयोजित किसान महापंचायत में भी उन्होंने इसी मुद्दे पर ग्रामीणों का समर्थन करते हुए प्लांट का विरोध किया था। प्रदर्शन के दौरान क्षेत्र के किसान, ग्रामीण और कांग्रेस के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि किसानों की शिकायतों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

पहली बारिश में खुली नगर निगम की तैयारियों की पोल

नूरानी चौक और राजातालाब में जलभराव से लोगों में नाराजगी

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। मानसून की पहली बारिश ने नगर निगम की बरसात पूर्व तैयारियों की पोल खोल दी है। शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनने से स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड क्रमांक-34 के नूरानी चौक, राजातालाब और अरमान नाला क्षेत्र में पानी भर जाने से लोगों में नगर निगम प्रशासन के खिलाफ नाराजगी देखी जा रही है।

नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने आरोप लगाया है कि उन्होंने करीब दो माह पहले जोन क्रमांक-4 की समीक्षा बैठक में संभावित जलभराव की समस्या को लेकर अधिकारियों को आगाह किया था। उन्होंने नाले की मैनुअल सफाई कराने का सुझाव भी दिया था, लेकिन जोन कमिश्नर दिव्या चंद्रवंशी सहित संबंधित अधिकारियों ने इस पर ध्यान नहीं दिया।

तिवारी ने कहा कि पिछले चार वर्षों से गोविंद नगर-रविनगर से ऑक्सीजन होते हुए नूरानी चौक तक जाने वाले नाले की नियमित मैनुअल सफाई होती रही है, जिससे जलभराव की समस्या नहीं होती थी। इस वर्ष सफाई नहीं कराए जाने के कारण पहली ही बारिश में इलाके जलमग्न हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बरसात पूर्व तैयारियां केवल कागजों तक सीमित रहीं। उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के निर्देशों के बावजूद न तो पर्याप्त सफाई कार्य हुए और न ही जल निकासी की प्रभावी व्यवस्था की गई। तिवारी ने बताया कि उन्होंने नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा को भी लिखित रूप से स्थिति से अवगत कराया था, लेकिन इसके बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

बुजुर्ग चमरू और हूंगी को मिला नया जीवन

अब हड्डी रोग उपचार के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं

विश्व केसरी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों का सकारात्मक परिणाम अब सुकमा जिले में भी दिखाई देने लगा है। जिला अस्पताल सुकमा में अस्थिरोग विशेषज्ञ (ऑर्थोपेडिक सर्जन) डॉ. संदीप वर्मा की पदस्थापना के बाद हड्डी रोग उपचार की सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। अब मरीजों को इलाज के लिए जगदलपुर, रायपुर या अन्य जिलों की ओर नहीं जाना पड़ रहा है।

डॉ. संदीप वर्मा ने जनवरी 2026 में जिला अस्पताल में कार्यभार ग्रहण किया। उनके प्रयासों से लंबे समय से बंद पड़े ऑपरेशन थिएटर को आवश्यक संसाधनों और उपकरणों से सुसज्जित कर पुन: शुरू किया गया। मार्च 2026 से अस्थिरोग सर्जरी सेवाएं फिर से प्रारंभ हुईं और मात्र तीन माह में 83 सफल ऑपरेशन किए गए, जो जिला अस्पताल के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।अस्पताल के अस्थिरोग विभाग में 22 बिस्तरों की सुविधा उपलब्ध है, जहां गंभीर और ऑपरेशन योग्य मरीजों का उपचार किया जाता है। सुकमा के सोढ़ीपारा निवासी 65 वर्षीय चमरू को कमर संबंधी गंभीर समस्या के कारण लंबे समय से परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। जिला अस्पताल में डॉ. संदीप वर्मा द्वारा उनकी जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। उन्हें अस्पताल में नि:शुल्क उपचार, दवाइयां, भोजन और रहने की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। स्थानीय स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलने से उनके परिवार को बड़े शहरों में इलाज कराने के खर्च और परेशानियों से राहत मिली। बारसेरास निवासी 68 वर्षीय हूँगी बारसे घर में कार्य करते समय गिर गई थीं, जिससे उनकी जांघ में गंभीर चोट लग गई थी। जिला अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा उनका सफल ऑपरेशन किया गया। इलाज, दवाइयों, भोजन और अस्पताल में रहने की सभी सुविधाएं उन्हें नि:शुल्क उपलब्ध कराई गईं।

कबीर जयंती पर मांस-मटन बिक्री में लगी प्रतिबंध, उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। कबीर जयंती के पावन अवसर पर 29 जून (सोमवार) को रायपुर नगर निगम क्षेत्र में मांस-मटन की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। नगर निगम प्रशासन ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए सभी पशुवध गृहों, मांस-मटन दुकानों, होटल एवं अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को प्रतिबंध का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देशों के अनुरूप नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने आदेश जारी कर निगम क्षेत्र में स्थित सभी पशुवध गृहों तथा मांस-मटन विक्रय केंद्रों को बंद रखने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन का कहना है कि कबीर जयंती के अवसर पर धार्मिक एवं सामाजिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। महापौर मीनल चौबे के निर्देश पर निगम के सभी जोनों में विशेष निगरानी व्यवस्था की गई है। जोन स्वास्थ्य अधिकारी और स्वच्छता निरीक्षक अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निरीक्षण कर प्रतिबंध का पालन सुनिश्चित करेंगे। इसके लिए मांस-मटन की दुकानों, होटल, ढाबों और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों की नियमित जांच भी की जाएगी। नगर निगम ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि कबीर जयंती के दिन किसी होटल, रेस्टोरेंट या अन्य प्रतिष्ठान में मांस-मटन की बिक्री या भंडारण पाया जाता है तो संबंधित सामग्री की तत्काल जप्ती की जाएगी। साथ ही संबंधित व्यक्ति या संस्था के खिलाफ नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई भी की जाएगी।

संपादकीय

लोकतंत्र : संवैधानिक प्रावधान और वास्तविक व्यवहार में बड़ा अंतर

डॉ. शैलेश शुक्ला

लोकतंत्र को विश्व की सर्वाधिक जनोन्मुख और उत्तरदायी शासन व्यवस्था माना जाता है। इसकी मूल अवधारणा अत्यंत सरल और आकर्षक है—सत्ता का वास्तविक स्रोत जनता होती है। जनता अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करती है, सरकार बनाती है और अंततः वही शासन की अंतिम स्वामिनी होती है। आधुनिक लोकतंत्र का पूरा ढाँचा इसी सिद्धांत पर आधारित है कि राज्य जनता के लिए है, जनता द्वारा संचालित है और जनता के प्रति जवाबदेह है। भारत का संविधान भी इसी भावना को स्वीकार करता है। संविधान की प्रस्तावना 'हम भारत के लोग' शब्दों से प्रारंभ होती है, जो स्पष्ट रूप से यह घोषणा करती है कि देश की संप्रभुता और सत्ता का अंतिम स्रोत जनता ही है। सैद्धांतिक रूप से देखा जाए तो लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि जनता के सेवक होते हैं और सरकारी संस्थाएँ जनता की सुविधा तथा कल्याण के लिए कार्य करती हैं। किंतु जब हम लोकतंत्र के व्यवहारिक स्वरूप को देखते हैं तो अनेक बार यह आदर्श स्थिति वास्तविकता से काफी दूर दिखाई देती है।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबनाओं में से एक यह है कि संविधान में जनता को सर्वोच्च स्थान प्राप्त होने के बावजूद व्यवहार में वही जनता अक्सर उपेक्षित, असहाय और याचक की भूमिका में दिखाई देती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जिस नागरिक को व्यवस्था का केंद्र होना चाहिए, वह अनेक बार व्यवस्था के किनारे खड़ा दिखाई देता है। सरकारी कार्यालयों में अपने अधिकारों और वैधानिक सुविधाओं के लिए नागरिकों को बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं। एक सामान्य व्यक्ति को प्रमाण पत्र बनवाने, भूमि अभिलेख प्राप्त करने, पेंशन, राशन, छात्रवृत्ति, स्वास्थ्य सुविधा या अन्य सरकारी सेवाओं के लिए लंबी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। कई बार उसे यह अनुभव होता है कि वह किसी अधिकार का उपयोग नहीं कर रहा, बल्कि किसी कृपा की याचना कर रहा है।

लोकतंत्र की आत्मा यह कहती है कि जनप्रतिनिधि जनता के प्रति जवाबदेह हों, किंतु व्यवहार में अनेक बार स्थिति इसके विपरीत दिखाई देती है। चुनाव के समय जनता का महत्व अचानक बढ़ जाता है। नेता घर-घर पहुँचते हैं, हाथ जोड़ते हैं, वादे करते हैं और स्वयं को जनता का सेवक बताते हैं। किंतु चुनाव संपन्न होने के बाद जनता और प्रतिनिधियों के बीच दूरी बढ़ने लगती है। अनेक नागरिकों का अनुभव है कि जिन प्रतिनिधियों तक चुनाव से पहले पहुँचना आसान होता है, वे चुनाव के बाद सामान्य नागरिकों की पहुँच से दूर हो जाते हैं। इससे लोकतंत्र के प्रति लोगों का विश्वास कमजोर पड़ता है और यह भावना विकसित होती है कि सत्ता जनता की नहीं, बल्कि सत्ता प्राप्त समूहों की संपत्ति बनकर रह गई है।

लोकतंत्र में जनसेवा को सर्वोच्च मूल्य माना गया है, किंतु वास्तविकता में कई बार जनसेवा की अवधारणा सत्ता और विशेषाधिकार प्राप्त करने का माध्यम बन जाती है। सार्वजनिक जीवन में प्रवेश करने वाले अनेक लोग ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करते हैं, किंतु यह भी सत्य है कि भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, संसाधनों के दुरुपयोग और सत्ता के केंद्रीकरण जैसी समस्याएँ लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करती हैं। जब सार्वजनिक पदों का उपयोग निजी लाभ के लिए होने लगता है, तब लोकतंत्र का नैतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। जनता के करों से संचालित संसाधन यदि कुछ प्रभावशाली समूहों के हित में अधिक उपयोग होने लगें और आम नागरिक को उसका उचित लाभ न मिले, तो लोकतंत्र का मूल उद्देश्य प्रभावित होता है।

वास्तव में लोकतंत्र और राजतंत्र के बीच सबसे बड़ा अंतर यही माना जाता है कि लोकतंत्र में शासक और शासित का संबंध मालिक और प्रजा का नहीं, बल्कि सेवक और स्वामी का होता है। किंतु व्यवहारिक स्तर पर अनेक बार प्रशासनिक संस्कृति में औपनिवेशिक मानसिकता के अवशेष दिखाई देते हैं। नागरिकों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करने के बजाय कई संस्थाएँ आदेशात्मक और नियंत्रणकारी दृष्टिकोण अपनाती हैं। लोकतंत्र में नागरिक अधिकारों का सम्मान सर्वोपरि होना चाहिए, किंतु कई बार नागरिकों को अपनी वैध माँगों के लिए भी संघर्ष करना पड़ता है। यह स्थिति लोकतंत्र की मूल भावना के अनुकूल नहीं कही जा सकती।

लोकतंत्र का उद्देश्य केवल चुनाव कराना नहीं है। चुनाव लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण माध्यम है, लेकिन लोकतंत्र की वास्तविक सफलता इस बात से निर्धारित होती है कि शासन व्यवस्था कितनी पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित है। यदि नागरिकों को अपने अधिकारों के लिए लगातार संघर्ष करना पड़े, यदि सरकारी सेवाएँ समय पर न मिलें, यदि निर्णय प्रक्रिया में जनता की भागीदारी सीमित हो और यदि सत्ता का उपयोग जनहित के बजाय विशेष हितों के लिए होने लगे, तो लोकतंत्र का स्वरूप कमजोर पड़ने लगता है।

यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि लोकतंत्र की चुनौतियों के लिए केवल राजनेताओं या प्रशासन को दोषी ठहराना पर्याप्त नहीं है। लोकतंत्र एक साझी व्यवस्था है जिसमें नागरिकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। जागरूक मतदाता, सक्रिय नागरिक समाज, स्वतंत्र मीडिया, उत्तरदायी संस्थाएँ और मजबूत संवैधानिक व्यवस्थाएँ लोकतंत्र को जीवंत बनाए रखती हैं। जब नागरिक अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग रहते हैं, तब लोकतंत्र अधिक उत्तरदायी बनता है।

अगर धमकी देते देते पाकिस्तान ने सचमुच युद्ध छेड़ दिया तो भारत क्या करेगा?

नीरज कुमार दुबे

बड़बोले ख्वाजा आसिफ कभी भारत को परमाणु बम की धमकी देते हैं, कभी जल युद्ध की हुंकार भरते हैं और कभी देशी विदेशी मीडिया को दिए गए साक्षात्कारों में यह कबूल करते नजर आते हैं कि हर जंग में पाकिस्तान की फौज को भारत के हाथों मुंह की खानी पड़ी है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री की ताजा गीदड़ भभकी भी उसी बौखलाहट का नतीजा है, जो आतंकवाद के सहारे भारत को अस्थिर करने की नाकाम कोशिशों के बाद अब पानी के मुद्दे पर नया शोर मचा रही है। असलियत यह है कि पाकिस्तान की सत्ता और सेना दोनों ही अपने ही देश की नाकामियों को छिपाने के लिए भारत विरोध का सहारा ले रहे हैं।

हम आपको बता दें कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक बार फिर भारत के खिलाफ युद्ध की गीदड़भभकी दी है। एक पाकिस्तानी न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में आसिफ ने कहा कि यदि पाकिस्तान की जल सुरक्षा से खिलवाड़ हुआ तो इस्लामाबाद भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने से पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने पानी को पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा का अहम हिस्सा बताते हुए आरोप लगाया कि भारत अगर जल आपूर्ति रोकने की दिशा में आगे बढ़ता है तो हालात युद्ध तक पहुंच सकते हैं। यह बयान ऐसे वक्त में आया है जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित कर पाकिस्तान को साफ संदेश दे दिया था कि आतंकवाद और बातचीत अब साथ-साथ नहीं चल सकते।

उल्लेखनीय है कि विश्व बैंक की मध्यस्थता में हुई सिंधु जल संधि के तहत सिंधु बेसिन से मिलने वाले जल से पाकिस्तान की करीब अस्सी प्रतिशत खेती चलती है। लेकिन दशकों तक आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले पाकिस्तान को अब इस बात का डर सताने लगा है कि संधि स्थगित होने के बाद भारत अपने हिस्से के जल का पूर्ण उपयोग करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। जैसे जैसे भारत अपने अधिकार के पानी का इस्तेमाल बढ़ाएगा, वैसे वैसे पाकिस्तान की पहले से डगमगाती अर्थव्यवस्था और कृषि व्यवस्था पर संकट और गहराता जाएगा।

साथ ही ख्वाजा आसिफ ने भारत पर चिनाब नदी के प्रवाह को हथियार की तरह इस्तेमाल करने और जल संबंधी सूचनाएं रोकने का आरोप लगाया है। हम आपको यह भी बता दें कि पाकिस्तान इस समय गंभीर जल संकट से जूझ रहा है। सिंध और बलूचिस्तान जैसे इलाकों में हालात बेहद खराब बताए जा रहे हैं। सिंध के सिंचाई विभाग के आंकड़ों के मुताबिक कई नहरों में भारी जल कमी दर्ज की गई है, जबकि पंजाब प्रांत पर तय हिस्से से ज्यादा पानी लेने के आरोप लग रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि पाकिस्तान के प्रांतों के बीच पानी को लेकर टकराव लगातार बढ़ता जा रहा है। यानी अपने ही घर में जल संकट और अव्यवस्था संभालने में नाकाम पाकिस्तान अब भारत पर आरोप लगाकर अपनी जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर 2.0 की तैयारी चल रही है

लेकिन पाकिस्तान को समझना होगा कि यह पुराना भारत नहीं है। पिछले महीने भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने साफ शब्दों में दुनिया को बता दिया था कि भारत

हर चुनौती का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर अभी समाप्त नहीं हुआ है और यदि जरूरत पड़ी तो ऑपरेशन सिंदूर 2.0 के लिए तीनों सेनाएं चौबीसों घंटे तैयारी कर रही हैं। सेना, वायुसेना और नौसेना के बीच तालमेल मजबूत किया जा रहा है और भविष्य के युद्ध की हर परिस्थिति को ध्यान में रखकर रणनीति बनाई जा रही है। जनरल द्विवेदी का यह बयान भारत की सैन्य शक्ति और आत्मविश्वास का परिचायक था। उन्होंने कहा कि आधुनिक युद्ध का मैदान पूरी तरह पारदर्शी हो चुका है, जहां दुश्मन की हर गतिविधि पर नजर रखी जाती है। भारतीय सेना सीमावर्ती इलाकों में सैनिकों और नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर स्तर पर सजग है।

पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि भारत अब हर मोर्चे पर निर्णायक जवाब देने की क्षमता रखता है। आतंकवाद, घुसपैठ, जल विवाद या सीमा पर उकसावे की हर हरकत का जवाब नए भारत की सेना उसी भाषा में देना जानती है। ख्वाजा आसिफ की गीदड़ भभकियां पाकिस्तान की कमजोरी और डर को उजागर करती हैं, जबकि भारतीय सेना का शौर्य, अनुशासन और तैयारी यह साबित करती है कि देश की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों को इस बार बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

भारत और पाक सैन्य क्षमता की तुलना देखिये

फिर भी यदि मान लिया जाए कि अगर पाकिस्तान भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने की हिमाकत करता है तो सवाल उठता है कि भारत क्या करेगा? इसका जवाब यह है कि इस बार भारत की ओर से केवल सीमा पर जवाब नहीं मिलेगा, बल्कि जमीन, आसमान और समंदर तीनों मोर्चों पर पाकिस्तान को ऐसी मार झेलनी पड़ सकती है जिसकी कल्पना भी इस्लामाबाद के हुक्मरानों ने नहीं की होगी। भारतीय सेनाध्यक्ष के बयानों के अलावा, दुनिया भर की रक्षा रिपोर्टों और सैन्य विश्लेषणों का अध्ययन बताता है कि पारंपरिक युद्ध क्षमता, आधुनिक हथियारों, आर्थिक ताकत, सैन्य तकनीक और रणनीतिक तैयारी के मामले में भारत पाकिस्तान पर कई गुना भारी पड़ता है।

हम आपको बता दें कि दुनिया की सबसे अनुभवी और विशाल सेनाओं में शामिल भारतीय थलसेना के पास सैनिक संख्या, आधुनिक तोपखाना, मिसाइल शक्ति और युद्धक टैंकों का ऐसा जाल है जो पाकिस्तान की जमीनी रक्षा को चंद दिनों में चरमरा सकता है। भारत के पास पिनाका बहु नली रॉकेट प्रणाली, धनुष तोप, च९ज्ञ अजय टैंक, ज्ञ90 भीष्म टैंक और ब्रह्मोस जैसी घातक मारक क्षमता है। ब्रह्मोस मिसाइल ध्वनि की गति से कई गुना तेज रफ्तार से दुश्मन के ठिकानों को मिट्टी में मिला सकती है। हाल के वर्षों में भारत ने स्वदेशी रक्षा निर्माण को तेजी से मजबूत किया है, जिसके कारण सेना को लगातार आधुनिक हथियार और तकनीक मिल रही है।

भारतीय सेना का सबसे बड़ा फायदा उसका वास्तविक युद्ध अनुभव और ऊंचे पर्वतीय इलाकों से लेकर रेगिस्तान तक हर परिस्थिति में लड़ने की क्षमता है। दूसरी ओर पाकिस्तान की सेना लंबे समय से आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता और सीमित संसाधनों से जूझ रही है। साथ ही भारत की रक्षा बजट क्षमता पाकिस्तान से कई गुना अधिक है, जिससे हथियारों की खरीद, तकनीकी उन्नयन और युद्ध तैयारी लगातार मजबूत होती जा रही है। साथ ही भारत रक्षा क्षेत्र में काफी हद तक आत्मनिर्भर है जबकि पाकिस्तान पूरी तरह चीन और दूसरे देशों पर निर्भर है।

वहीं भारतीय वायुसेना की बात करें तो यह वह ताकत है जो किसी भी आधुनिक युद्ध का रुख घंटों में बदल सकती है। भारतीय वायुसेना के पास रॉफेल, सुखोई तीस एमकेआई, तेजस और मिराज जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमान हैं। रॉफेल को दुनिया के सबसे खतरनाक बहुउद्देश्यीय युद्धक विमानों में गिना जाता है। इसकी लंबी दूरी की मारक क्षमता और अत्याधुनिक राडार प्रणाली पाकिस्तान के अधिकतर विमानों पर भारी पड़ सकती है। कई वैश्विक सैन्य अध्ययनों में माना गया है कि भारत की वायु शक्ति संख्या और तकनीक दोनों में पाकिस्तान से बहुत आगे है।

भारतीय वायुसेना की सबसे घातक ढाल एस-400 वायु रक्षा प्रणाली है। यह प्रणाली सैकड़ों किलोमीटर दूर से दुश्मन के विमान, मिसाइल और ड्रोन को हवा में ही नष्ट कर सकती है। हालिया सैन्य अभियानों और अभ्यासों में इस प्रणाली ने साबित किया कि पाकिस्तान की हवाई घुसपैठ या मिसाइल हमले को भारतीय रक्षा कवच के सामने टिकना बेहद कठिन होगा।

भारत को मिला वैश्विक वित्तीय सुरक्षा में वैश्विक नेतृत्व

महेन्द्र तिवारी

भारत ने वैश्विक वित्तीय सुरक्षा और आतंकवाद के वित्तपोषण के खिलाफ चल रही अंतरराष्ट्रीय लड़ाई में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। पहली बार किसी भारतीय अधिकारी को वित्तीय कार्रवाई कार्यबल के उपाध्यक्ष पद पर चुना गया है। 1994 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी विवेक अग्रवाल जुलाई 2026 से जून 2027 तक इस महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। वर्तमान में वह भारत सरकार के संस्कृति सचिव हैं। पेरिस में आयोजित संस्था की पूर्ण बैठक में सदस्य देशों ने उन्हें इस पद के लिए चुना। यह केवल एक प्रशासनिक नियुक्ति नहीं है, बल्कि वैश्विक वित्तीय शासन व्यवस्था में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा और प्रभाव का प्रमाण भी है।

यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि भारत 2010 से इस संस्था का सदस्य है, लेकिन पिछले 16 वर्षों में किसी भारतीय को इसके शीर्ष नेतृत्व में स्थान नहीं मिला था। अब पहली बार भारत संस्था के सर्वोच्च नेतृत्व ढांचे का हिस्सा बनेगा और उसकी नीतियों तथा प्राथमिकताओं को आकार देने में प्रत्यक्ष भूमिका निभाएगा। यह भारत की बढ़ती आर्थिक शक्ति, वित्तीय संस्थागत क्षमता और वैश्विक विश्वसनीयता का संकेत माना जा रहा है।

वित्तीय कार्रवाई कार्यबल विश्व स्तर पर धनशोधन, आतंकवाद के वित्तपोषण और सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार से जुड़े वित्तीय नेटवर्कों के खिलाफ मानक निर्धारित करने वाली प्रमुख संस्था है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली का दुरुपयोग अपराधी, आतंकवादी संगठन और अवैध नेटवर्क न कर सकें। यह संस्था सदस्य देशों की नीतियों और कानूनों का मूल्यांकन करती है तथा आवश्यक सुधारों की सिफारिश करती है। इसके निर्णयों का प्रभाव वैश्विक बैंकिंग व्यवस्था, विदेशी निवेश, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक विश्वसनीयता पर पड़ता है।

विवेक अग्रवाल की नियुक्ति उनके लंबे प्रशासनिक अनुभव और वित्तीय अपराधों से निपटने में उनकी विशेषज्ञता का परिणाम मानी जा रही है। वह पहले इस संस्था में भारत के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर चुके हैं। इसके अतिरिक्त वे भारत की वित्तीय खुफिया इकाई के निदेशक भी रह चुके हैं। वित्तीय खुफिया इकाई का कार्य संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की निगरानी करना, धनशोधन से जुड़े मामलों की पहचान करना और विभिन्न एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित करना होता है। इस अनुभव ने उन्हें वैश्विक वित्तीय सुरक्षा के जटिल मुद्दों को समझने और समाधान विकसित करने की क्षमता प्रदान की। भारत के लिए यह उपलब्धि केवल प्रतिष्ठा का विषय नहीं है बल्कि रणनीतिक महत्व भी रखती है। पिछले एक दशक में भारत ने धनशोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण के खिलाफ अपने कानूनी और संस्थागत ढांचे को मजबूत किया है। धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत जांच एजेंसियों ने अनेक मामलों का खुलासा किया है। वित्तीय लेनदेन की निगरानी के लिए तकनीकी प्रणालियों को सशक्त बनाया गया है। डिजिटल भुगतान प्रणाली के विस्तार के साथ सुरक्षा मानकों को भी लगातार बेहतर किया गया है। इन प्रयासों के कारण भारत को वैश्विक स्तर पर एक जिम्मेदार और सक्षम साझेदार के रूप में देखा जाने लगा है।

वर्ष 2024 में भारत के मूल्यांकन के दौरान संस्था ने भारत के धनशोधन और आतंकवाद वित्तपोषण विरोधी ढांचे की सराहना की थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि भारत ने प्रभावी परिणाम प्राप्त करने वाला ढांचा विकसित किया है। यही कारण है कि आज भारत को केवल एक सदस्य देश के रूप में नहीं बल्कि नीति निर्माण में योगदान देने वाले नेतृत्वकारी देश के रूप में देखा जा रहा है।

बोध कथा

हर बुराई में अच्छाई खोज सकते हैं

एक शिष्य अपने गुरु से सप्ताह भर की छुट्टी लेकर अपने गांव जा रहा था। तब गांव पैदल ही जाना पड़ता था। जाते समय रास्ते में उसे एक कुआं दिखाई दिया। शिष्य प्यासा था, इसलिए उसने कुएं से पानी निकाला और अपना गला तर किया। शिष्य को अद्भुत तृप्ति मिली, क्योंकि कुएं का जल बेहद मीठा और ठंडा था। शिष्य ने सोचा - क्यों ना यहां का जल गुरुजी के लिए भी ले चलूं। उसने अपनी मशक भरी और वापस आश्रम की ओर चल पड़ा। वह आश्रम पहुंचा और गुरुजी को सारी बात बताई। गुरुजी ने शिष्य से मशक लेकर जल पिया और संतुष्टि महसूस की। उन्होंने शिष्य से कहा- वाकई जल तो गंगाजल के समान है। शिष्य को खुशी हुई।

गुरुजी से इस तरह की प्रशंसा सुनकर शिष्य आज्ञा लेकर अपने गांव चला गया। कुछ ही देर में आश्रम में रहने वाला एक दूसरा शिष्य गुरुजी के पास पहुंचा और उसने भी वह जल पीने की इच्छा जताई। गुरुजी ने मशक शिष्य को दी। शिष्य ने जैसे ही घूंट भरा, उसने पानी बाहर कुल्ला कर दिया। शिष्य बोला- गुरुजी इस पानी में तो कड़वापन है और न ही यह जल शीतल है। आपने बेकार ही उस शिष्य की इतनी प्रशंसा की। गुरुजी बोले- बेटा, मिठास और शीतलता इस जल में नहीं है तो क्या हुआ। इसे लाने वाले के मन में तो है। जब उस शिष्य ने जल पिया होगा तो उसके मन में मेरे लिए प्रेम उमड़ा। यही बात महत्वपूर्ण है। मुझे भी इस मशक का जल तुम्हारी तरह ठीक नहीं लगा। पर मैं यह कहकर उसका मन दुखी करना नहीं चाहता था। हो सकता है जब जल मशक में भरा गया, तब वह शीतल हो और मशक के साफ न होने पर यहां तक आते-आते यह जल वैसा नहीं रहा, पर इससे लाने वाले के मन का प्रेम तो कम नहीं होता है ना।

संदेश: दूसरों के मन को दुखी करने वाली बातों को टाला जा सकता है और हर बुराई में अच्छाई खोजी जा सकती है।

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

अपने-अपने 'भोगासन'

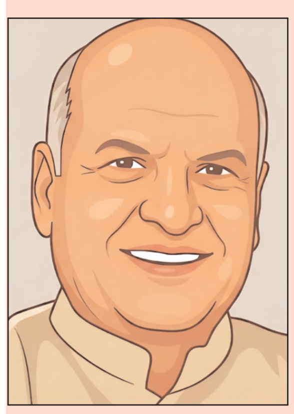

गिरीश पंकज

आसन, शासन और राशन: यह लोकतंत्र का नया व्याकरण है. ?आजकल नेता छदामीराम जी सुबह-सुबह कैमरे के सामने कठिन से कठिन योगासन करते हुए अपनी तस्वीरें खिंचवाते हैं। 21 जून को तो खिंचवाते-ही-खिंचवाते हैं. वे देश को सिखाते हैं कि 'अनुलोम-विलोम' से शरीर कैसे स्वस्थ रहता है। लेकिन जैसे ही कैमरा बंद होता है, नेताजी का असली आसन शुरू होता है— 'भोगासन'।

पाँच साल तक जनता के टैक्स के पैसों पर ऐश करना। ?मखमली सोफे, आलीशान बंगले और गाड़ियों का काफिला। यही उनका आसन है. ?उनके लिए योग सिर्फ एक दिन का उत्सव है, जबकि भोग उनके हर दिन का अधिकार बन चुका है। ?नेताजी को दुनिया के सारे आसनों में सबसे प्रिय है 'सिंहासन'। यह वह आसन है जिसके लिए वे सब कुछ दांव पर लगाने को तैयार रहते हैं। सिंहासन के पीछे ऐसी चुंबक लगी है कि कल तक जो एक-दूसरे को फूटी आँख नहीं सुहाते थे, आज उसी कुर्सी पर साथ बैठने के लिए 'गठबंधन' का योग साधना कर रहे हैं।'

इस सिंहासन पर बैठते ही उन्हें जनता की आवाज़ सुनाई देना बंद हो जाती है, क्योंकि इस आसन की ऊंचाई ही इतनी है कि नीचे खड़ी जनता बौनी दिखने लगती है। ?चुनाव से पहले नेताजी जनता के बीच आते हैं, उनके पैरों को छूते हैं, उनकी झोपड़ियों में खाना खाते हैं। लेकिन चुनाव जीतते ही पासा पलट जाता है:

आम आदमी महंगाई, बेरोजगारी, टूटी सड़कों और दफ्तरों के चक्कर काट-काटकर 'दुखासन' की मुद्रा में आ जाता है। उसकी पूरी जिंदगी एक संघर्ष बनकर रह जाती है। दूसरी तरफ, नेताजी वातानुकूलित कमरों में बैठकर 'सुखासन' का आनंद लेते हैं। उन्हें न तो धूप सताती है और न ही महंगाई की चिंता। उनके लिए देश की हर समस्या बस एक 'संसदीय चर्चा' का विषय बनकर रह जाती है। कड़वी सच्चाई यही है कि जनता राशन के लिए भटकती है और नेता शासन के लिए। गरीब आदमी आज भी दो वक्त की रोटी, सस्ते अनाज की पर्ची और राशन की दुकान के चक्कर काटने में अपनी जिंदगी गुजार देता है। उधर छदामीराम वल्द बदामी राम की पूरी ऊर्जा इस बात में लगती है कि शासन की बागडोर उनके हाथ से न छूटे। इसके लिए वे जात-पात, धर्म और झूठे वादों का ऐसा ताना-बाना बुनते हैं कि राशन के चक्कर में फंसी जनता फिर से उन्हें शासन सौंप देती है। लोकतंत्र में वर्षों से यही सिलसिला चल रहा है एक दिन योग, बाकी दिन भोग. जनता का 'भोग' अलग होता है नेताओं का 'भोग' अलग. जनता भोगने के नाम पर दुख भोगती है और नेताओं के हिस्से राजभोग होता है . यह सत्ता भी है और एक मिठाई भी।

इतिहास

22 जून का इतिहास भारतीय और विश्व पटल पर कई महत्वपूर्ण घटनाओं का साक्षी रहा है। 1944 में आज ही के दिन ब्रिटिश 14वीं सेना ने जापानी सैनिकों को खदेड़कर असम के इंफाल को मुक्त कराया था। वहीं, 1978 में आज ही के दिन प्लूटो ग्रह के सबसे बड़े चंद्रमा 'शेरॉन' की खोज की गई थी।

22 जून की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाओं का विवरण इस प्रकार है:भारत के इतिहास में1944: द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, ब्रिटिश 14वीं सेना ने जापानी सैनिकों से इंफाल (असम) को पूरी तरह से मुक्त कराया। विश्व इतिहास में1978: खगोलविदों ने प्लूटो (Pluto) के सबसे बड़े प्राकृतिक उपग्रह 'शेरॉन' (Charon) की खोज की। 2008: अमेरिकी हास्य अभिनेता जॉर्ज कार्लिन (George Carlin) का 71 वर्ष की आयु में निधन हुआ।

संक्षिप्त खबरें

किसान उत्सव दिवस में स्व-सहायता समूहों और ग्रामीण संस्थाओं ने निभाई सक्रिय भागीदारी

विश्व केसरी

जगदलपुर। भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के ग्रामीण आजीविका प्रभाग ने सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन को निर्देश जारी कर शनिवार को जून 2026 को आयोजित होने वाले 'पीएम-किसान उत्सव दिवस' को स्व-सहायता समूहों एवं सामुदायिक संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश पर बस्तर जिला मुख्यालय सहित सभी विकासखंड में स्व सहायता समूहों ने सहभागिता निभाई। ज्ञात हो कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 जून 2026 को पश्चिम बंगाल के तारकेश्वर, हुगली से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त जारी किया। इस अवसर को देशभर में 'पीएम-किसान उत्सव दिवस' के रूप में मनाया गया। ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा पीएम-किसान योजना पात्र किसान परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से आर्थिक सहायता प्रदान करने वाली केंद्र सरकार की प्रमुख योजना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को कृषि, आजीविका और ग्रामीण विकास से जुड़ी अन्य योजनाओं की जानकारी पहुंचाने का अवसर मिला। ग्राम पंचायत, ब्लॉक एवं जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में स्व सहायता समूहों सदस्यों, किसान परिवारों, ग्रामीण युवाओं और सामुदायिक संस्थाओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने कहा गया था ।

8 से 30 जून तक चलेगा पल्स पोलियो अभियान

विश्व केसरी

बलरामपुर। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के नेतृत्व में जिले में राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस अंतर्गत पल्स पोलियो अभियान 2026 का आयोजन 28 से 30 जून 2026 तक किया जाएगा। जिसका उद्देश्य जिले के सभी 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर भारत की पोलियो-मुक्त बनाए रखना तथा बच्चों को इस गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखना है। जिले में अभियान के प्रथम दिवस 28 जून 2026, रविवार को निर्धारित 693 पोलियो बूथों पर 1386 स्वास्थ्यकर्मियों एवं सहयोगी दलों द्वारा बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। इसके पश्चात 29 एवं 30 जून को स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाने का कार्य करेंगी। अभियान के दौरान जिले के 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के कुल 1 लाख 07 हजार 731 बच्चों को प्रातः 8 बजे से शाम 5 बजे तक पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह ने जिले के सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को निकटतम पोलियो बूथ पर अवश्य लेकर जाएं और पोलियो की दो बूंद जीवन की खुराक पिलाकर उन्हें सुरक्षित भविष्य दें। उन्होंने कहा कि पोलियो मुक्त भारत की उपलब्धि को बनाए रखने में जनसहभागिता की महत्वपूर्ण भूमिका है और प्रत्येक बच्चे तक पोलियो की खुराक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उल्लेखनीय है कि 27 मार्च 2014 को भारत को पोलियो मुक्त देश का प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ था, जो देश की एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण उपलब्धि रही है। भारत पिछले 14 वर्षों से अधिक समय से पोलियो मुक्त है, वैश्विक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए भारत एक्सपर्ट एडवाइजरी ग्रुप (आईईएजी) की अनुशंसा के अनुसार राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस का आयोजन किया जा रहा है।

प्रदेश का सबसे मॉडल शहर बनेगा रायगढ़ : वित्त मंत्री चौधरी

शहर में चल रहे प्रमुख विकास कार्यों का किया निरीक्षण, गुणवत्ता और समय-सीमा पर दिया विशेष जोर

विश्व केसरी

रायपुर। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी. चौधरी ने सोमवार को रायगढ़ नगर निगम क्षेत्र में संचालित विभिन्न महत्वाकांक्षी विकास परियोजनाओं का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने मरीन ड्राइव, अंतर्राज्यीय बस स्टैंड (आईएसबीटी), एफसीआई ऑक्सीजोन, मिट्ठुमुड़ा तालाब, किसान राइस मिल ऑक्सीजोन तथा कयाघाट पुल सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का स्थल पर पहुंचकर अवलोकन किया और अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ को प्रदेश के सबसे आधुनिक, सुव्यवस्थित और सुविधासंपन्न शहर के रूप में विकसित करना उनका संकल्प है। उन्होंने कहा कि सड़क, परिवहन, पर्यावरण, जल संरक्षण और नागरिक सुविधाओं से जुड़ी ये परियोजनाएं पूर्ण होने के बाद रायगढ़ विकास का नया मॉडल बनकर उभरेगा।

नवंबर तक पूरा होगा मरीन ड्राइव

प्रगति नगर स्थित निर्माणाधीन मरीन ड्राइव का निरीक्षण करते हुए वित्त मंत्री ने कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने मुख्य बॉक्स कल्वर्ट एवं डायवर्सन निर्माण कार्य समय पर पूरा होने पर संतोष व्यक्त किया और संबंधित एजेंसियों की सराहना की।उन्होंने कहा कि मरीन ड्राइव केवल यातायात सुविधा का माध्यम नहीं, बल्कि रायगढ़ की नई पहचान बनने जा रही है। इससे शहर की सुंदरता बढ़ेगी, यातायात व्यवस्था सुगम होगी तथा नागरिकों को एक आकर्षक सार्वजनिक स्थल भी मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों को आगामी नवंबर तक परियोजना पूर्ण करने के निर्देश दिए।

रायगढ़ को मिलेगा अत्याधुनिक बस टर्मिनल

वित्त मंत्री ने निर्माणाधीन अंतर्राज्यीय बस स्टैंड (आईएसबीटी) का निरीक्षण करते हुए कहा कि यह परियोजना आगामी चार दशकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित की जा रही है। उन्होंने बताया कि बस स्टैंड में एक साथ 30 बसों के संचालन की सुविधा होगी, जबकि अतिरिक्त 40 बसों के लिए भी पर्याप्त पार्किंग एवं स्थान आरक्षित रहेगा।

सीएम साय ने 510 करोड़ 89 लाख रूपए की लागत के 333 विकास कार्यों का किया लोकार्पण व भूमिपूजन

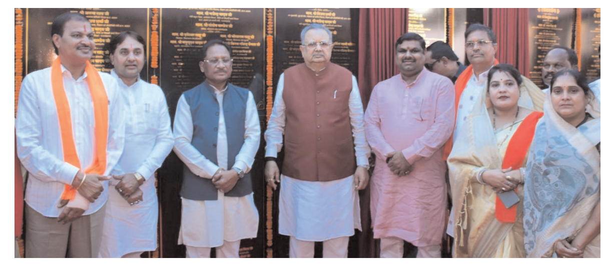

राजनांदगांव। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सोमवार को स्टेट हाई स्कूल मैदान राजनांदगांव में आयोजित प्रगतिशील किसान सम्मेलन में शामिल हुए। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह विशेष तौर पर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम में 510 करोड़ 89 लाख 16 हजार रूपए की लागत के 333 विकास कार्यों को लोकार्पण व भूमिपूजन किया। जिसमें 194 करोड़ 76 हजार रूपए की लागत के 107 कार्यों का लोकार्पण एवं 316 करोड़ 88 लाख 40 हजार रूपए की लागत के 226 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। जल संसाधन विभाग राजनांदगांव अंतर्गत 221 करोड़ 57 लाख 25 हजार रूपए की लागत के 16 कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया। जिसमें 81 करोड़ 50 लाख 31 हजार रूपए की लागत के 13 कार्यों का लोकार्पण एवं 140 करोड़ 6 लाख 94 हजार रूपए की लागत के 3 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। जल संसाधन बैराज संभाग डोंगरगांव अंतर्गत 45 करोड़ 78 लाख 24 हजार रूपए की लागत के 3 कार्यों का लोकार्पण किया गया। लोक निर्माण विभाग राजनांदगांव अंतर्गत 96 करोड़ 67 लाख 87 हजार रूपए की लागत के 16 कार्यों का भूमि पूजन किया गया। लोक निर्माण विभाग (सेतु निर्माण उपसंभाग) राजनांदगांव अंतर्गत 73 करोड़ 86 लाख 72 हजार रूपए की लागत के 15 कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया।

जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन ने केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू को सौंपा ज्ञापन

विश्व केसरी

बिलासपुर। जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के नेतृत्व में JDA CIMS बिलासपुर के प्रतिनिधिमंडल ने भारत सरकार के केंद्रीय राज्य मंत्री एवं बिलासपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद माननीय तोखन साहू से सौजन्य भेंट कर प्रदेश के युवा चिकित्सकों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों एवं समस्याओं के संबंध में विस्तृत ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल में डॉ. नागेंद्र साहू (प्रेसिडेंट, JDA CIMS बिलासपुर), डॉ. योगेश्वर जायसवाल (JDA CIMS बिलासपुर), सहित अन्य युवा चिकित्सक शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री महोदय को प्रदेश के इंटर्न, जूनियर रेजिडेंट, पोस्ट ग्रेजुएट एवं सुपरस्पेशलिटी चिकित्सकों की समस्याओं से विस्तारपूर्वक अवगत कराया।

ज्ञापन में विशेष रूप से राज्य में लागू किए जा रहे नए मेडिकल रजिस्ट्रेशन नियमों पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि ऐसे नियमों का प्रभाव प्रदेश के युवा चिकित्सकों के रोजगार, चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता तथा मरीजों की सुरक्षा पर पड़ सकता है। इसलिए इस विषय पर व्यापक विचार-विमर्श एवं आवश्यक संशोधन किया जाना चाहिए। डॉ रेशम द्वारा स्वास्थ्य विभाग में बढ़ रही आउटसोर्सिंग व्यवस्था का भी विरोध दर्ज कराया गया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं जैसे संवेदनशील क्षेत्र में नियमित एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। आउटसोर्सिंग व्यवस्था से स्थानीय युवा चिकित्सकों के अवसर प्रभावित हो सकते हैं तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। JDA प्रतिनिधिमंडल ने मेडिकल विद्यार्थियों, इंटर्न, पीजी ,बोंडेड डॉक्टर्स एवं सुपरस्पेशलिटी रेजिडेंट्स को मिलने वाली छात्रवृत्ति, स्टाइपेंड एवं मानदेय को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बढ़ाने की मांग भी प्रमुखता से रखी।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर अग्रसेन भवन में योग-ध्यान कार्यक्रम संपन्न

विश्व केसरी

राजनांदगांव। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अग्रवाल सभा, अग्रवाल महिला मंडल एवं अग्रवाल नवयुवक मंडल के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को श्री अग्रसेन भवन की ऊपरी मंजिल में योग एवं ध्यान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के महिला-पुरुषों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योग एवं ध्यान के महत्व को समझा तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में योग एवं ध्यान का प्रशिक्षण ममता नवीन अग्रवाल द्वारा प्रदान किया गया। उन्होंने उपस्थितजनों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया तथा नियमित योगाभ्यास से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों की जानकारी दी।

प्रशिक्षण के दौरान ममता अग्रवाल ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। नियमित योग एवं ध्यान से व्यक्ति तनावमुक्त रहकर स्वस्थ, संतुलित और सकारात्मक जीवन जी सकता है। उपस्थितजनों ने भी पूरे उत्साह के साथ योगाभ्यास किया और इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में अग्रवाल सभा के सचिव अशोक लोहिया, वरिष्ठ समाजसेवी राजेंद्र अग्रवाल एवं लक्ष्मण लोहिया सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए स्वस्थ जीवन के लिए नियमित योगाभ्यास को आवश्यक बताया।कार्यक्रम के सफल आयोजन पर अग्रवाल सभा, अग्रवाल महिला मंडल एवं अग्रवाल नवयुवक मंडल ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

जांजगीर चांपा पुलिस को मिली बड़ी सफलता पाकिस्तान समर्थित स्लीपर सेल का सदस्य गिरफ्तार

विश्व केसरी

जांजगीर चांपा। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में जांजगीर चांपा पुलिस द्वारा आपराधिक व्यक्तियों एवं असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में जिले के अकलतरा थाना क्षेत्र में किरायेदार सत्यापन अभियान के दौरान पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने एक संदिग्ध युवक को गिरफ्तार किया है, जिस पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI से जुड़े तत्वों के संपर्क में रहकर देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सेवक सिंह निवासी पट्टी, थाना पट्टी, जिला तरन तारण (पंजाब) के रूप में हुई है। आरोपी के विरुद्ध थाना अकलतरा में अपराध क्रमांक 350/26 के तहत धारा 152 एवं 61(2) भारतीय न्याय संहिता (BNS) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है।

किरायेदार सत्यापन के दौरान हुआ खुलासा

पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी कि अकलतरा के मिनीमाता चौक स्थित राजीव केडिया के मकान में अन्य प्रदेशों के कई व्यक्ति किराए पर रह रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और किरायेदारों का सत्यापन किया। इसी दौरान सेवक सिंह संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। पूछताछ के दौरान आरोपी ने स्वयं को पाकिस्तान सीमा क्षेत्र के समीप का निवासी बताया, किंतु उसके जवाब संतोषजनक नहीं पाए गए। संदेह के आधार पर पुलिस ने उसके मोबाइल फोन की जांच की, जिसमें पाकिस्तान, सऊदी अरब तथा अन्य विदेशी नंबरों से संपर्क के प्रमाण मिलने का दावा किया गया।

नैनो उर्वरकों से खेती बन रही अधिक लाभकारी, मिट्टी संरक्षण को भी मिल रही

विश्व केसरी

अम्बिकापुर। कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों और नवाचार आधारित उर्वरकों के उपयोग से किसानों को उत्पादन बढ़ाने, लागत कम करने और मृदा स्वास्थ्य बनाए रखने में महत्वपूर्ण सहायता मिल रही है। नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी जैसे उन्नत उर्वरक प्रदेश के किसानों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। इनके उपयोग से फसलों को आवश्यक पोषक तत्व अधिक प्रभावी ढंग से प्राप्त हो रहे हैं, जिससे उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ-साथ खेती की स्थिरता को भी बल मिल रहा है।

सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम सरई टिकरा निवासी प्रगतिशील किसान महेंद्र प्रसाद राजवाड़े ने नैनो उर्वरकों के उपयोग से प्राप्त अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि पिछले कुछ वर्षों से वे धान, गेहूं तथा विभिन्न सब्जी फसलों में नैनो यूरिया का उपयोग कर रहे हैं। उनके अनुसार इस तकनीक से फसलों की वृद्धि बेहतर हुई है तथा खेती की लागत में भी कमी आई है।

राजवाड़े ने बताया कि नैनो उर्वरकों का उपयोग सरल और सुविधाजनक है। कम मात्रा में उपयोग होने के कारण इसके परिवहन और भंडारण में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होती। छिड़काव के माध्यम से पोषक तत्व सीधे पौधों तक पहुंचते हैं, जिससे फसलों को आवश्यक पोषण समय पर प्राप्त होता है और उनकी वृद्धि अधिक प्रभावी होती है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार नैनो उर्वरकों की उपयोग दक्षता पारंपरिक उर्वरकों की तुलना में अधिक होती है। पर्णीय छिड़काव के माध्यम से पौधे पोषक तत्वों को सीधे ग्रहण कर लेते हैं, जिससे उर्वरकों की बर्बादी कम होती है और उत्पादन में सकारात्मक परिणाम प्राप्त होते हैं। इसके साथ ही उर्वरकों के संतुलित उपयोग से मिट्टी की उर्वरता और उत्पादक क्षमता को बनाए रखने में भी सहायता मिलती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि आधुनिक कृषि तकनीकों के साथ नैनो उर्वरकों का उपयोग किसानों के लिए आर्थिक रूप से लाभकारी साबित हो रहा है। कम परिवहन लागत, आसान उपयोग और बेहतर पोषण प्रबंधन के कारण किसान कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर पा रहे हैं। राज्य सरकार एवं कृषि विभाग द्वारा किसानों को वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों, नैनो उर्वरकों और आधुनिक खेती की तकनीकों के प्रति जागरूक करने के लिए निरंतर प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। इससे प्रदेश में टिकाऊ एवं उन्नत कृषि को बढ़ावा मिल रहा है।

सबसे पहले भुगतान कर भोरमदेव शक्कर कारखाना ने रचा नया कीर्तिमान

विश्व केसरी

कवर्धा। देश के सहकारी शक्कर उद्योग में एक नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना ने गन्ना किसानों के भरोसे को मजबूत करने वाली ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। लगातार दूसरे वर्ष कारखाना देश का पहला ऐसा शक्कर कारखाना बना है जिसने किसानों को समर्थन मूल्य (एफआरपी) और अतिरिक्त रिकवरी राशि का शत-प्रतिशत भुगतान जून माह में ही पूरा कर दिया। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की उपस्थिति में किसानों के खातों में 29.83 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की गई।

इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने किसानों को चेक का वितरण किया। भोरमदेव शक्कर कारखाना पूरे देश में सर्वाधिक रिकवरी देने वाला कारखाना है। समयबद्ध भुगतान, पारदर्शी व्यवस्था और किसान केंद्रित पहल ने भोरमदेव शक्कर कारखाना को किसानों के विश्वास और ग्रामीण समृद्धि का मजबूत प्रतीक बना दिया है।

गन्ना किसानों के खातों में 6.91 करोड़ रुपए की शेष (एफआरपी) राशि तथा 22.92 करोड़ रुपए की अतिरिक्त रिकवरी राशि का एकमुश्त भुगतान किया गया। इस प्रकार कुल 29.83 करोड़ रुपए सीधे किसानों के खातों में अंतरित किए गए। इसके साथ ही कारखाना द्वारा सत्र 2025-26 में अब तक किसानों को 84.18 करोड़ रुपए की (एफआरपी) राशि तथा 22.92 करोड़ रुपए की अतिरिक्त रिकवरी राशि सहित कुल 107.10 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना के चेयरमैन एवं कलेक्टर गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में कारखाना द्वारा किसानों को समय पर भुगतान, उत्पादन वृद्धि और किसान हितैषी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया गया। भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना के भुगतान कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि पिछले वर्ष किसानों ने कारखाने को लगातार गन्ना उपलब्ध कराया। किसानों के इसी सहयोग का परिणाम है कि उनके खातों में समर्थन मूल्य (एफआरपी) एवं अतिरिक्त रिकवरी राशि का पूरा भुगतान अंतरित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह केवल भुगतान नहीं, बल्कि किसानों के विश्वास और सहकारिता मॉडल की सफलता है। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि भोरमदेव शक्कर कारखाना किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि किसानों का अपना कारखाना है।

14 वर्ष की बालिकाओं के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू

विश्व केसरी

बेमेतरा। 14 वर्ष की बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा कैंसर) से सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से एच.पी.वी. (भ्नउंद च्चपससवउंअपतने) टीकाकरण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य किशोरियों को भविष्य में होने वाले गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों से बचाना तथा उनके बेहतर स्वास्थ्य की दिशा में ठोस कदम उठाना है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, एचपीवी संक्रमण महिलाओं में होने वाले सर्वाइकल कैंसर का एक प्रमुख कारण माना जाता है। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा 14 वर्ष की बालिकाओं के लिए यह टीकाकरण कार्यक्रम चलाया जा रहा है, ताकि समय रहते उन्हें इस गंभीर बीमारी से सुरक्षित किया जा सके।

उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए जन-जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। अभिभावकों, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों एवं समाज के सभी वर्गों से अपील की गई है कि वे बालिकाओं के स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़े इस महत्वपूर्ण अभियान में सहयोग करें तथा अधिक से अधिक लोगों को एचपीवी टीकाकरण के प्रति जागरूक करें। उनका मानना है कि यदि समाज के स्तर पर इस अभियान को व्यापक समर्थन मिलेगा, तो न केवल बालिकाओं का स्वास्थ्य सुरक्षित होगा, बल्कि भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के मामलों में भी कमी लाई जा सकेगी। यह टीकाकरण कार्यक्रम बालिकाओं के स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

भारतीय शेयर बाजार हरे निशान में बंद; सेंसेक्स 77,000 के पार

विश्व केसरी ■

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार के कारोबारी सत्र में हरे निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 291.17 अंक या 0.38 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,094.07 और निफ्टी 89.80 अंक या 0.37 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,102.90 पर था।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 211.80 अंक या 0.34 प्रतिशत की मजबूती के साथ 62,729.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 112.55 अंक या 0.60 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,897.00 पर था।

बाजार में तेजी का नेतृत्व डिफेंस और मीडिया शेयरों ने किया। सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.47 प्रतिशत और निफ्टी मीडिया 1.42 प्रतिशत की मजबूती के साथ टॉप गेनर थे। इसके बाद निफ्टी फार्मा, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी आईटी, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी पीएसई, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी एनर्जी भी हरे निशान में बंद हुए। इसके अलावा निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी कंजम्पशन लाल निशान में बंद हुए।

सेंसेक्स पैक में टेक महिंद्रा, सन फार्मा, इन्फोसिस, बीईएल, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, एसबीआई, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक और टीसीएस गेनर्स थे। एशियन पेंट्स, टाइटन, पावर ग्रिड, ट्रेंट, आईटीसी, इटरनल, एचयूएल, अदाणी पोर्ट्स, एलएंडटी, एमएंडएम, इंडिगो और एनटीपीसी लूजर्स थे।

व्यापक बाजार में तेजी का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों में से 2,600 से ज्यादा हरे निशान में बंद हुआ, जबकि लाल निशान में बंद होने वाली कंपनियों की संख्या 1,700 से अधिक थी।

एसबीआई सिक्योरिटीज के मुताबिक, निफ्टी की शुरुआत तेजी के साथ हुई ।

और फिर इसने 95 अंक की सीमित रेंज में कारोबार किया और 0.37 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ।

ब्रोकरेज फर्म ने आगे कहा कि निफ्टी के लिए 24,200-24,230 का जोन एक रुकावट का स्तर है और अगर यह इसे तोड़ता है तो 24,230 और फिर 24,400 का स्तर देखने को मिल सकता है। वहीं, गिरावट की स्थिति में 23,970-23,950 का स्तर सपोर्ट जोन है।

कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बीच कीमती धातुओं ने पकड़ी रफ्तार, सोने-चांदी में 1 प्रतिशत तक की बढ़त

विश्व केसरी ■

मुंबई । अमेरिका-ईरान शांति वार्ता की नाजुक स्थिति के बीच कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आने के बीच मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एमसीएक्स) पर हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को कीमती धातुओं में 1 प्रतिशत तक की बढ़त देखने को मिली।

सोमवार के सत्र में अगस्त डिलीवरी वाला सोना अपने पिछले बंद 1,47,203 रुपए से 2,093 रुपए की गिरावट के साथ 1,45,110 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला और शुरुआती कारोबार में यह 0.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,48180 रुपए के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

वहीं खबर लिखे जाने तक (सुबह 10.54 बजे के करीब) पीली धातु 849 रुपए या 0.58 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,48,052 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रही थी।

वहीं, जुलाई डिलीवरी वाली चांदी 2,715 रुपए यानी 1.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,35,900 रुपए प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करती नजर आई।

चांदी आज के सत्र में अपने पिछले बंद 2,33,185 रुपए से 3,903 रुपए या 1.6 प्रतिशत की उछाल के साथ 2,37,088 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुली और शुरुआती कारोबार में 1.6 प्रतिशत उछलकर 2,37,106 रुपए के दिन के हाई स्तर तक पहुंच गई।

एक मार्केट एक्सपर्ट ने बताया कि एमसीएक्स गोल्ड ने 1,46,000 रुपए के आसपास गैप-डाउन शुरुआत की, लेकिन निचले स्तरों पर खरीदारी आने से इसमें तेजी लौट आई और भाव 1,48,000 से 1,48,400 रुपए के रेजिस्टेंस जोन तक पहुंच गए।

यदि कीमतें इस दायरे के ऊपर बनी रहती हैं तो रिकवरी बढ़कर 1,49,500-1,50,000 रुपए और उसके बाद 1,51,000 रुपए तक जा सकती है।

वहीं, नीचे की ओर 1,46,000 से 1,45,600 रुपए का क्षेत्र महत्वपूर्ण सपोर्ट है। इस स्तर के नीचे गिरावट आने पर भाव 1,45,000 रुपए तक जा सकते हैं।

एक्सपर्ट के अनुसार, फिलहाल बाजार का रुख सतर्क बना हुआ है, हालांकि हालिया रिकवरी ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। तेजी को मजबूती देने के लिए कीमतों का 1,48,000 रुपए के ऊपर टिकना और 1,50,000 रुपए के मनोवैज्ञानिक स्तर को फिर से हासिल करना जरूरी होगा।

एमएससीआई में बदलाव से भारतीय इक्विटी में आ सकता है 30,000 करोड़ रुपये का इनफ्लो : रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। मॉर्गन स्टेनली कैपिटल इंटरनेशनल (एमएससीआई) की ओर से अगस्त में एमएससीआई इंडिया स्टैंडर्ड इंडेक्स में बदलाव किया जा सकता है और इससे भारतीय इक्विटी में 30,214 करोड़ रुपये का इनफ्लो आ सकता है। यह जानकारी एक नई रिपोर्ट में दी गई।

जेएम फाइनेंशियल की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया कि लॉरस लैब्स और बायोकॉन के इंडेक्स में शामिल होने के लिए सबसे मजबूत दावेदारों के तौर पर उभर रहे हैं। यह बदलाव 31 अगस्त से लागू होने की उम्मीद है।

ब्रोकरेज का अनुमान है कि लॉरस लैब्स और बायोकॉन के एमएससीआई इंडिया स्मॉल कैप इंडेक्स से एमएससीआई इंडिया स्टैंडर्ड इंडेक्स में शामिल होने की संभावना ज्यादा है। इससे ग्लोबल पैसिव फंड और एमएससीआई बेंचमार्क को ट्रैक करने वाले ईटीएफ से और अधिक निवेश आ सकता है।

ब्रोकरेज के अनुमान के मुताबिक, लॉरस लैब्स में लगभग 4,683 करोड़ रुपये और बायोकॉन में करीब 2,785 करोड़ रुपये का निवेश आ सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अपार इंडस्ट्रीज और ऊनो मिंडा ऐसे अन्य स्टॉक्स हैं जिनके स्टैंडर्ड इंडेक्स में अपग्रेड होने की संभावना मध्यम है। इनमें क्रमश: 2,464 करोड़ रुपये और 1,936 करोड़ रुपये का संभावित इनफ्लो आ सकता है।

एनालिस्ट्स का कहना है कि एमएससीआई इंडेक्स रीबैलेंसिंग के कारण मई के आखिरी ट्रेडिंग दिन में ट्रेडिंग के अंतिम 30 मिनटों में उतार-चढ़ाव बढ़ गया, जिससे सेशन के आखिर में भारी गिरावट आई।

रिपोर्ट में बताया गया कि इन्वेस्टर्स और ट्रेडर्स एमएससीआई इंडेक्स रिव्यू पर बारीकी से नजर रखते हैं क्योंकि इनमें होने वाले बदलावों से लागू होने की तारीख के आसपास ट्रेडिंग एक्टिविटी और पैसिव फंड इनफ्लो में बड़ी हलचल हो सकती है।

2025 में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) द्वारा लगभग 18 अरब डॉलर की निकासी के कारण कई पोर्टफोलियो में भारत का वेटेज कम हो गया है। अगर उभरते बाजारों को लेकर धारणा बेहतर होती है, तो चुनिंदा निवेश आने की संभावना बन सकती है।

भारतीय आने वाले समय में सामानों की तुलना में यात्रा और होटलों पर करेंगे ज्यादा खर्च : रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय 2025 से 2030 के बीच वास्तविक सामानों की अपेक्षा सांस्कृतिक गतिविधियों, अनुभवों, होटल और यात्रों पर अधिक खर्च करेंगे। यह जानकारी सोमवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

रियल एस्टेट सर्विस और इन्वेस्टमेंट फर्म सीबीआरई रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान वास्तविक सामानों पर परिवारों का खर्च 9.1 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ने की संभावना है, जबकि अनुभव से जुड़े खर्चों में 10.3 प्रतिशत सीएजीआर से बढ़ोतरी हो सकती है।

इस दौरान होटल में ठहरने पर होने वाले खर्च के 10.6 प्रतिशत सीएजीआर की दर से बढ़ने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में बताया गया कि भारत में लाइफस्टाइल होटलों की संख्या अभी कम है, इसलिए यहां डेवलपर्स और निवेशकों के लिए काफी संभावनाएं हैं।

जेन जी ट्रैवलर्स को शानदार और खास डिजाइन वाले माहौल की चाहत होती है, जो सोशल मीडिया पर बैकड्रॉप का काम कर सकें। उन्हें ऐसी पर्सनलाइज्ड सर्विस चाहिए जो कॉर्पोरेट के पारंपरिक अंदाज से अलग हो, और ऐसी एक्टिव कम्युनल स्पेस चाहिए जहां वाइन टेस्टिंग, अकॉस्टिक परफॉर्मेंस और स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे अनुभव मिल सकें।

रिपोर्ट में बताया गया कि सेल्फ-चेक-इन से लेकर स्मार्ट-रूम ऑटोमेशन तक, वेलनेस इंटीग्रेशन और निर्बाध तकनीक अब अपेक्षा बन गई है, न कि कोई विशिष्ट विशेषता।

इस मांग को पूरा करने के लिए लाइफस्टाइल होटल एक नई श्रेणी उभर रही है, जो एक स्वतंत्र होटल के डिजाइन और स्थानीय विशेषताओं को एक संस्थागत ब्रांड के परिचालन पैमाने, वितरण नेटवर्क और लॉयल्टी प्रोग्राम के साथ जोड़ती है।

रिपोर्ट में कहा गया कि कोविड-19 महामारी ने अनुभवों की ओर इस बदलाव को गति दी और 2022 से दबी हुई मांग ने इसे बनाए रखा है। यह ट्रेंड मुख्य रूप से 'जेनरेशन जी' की वजह से बढ़ रहा है। एशिया-पैसिफिक क्षेत्र में अभी यही सबसे बड़ा डेमोग्राफिक ग्रुप है और अनुमान है कि इनका खर्च किसी भी दूसरी मौजूदा पीढ़ी की तुलना में तेजी से बढ़ेगा।

सरकार ने ईस्ट कोस्ट रेलवे के 631 रूट किलोमीटर पर 'कवच' सिस्टम लगाने को दी मंजूरी, होंगे खर्च 270 करोड़ रुपए

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय ने सोमवार को घोषणा की कि सरकार ने ईस्ट कोस्ट रेलवे नेटवर्क के 631 किलोमीटर (आरकेएम) मार्ग पर स्वदेशी ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 'कवच' लगाने को मंजूरी दे दी है। मंत्रालय के अनुसार, इस परियोजना पर करीब 270 करोड़ रुपए की लागत आएगी।

यह परियोजना ईस्ट कोस्ट रेलवे के छह महत्वपूर्ण रेल सेक्शन्स को कवर करेगी, जिनमें बाघुआपाल-बुढ़ापंक, हरिदासपुर-पारादीप, खुर्दा रोड-बलांगीर, नौपाड़ा-गुनुपुर, लांजीगढ़ रोड-जूनागढ़ और बोब्बिली-सलूर रेल सेक्शन शामिल हैं।

मंत्रालय के अनुसार, यह स्वीकृत परियोजना भारतीय रेलवे के उस बड़े कार्यक्रम का हिस्सा है जिसके तहत पूरे रेल नेटवर्क पर एलटीई-आधारित संचार व्यवस्था के साथ 'कवच' प्रणाली लागू की जा रही है।

'कवच' भारत में विकसित की गई स्वदेशी ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन (एटीपी) प्रणाली है, जिसे सिग्नल तोड़ने (एसपीएडी), अधिक गति और ट्रेन टक्करों जैसी घटनाओं को रोकने के लिए तैयार किया गया है।

यह प्रणाली लगातार ट्रेनों की गतिविधियों पर निगरानी रखती है और आवश्यकता पड़ने पर स्वत: ब्रेक लगा देती है। इससे रेल संचालन की सुरक्षा में काफी सुधार होता है।

रेल मंत्रालय ने कहा कि इन रेल सेक्शन्स पर 'कवच' प्रणाली लागू होने से ट्रेनों को स्वचालित सुरक्षा और टक्कर-रोधी सुविधा मिलेगी, जिससे परिचालन सुरक्षा का स्तर और मजबूत होगा।

मंत्रालय के अनुसार, दुर्घटनाओं को रोकने के अलावा यह प्रणाली खराब मौसम, विशेषकर घने कोहरे के दौरान भी ट्रेनों के सुरक्षित संचालन में मदद करेगी।

रेल अधिकारियों का कहना है कि इस परियोजना से ओडिशा और ईस्ट कोस्ट रेलवे के अधीन आने वाले आसपास के क्षेत्रों में यात्री और मालगाड़ी दोनों सेवाओं को लाभ मिलेगा।

यह पहल ट्रेनों की समयपालन क्षमता और परिचालन दक्षता को बेहतर बनाने के साथ-साथ महत्वपूर्ण रेल मार्गों पर सुरक्षा ढांचे को और मजबूत करेगी।

यह मंजूरी भारतीय रेलवे द्वारा देश भर में सिग्नलिंग और सुरक्षा प्रणालियों के आधुनिकीकरण के व्यापक अभियान के तहत दी गई है।

इस महीने की शुरुआत में सरकार ने घोषणा की थी कि पूर्वी रेलवे को हाई डेंसिटी नेटवर्क (एचडीएन) और हाईली यूटिलाइज्ड नेटवर्क (एचयूएन) मार्गों पर स्थित 32 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) प्रणाली लगाने की मंजूरी मिल गई है।

सरकार ने इस सिग्नल उन्नयन परियोजना के लिए 405 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं, जिसका उद्देश्य महत्वपूर्ण रेल कॉरिडोरों में विश्वसनीयता, सुरक्षा और परिचालन प्रदर्शन को बेहतर बनाना है।

एआई से लेकर डेटा सेंटर्स तक, 12 वर्षों में भारत बना ग्लोबल डिजिटल पावर

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। पिछले 12 वर्षों में भारत ने डिजिटल क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है। कभी केवल एक बड़े डिजिटल उपभोक्ता बाजार के रूप में पहचाने जाने वाला भारत आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सेमीकंडक्टर, क्वांटम तकनीक, सुपरकंप्यूटिंग और डेटा सेंटर जैसी अत्याधुनिक तकनीकों में वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। डिजिटल इंडिया अभियान, तकनीकी नवाचार और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) के विस्तार ने भारत को दुनिया की प्रमुख डिजिटल शक्तियों में शामिल कर दिया है। सोमवार को जारी एक आधिकारिक फैक्ट शीट में यह जानकारी साझा की गई है।

फैक्ट शीट में कहा गया है कि सरकार द्वारा पिछले एक दशक में तकनीकी बुनियादी ढांचे, अनुसंधान, स्टार्टअप्स और कौशल विकास पर लगातार निवेश किया गया। इसके परिणामस्वरूप देश में नवाचार का मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हुआ है। एआई, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसे क्षेत्रों में मिशन मोड पर काम किया जा रहा है, जिससे भारत तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

साल 2015 में शुरू किए गए डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने देश में डिजिटल क्रांति की नींव रखी। ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क का तेजी से विस्तार हुआ और हाई-स्पीड इंटरनेट की पहुंच गांवों तक पहुंची। वर्ष 2019 में जहां ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क 19.35 लाख रूट किलोमीटर था, वहीं 2025 तक यह बढ़कर 42.36 लाख रूट किलोमीटर हो गया।

भारत ने दुनिया के सबसे तेज 5जी नेटवर्क विस्तार में भी महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। वर्तमान में 5जी सेवाएं देश के लगभग 99.9 प्रतिशत जिलों तक पहुंच चुकी हैं। बेहतर इंटरनेट कनेक्टिविटी का असर यह हुआ कि इंटरनेट कनेक्शनों की संख्या 2014 के 25.15 करोड़ से बढ़कर 2026 में 102.86 करोड़ तक पहुंच गई।

इसी तरह ब्रॉडबैंड कनेक्शन भी 2014 के 6.1 करोड़ से बढ़कर दिसंबर 2025 तक 99.56 करोड़ हो गए। इंटरनेट की बढ़ती पहुंच ने शिक्षा, स्वास्थ्य, डिजिटल भुगतान, ई-कॉमर्स और सरकारी सेवाओं को आम लोगों तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई।

बयान में कहा गया है कि डिजिटल विस्तार की सबसे बड़ी वजह इंटरनेट की कम होती लागत भी रही है। 2014 में जहां औसतन 1 जीबी डेटा की कीमत 269 रुपए थी, वहीं अब यह घटकर केवल 8 से 10 रुपए प्रति जीबी रह गई है। इसी अवधि में प्रति व्यक्ति मासिक डेटा खपत 61.66 एमबी से बढ़कर 24.01 जीबी तक पहुंच गई है। सस्ते इंटरनेट ने ऑनलाइन शिक्षा, टेलीमेडिसिन, डिजिटल बैंकिंग और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा दिया है। इससे देश में डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार तेजी से हुआ है और नई तकनीकों को अपनाने की गति भी बढ़ी है।

वैश्विक अस्थिरता में कमी से वित्त वर्ष 27 की पहली छमाही में रुपए में आ सकती है रिकवरी: रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। वैश्विक अस्थिरता में कमी और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा हाल में उठाए गए कदमों के कारण आने वाले समय में रुपए पर दबाव कम हो सकता है और इसमें रिकवरी देखने को मिल सकती है। यह जानकारी सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

एलारा सिक्योरिटीज की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया कि वित्त वर्ष 27 की पहली छमाही में डॉलर के मुकाबले रुपए में मजबूती देखने को मिल सकती है। इसकी वजह चालू खाते घाटे पर दबाव कम होना और प्रवाह का बढ़ना है, जिससे रुपया 93-95 की रेंज में रह सकता है।

अगर अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरें बढ़ाता है, जैसा कि उम्मीद है कि वित्त 27 की दूसरी छमाही में 50 आधार अंक की बढ़ोतरी होगी, तो इससे रुपए समेत उभरते बाजारों की विदेशी मुद्रा पर दबाव बढ़ सकता है और इससे करेंसी की मजबूती सीमित रह सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पॉलिसी में बदलाव से निकट अवधि में स्थिति को संभालने में मदद मिली। साथ ही, विदेशी मुद्रा बाजार को स्थिर करने के उपायों, सरकारी बॉन्ड पर टैक्स में छूट और डेट-आधारित विदेशी मुद्रा निवेश को आकर्षित करने के लिए दिए गए प्रोत्साहन का भी इसमें योगदान रहा।

रिपोर्ट के अनुसार, 5 जून 2026 के ऐतिहासिक इनकम-टैक्स ऑर्डिनेंस - जिसने एफपीआई के लिए भारत की सरकारी प्रतिभूतियों निवेश को टैक्स-फ्री बना दिया - की वजह से भारतीय डेट मार्केट में निवेश का प्रवाह फिर से ठीक-ठाक स्तर पर आ गया है और यील्ड में भी कमी आई है।

आरबीआई की पॉलिसी के बाद से 10 ट्रेडिंग दिनों में एफएआर रूट से भारत के डेट मार्केट में एफपीआई का निवेश बढ़कर 1.7 बिलियन डॉलर हो गया है, जबकि पॉलिसी से पहले के 10 ट्रेडिंग दिनों में यह 229 मिलियन डॉलर था। ग्लोबल ब्लूमबर्ग बॉन्ड इंडेक्स में भारत के संभावित शामिल होने को मिलाकर, भारत में कुल निवेश 80-85 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है।

हालांकि, वित्त वर्ष 27 के लिए करंट अकाउंट फंडिंग से जुड़े जोखिम कम हो रहे हैं, लेकिन रिपोर्ट में वित्त वर्ष 28 में लंबे समय तक विदेशी पूंजी के प्रवाह को लेकर चिंता जताई गई है।

इसकी वजह ग्लोबल स्तर पर एफडीआई का कम होना, अमेरिका में मॉनेटरी पॉलिसी का सख्त होना और टेक सेक्टर में निवेश के यूएस पर केंद्रित होने के कारण भारत में एफपीआई इक्विटी निवेश का कम रहने की संभावना है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका के एआई निवेश का केंद्र बने रहने के बीच वहां ब्याज दरें बढ़ने का दौर शुरू होने वाला है, इसलिए भारतीय इक्विटी में एफपीआई निवेश का आउटलुक निराशाजनक बना हुआ है।

बिना गैस और तेल के इस एक ट्रिक से प्याज बनेगा इतना क्रिस्पी कि हर कोई पूछेगा रेसिपी, स्वाद चखते ही हो जाएंगे फैन

फूड ब्लॉगर अंजू वर्मा ने बिना गैस और तेल के मिनटों में बनने वाले चटपटे 'लच्छा प्याज चिप्स' की आसान रेसिपी साझा की है. इसे बनाने के लिए पतले कटे प्याज को पांच मिनट बर्फ के पानी में रखा जाता है ताकि तीखापन दूर हो सके. इसके बाद प्याज में हरी मिर्च, लाल मिर्च, चाट मसाला, नमक और नींबू का रस मिलाया जाता है. परोसने से ठीक पहले इसमें चिप्स और हरा धनिया मिक्स किया जाता है. यह क्रिस्पी स्नैक बच्चों और बड़ों दोनों को बेहद पसंद आता है और शाम की चाय के लिए एक बेहतरीन विकल्प है.

बच्चों को घर पर बनी नई-नई चीजें खाना बहुत पसंद होता है. हर बार उनकी अलग-अलग डिमांड को पूरा करना और वह भी हेल्दी तरीके से, माता-पिता के लिए एक बड़ा काम होता है. अगर आप भी अपने बच्चों के लिए इस बार कुछ बेहद नया, टेस्टी और क्रिस्पी ट्राई करना चाहते हैं, तो 'लच्छा प्याज चिप्स' की रेसिपी एक बार जरूर ट्राई करें. इस लाजवाब डिश को बनाने में अधिक समय नहीं लगता है और यह खास डिश कुछ ही मिनटों में बनकर तैयार हो जाती है. वहीं, इसे बनाने के लिए आपको किचन में घंटों पसीना बहाने की या बहुत अधिक सामग्री जुटाने की भी जरूरत नहीं पड़ती है.

इस स्वादिष्ट स्नैक की सबसे खास बात तो यह है कि इस डिश को बनाने के लिए आपको बिल्कुल भी तेल की जरूरत नहीं पड़ती है. इसके साथ ही इसे तैयार करने में गैस भी न के बराबर या कहें तो बिल्कुल खर्च नहीं होता है. यही वजह है कि यह पूरी तरह से झंझट मुक्त रेसिपी है. इसका चटपटा स्वाद और गजब का कुरकुरापन केवल छोटे बच्चों को ही नहीं, बल्कि घर के हर उम्र के लोगों को बेहद पसंद आता है. इसे आप अचानक आए मेहमानों के सामने भी फटाफट परोस सकते हैं.

घर में मौजूद साधारण चीजों से बनेगी डिश

मशहूर फूड ब्लॉगर अंजू वर्मा ने बताया कि कुरकुरे और चटपटे लच्छा प्याज चिप्स बनाने के लिए आपको बाजार से कोई महंगी चीज लाने की आवश्यकता नहीं है. इसे बनाने के लिए एक से डेढ़ प्याज, बारीक कटी हुई हरी मिर्च, लाल मिर्च पाउडर, चटपटा चाट मसाला, स्वादानुसार नमक, नींबू का रस, 80 से 100 ग्राम आलू चिप्स और थोड़ा-सा बारीक कटा हुआ हरा धनिया इसकी मुख्य सामग्री हैं. यानी, घर की रसोई में हमेशा उपलब्ध रहने वाली साधारण चीजों से यह बेहतरीन और माउथ-वाटरिंग डिश आसानी से तैयार की जा सकती है.

लच्छा प्याज चिप्स बनाने की सबसे आसान विधि

फूड ब्लॉगर के अनुसार, लच्छा प्याज चिप्स बनाने के लिए सबसे पहले प्याज को छीलकर बेहद पतला और लंबा-लंबा (लच्छेदार) काट लें. इसके बाद कटे हुए प्याज को लगभग पांच मिनट तक बर्फ वाले एकदम ठंडे पानी में भिगोकर रख दें. उन्होंने बताया कि बर्फ के पानी में रखने से प्याज का तीखापन काफी हद तक कम हो जाता है, वह एकदम क्रंची हो जाता है और उसका स्वाद बहुत बढ़ जाता है. इसके बाद पांच मिनट बाद प्याज को ठंडे पानी से निकालकर छलनी में रख दें, ताकि इसमें मौजूद एक्स्ट्रा पानी पूरी तरह से निकल जाए।

जोधपुर के इन 5 गांवों की खूबसूरती देख रह जाएंगे हैरान! हरियाली और सुकून भरा माहौल बना देगा आपकी ट्रिप यादगार

अगर आप वीकेंड पर शहर की भागदौड़, ट्रैफिक और तनाव से दूर कुछ शांत और प्राकृतिक जगहों की तलाश में हैं, तो जोधपुर के आसपास बसे खूबसूरत गांव आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं. ये गांव राजस्थान की पारंपरिक संस्कृति, ग्रामीण जीवन और प्राकृतिक सुंदरता का अनूठा अनुभव कराते हैं. यहां आपको शहरी शोर-शराबे से दूर शांत वातावरण, खुले खेत, स्थानीय खानपान और लोगों की आत्मीयता देखने को मिलेगी. कई गांव अपने ऐतिहासिक महत्व, लोक कला और प्राकृतिक दृश्यों के लिए भी प्रसिद्ध हैं. वीकेंड पर परिवार या दोस्तों के साथ इन स्थानों की यात्रा आपको मानसिक सुकून और नई ऊर्जा का अनुभव करा सकती है. खास बात यह है कि यहां कम भीड़भाड़ होने के कारण आप प्रकृति के बीच आराम से समय बिता सकते हैं.

जोधपुर के आसपास मोगड़ा स्थित बिश्नोई गांव अपनी अनोखी जीवनशैली और पर्यावरण संरक्षण के लिए जाने जाते हैं. यहां लोग पेड़ों और वन्यजीवों की रक्षा को धर्म का हिस्सा मानते हैं. गांवों में काले हिरण, चिंकारा और मोर आसानी से देखे जा सकते हैं. पर्यटक यहां ग्रामीण संस्कृति, पारंपरिक राजस्थानी भोजन और लोक जीवन का अनुभव कर सकते हैं. बिश्नोई समुदाय की जीवनशैली लोगों को काफी प्रभावित करती है.

जोधपुर से करीब 25 किलोमीटर दूर स्थित खेजड़ली गांव पर्यावरण संरक्षण के इतिहास के लिए प्रसिद्ध है. वर्ष 1730 में अमृता देवी बिश्नोई सहित 363 लोगों ने खेजड़ी के पेड़ों को बचाने के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया था. यह गांव आज भी प्रकृति प्रेमियों और इतिहास में रुचि रखने वाले पर्यटकों को आकर्षित करता है. यहां हर साल खेजड़ली शहीद मेला भी आयोजित होता है। गांव की शांत फिजा और हरियाली इसे खास बनाती है। गुड़ा बिश्नोइयां गांव जोधपुर के लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में शामिल है. यहां आने वाले पर्यटक काले हिरण, मोर और अन्य वन्यजीवों को प्राकृतिक वातावरण में देख सकते हैं. गांव में पारंपरिक राजस्थानी घर, लोक संगीत और ग्रामीण जीवन की झलक देखने को मिलती है. स्थानीय लोग अपनी संस्कृति और परंपराओं को आज भी जीवित रखे हुए हैं. यह स्थान विदेशी पर्यटक को फोटोग्राफी और ग्रामीण परिवेश के साथ रहकर विदेशी पर्यटक को बेहद पसंद किया जाता है.

जोधपुर से करीब 20 किलोमीटर दूर स्थित सालावास गांव अपनी हस्तनिर्मित दरियों के लिए मशहूर है. यहां के कारीगर पीढ़ियों से पारंपरिक तरीके से दरी बनाने का काम करते आ रहे हैं. देश-विदेश से लोग यहां की कलात्मक दरियां खरीदने आते हैं. पर्यटक यहां बुनाई की पूरी प्रक्रिया को करीब से देख सकते हैं. ग्रामीण हस्तशिल्प और स्थानीय कला को समझने के लिए यह गांव बेहतरीन जगह है। जोधपुर से लगभग 65 किलोमीटर दूर ओसियां को राजस्थान का 'खजुराहो' भी कहा जाता है. यहां 8वीं से 12वीं शताब्दी के कई प्राचीन हिंदू और जैन मंदिर मौजूद हैं।

सपने में रोना देखकर डर गए? जानिए कौन से संकेत देता है ये सपना और क्या कहता है स्वप्न शास्त्र

सपने में खुद को रोते हुए देखना स्वप्न शास्त्र में अक्सर शुभ माना जाता है. यह मान-सम्मान, आर्थिक उन्नति और सकारात्मक बदलाव का संकेत हो सकता है, जबकि मनोविज्ञान इसे भावनात्मक तनाव कम होने से जोड़ता है.

रात को देखे गए कुछ सपने सुबह उठने के बाद भी लंबे समय तक हमारे मन में बने रहते हैं. इनमें से एक सपना है खुद को रोते हुए देखना. ऐसे सपने के बाद अक्सर लोग घबरा जाते हैं और सोचने लगते हैं कि कहीं यह आने वाली किसी परेशानी का संकेत तो नहीं. हालांकि, स्वप्न शास्त्र की मानें तो हर सपना वैसा नहीं होता, जैसा वह दिखता है. कई बार दुखद लगने वाले सपने भी शुभ संदेश लेकर आते हैं. सपने में खुद को रोते हुए देखना भी ऐसा ही संकेत माना जाता है.

मान्यता है कि यह सपना जीवन में सकारात्मक बदलाव, मान-सम्मान में बढ़ोतरी और अच्छी खबर मिलने का इशारा हो सकता है. वहीं मनोवैज्ञानिक नजरिए से देखें तो यह सपना आपके भीतर छिपी भावनाओं और मानसिक दबाव से भी जुड़ा हो सकता है.

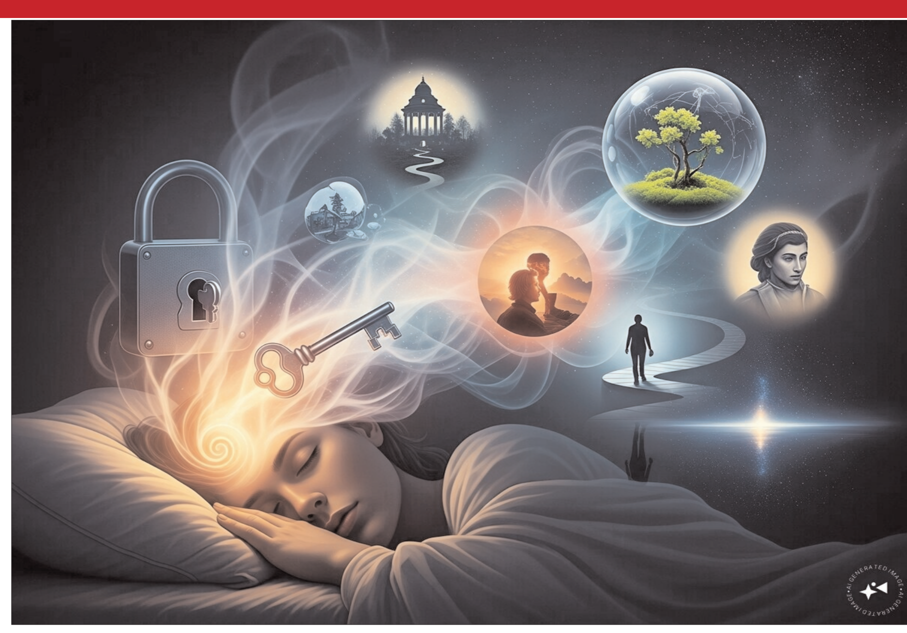

स्वप्न शास्त्र में क्या कहता है यह सपना?

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, सपने में खुद को रोते हुए देखना आमतौर पर शुभ माना जाता है. माना जाता है कि यह सपना जीवन में चल रही परेशानियों के खत्म होने और नए अवसर मिलने का संकेत देता है. कई लोगों के लिए यह सपना रुके हुए काम पूरे होने, करियर में प्रगति और सामाजिक पहचान बढ़ने का सूचक भी हो सकता है. दिलचस्प बात यह है कि वास्तविक जीवन में रोना जहां दुख का प्रतीक माना जाता है, वहीं सपनों की दुनिया में इसके अर्थ अक्सर उलट होते हैं.

1. अकेले रोते हुए दिखना क्या बताता है?

मान-सम्मान बढ़ने के संकेत अगर आप सपने में खुद को अकेले बैठकर या जोर-जोर से रोते हुए देखते हैं, तो इसे शुभ संकेत माना जाता है. स्वप्न शास्त्र के मुताबिक, आने वाले समय में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है. कार्यक्षेत्र में आपको सराहना मिल सकती है या लंबे समय से रुका हुआ कोई काम पूरा हो सकता है. कई लोग बताते हैं कि महत्वपूर्ण बदलावों से पहले उन्होंने इस तरह के सपने देखे थे. हालांकि, इसे निश्चित भविष्यवाणी के बजाय एक पारंपरिक मान्यता के तौर पर ही देखना चाहिए.

मनोविज्ञान क्या कहता है?

भावनात्मक बोझ कम होने का संकेत मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, सपने में रोना अक्सर मन के भीतर दबे हुए तनाव, चिंता या अनकही भावनाओं को बाहर निकालने का तरीका हो सकता है. दिनभर की भागदौड़, काम का दबाव या रिश्तों से जुड़ी उलझनें सपनों के जरिए सामने आ सकती हैं. विशेषज्ञ मानते हैं कि कई बार ऐसे सपने मानसिक शुद्धि की तरह काम करते हैं. इनके बाद व्यक्ति को हल्कापन और राहत महसूस हो सकती है.

2. किसी दूसरे व्यक्ति के साथ रोने का मतलब

यदि आप सपने में किसी दोस्त, रिश्तेदार या किसी अन्य व्यक्ति के साथ रोते हुए दिखाई देते हैं, तो स्वप्न शास्त्र इसे आर्थिक दृष्टि से सकारात्मक मानता है।

मान्यता है कि यह सपना आकस्मिक धन लाभ, नए अवसर या आर्थिक स्थिति में सुधार का संकेत हो सकता है. इसके अलावा, यह आपके रिश्तों में मजबूती और भावनात्मक जुड़ाव बढ़ने का भी इशारा माना जाता है।

अगर बच्चे को बनाना है सफल और समझदार, तो बचपन में जरूर सिखाएं चाणक्य की ये 6 सिखाएं

बच्चों की परवरिश केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं होनी चाहिए. सही दोस्त चुनना, अच्छा चरित्र, भावनाओं पर नियंत्रण, अनुशासन और सोच-समझकर फैसले लेना जैसी आदतें उनके भविष्य को मजबूत बना सकती हैं.

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में माता-पिता अक्सर बच्चों की अच्छी पढ़ाई, बेहतर स्कूल और एक्स्ट्रा एक्टिविटीज़ पर ध्यान देते हैं, लेकिन एक सवाल अक्सर पीछे छूट जाता है क्या हम बच्चों को जीवन जीने की सही समझ भी दे रहे हैं? अच्छे नंबर कुछ समय तक साथ देते हैं, लेकिन आदतें और संस्कार लंबे समय तक इंसान का व्यक्तित्व बनाते हैं. यही वजह है कि सदियों पहले दी गई आचार्य चाणक्य की कई बातें आज भी लोगों को सोचने पर मजबूर करती हैं. उनकी नीतियां सिर्फ राजनीति या प्रशासन तक सीमित नहीं थीं, बल्कि जीवन को संतुलित और मजबूत बनाने की सीख भी देती हैं. बच्चों के शुरुआती सालों में डाली गई कुछ आदतें उन्हें आगे चलकर जिम्मेदार, आत्मनिर्भर और समझदार इंसान बना सकती हैं.

बच्चों का भविष्य सिर्फ पढ़ाई से नहीं, आदतों से भी बनता है

हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा सफल बने, लेकिन सफलता की शुरुआत अक्सर छोटी-छोटी आदतों से होती है. बचपन में सीखी गई बातें धीरे-धीरे सोच, व्यवहार और फैसलों का हिस्सा बन जाती हैं. आचार्य चाणक्य ने भी ऐसे ही कुछ मूल सिद्धांत बताए थे जिन्हें बच्चों को समय रहते समझाना जरूरी माना गया.

1. दोस्त चुनने की समझ बचपन से दें

बच्चे अपने दोस्तों से बहुत कुछ सीखते हैं. कई बार माता-पिता यह मान लेते हैं कि दोस्ती बच्चों का निजी मामला है, लेकिन संगति का असर लंबे समय तक दिखाई देता है. जो बच्चे ऐसे लोगों के साथ रहते हैं जो मेहनत, ईमानदारी और सकारात्मक सोच को महत्व देते हैं, उनमें भी वैसी ही आदतें विकसित होने लगती हैं. यहां बच्चों को दूसरों को जज करना नहीं, बल्कि अच्छे और गलत प्रभाव में फर्क करना सिखाना ज्यादा जरूरी होता है.

2. लोगों की राय से ज्यादा अपने चरित्र को महत्व देना सिखाएं

आज सोशल मीडिया और तुलना के दौर में बच्चे जल्दी प्रभावित हो जाते हैं. उन्हें लगता है कि दूसरों की नजर में अच्छा दिखना ही सबसे जरूरी है. लेकिन असली पहचान इंसान के व्यवहार और फैसलों से बनती है. बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि लोकप्रिय होना और अच्छा इंसान होना दो अलग बातें हैं. जब कोई नहीं देख रहा हो तब भी सही काम करना ही मजबूत चरित्र की निशानी है.

हर बात साझा करना समझदारी नहीं होती

3. बच्चों को निजी सीमाओं की अहमियत समझाएं

आज की डिजिटल दुनिया में बच्चे छोटी-छोटी बातें भी सार्वजनिक कर देते हैं. ऐसे में यह समझाना जरूरी है कि हर भावना, हर परेशानी और हर निजी जानकारी हर किसी से साझा नहीं की जाती. उन्हें भरोसे और गोपनीयता का फर्क समझाना चाहिए. परिवार, दोस्त और ऑनलाइन दुनिया तीनों जगह सीमाएं तय करना एक जरूरी जीवन कौशल बन चुका है.

4. बोलने से पहले सोचने की आदत डालें

कई बार बच्चे गुस्से, उत्साह या भावनाओं में तुरंत प्रतिक्रिया दे देते हैं. बाद में वही बातें रिश्तों में दूरी की वजह बन जाती हैं. अगर बचपन से उन्हें यह आदत सिखाई जाए कि बोलने से पहले कुछ सेकंड सोचें क्या यह जरूरी है, क्या इसे बेहतर तरीके से कहा जा सकता है तो यह आदत आगे जाकर उनके रिश्तों और व्यक्तित्व दोनों को मजबूत बना सकती है।

गरीबी और चुनौतियों को मात देकर पहली आदिवासी युवती विनीता सोरेन ने फतह किया था माउंट एवरेस्ट

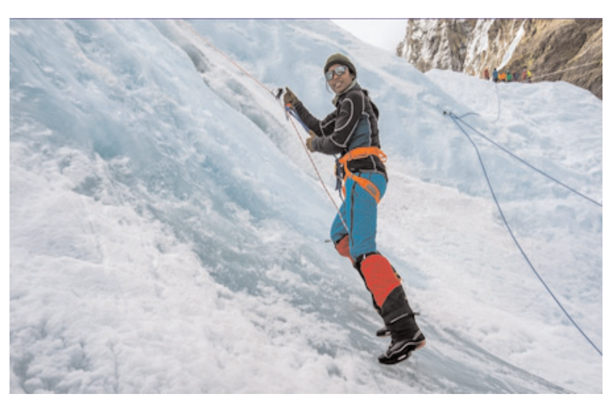

झारखंड की धरती से निकलकर दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट तक पहुंचने वाली विनीता सोरेन साहस, संघर्ष और दृढ़ संकल्प की मिसाल हैं। सीमित संसाधनों और चुनौतियों के बावजूद उन्होंने अपने सपनों को पंख दिए और एवरेस्ट फतह करने वाली पहली आदिवासी महिला बनकर इतिहास रच दिया। 25 साल की उम्र में विनीता ने जिस ऊंचाई को छुआ, उसके पीछे उनकी मेहनत और अदम्य साहस की कहानी है। दुनिया के सबसे ऊंचे शिखर को छूकर, उन्होंने यह साबित कर दिया कि सपनों की ऊंचाई किसी सामाजिक सीमा में नहीं बंधा जा सकता है।

झारखंड के सेराइकेला खरसावां जिले के राजनगर ब्लॉक के केसोरसोरा गांव में 21 जून 1987 को विनीता का जन्म एक साधारण आदिवासी परिवार में हुआ था। गरीबी और सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने बड़े सपने देखने का साहस किया। विनीता का जीवन आम आदिवासी लड़कियों की तरह ही शुरू हुआ। वे खेतों में काम करने, सीमित शिक्षा और सीमित सपनों तक ही निर्धारित थीं लेकिन विनीता के सपने एवरेस्ट से भी ऊंचे थे।

विनीता के गांव और आसपास के इलाकों में लड़कियों के लिए टीचिंग या नर्सिंग ही करियर माने जाते थे लेकिन उनका सपना बिल्कुल अलग था। एवरेस्ट फतह करने से पहले उन्हें सात साल की कठोर मेहनत करनी पड़ी। इस दौरान उन्होंने सीखा कि पर्वतारोहण केवल ताकत नहीं बल्कि मेंटल स्ट्रेंथ, साहस और संकल्प की भी परीक्षा है। भीषण ठंड और बर्फबारी के बीच कई बार कठिन पल आए। कई बार ऐसा लगा कि इस सफर की मंजिल ही नहीं है लेकिन हिम्मत, लगन और दुनिया जीत लेने के जुनून ने उनको बर्फीले पर्वत की सबसे ऊंची चोटी पर पहुंचा दिया।

विनीता 2004 में विनीता पहली बार बछेंद्री पाल से मिली थीं और उनकी प्रेरणा से ही पर्वतारोही बनने का लक्ष्य तय किया। माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली प्रथम भारतीय महिला बछेंद्री पाल ने ही विनीता सोरेन को प्रशिक्षण दिया। आदिवासी और किसान परिवार से होने की वजह से पर्वतारोही बनने की उनकी हिम्मत नहीं हो रही थी। घर से बाहर निकलना ही उनके लिए एवरेस्ट चढ़ने जैसा था, लेकिन परिवार ने भरोसा किया और आगे बढ़ने की हिम्मत दी।

विनीता सोरेन ने 'इको एवरेस्ट स्प्रिंग अभियान' के तहत 20 मार्च 2012 को अपने दो साथियों के साथ जमशेदपुर से अपनी यात्रा शुरू की। 26 मई 2012 को सुबह 6:50 बजे विनीता और मेघलाल महतो ने राजेंद्र सिंह पाल के साथ माउंट एवरेस्ट के शिखर पर भारतीय ध्वज फहराकर इतिहास रच दिया।

यादों में वेंकटेश : राजभाषा हिंदी के लिए संविधान सभा में बुलंद हुई थी वेंकटेश नारायण तिवारी की आवाज

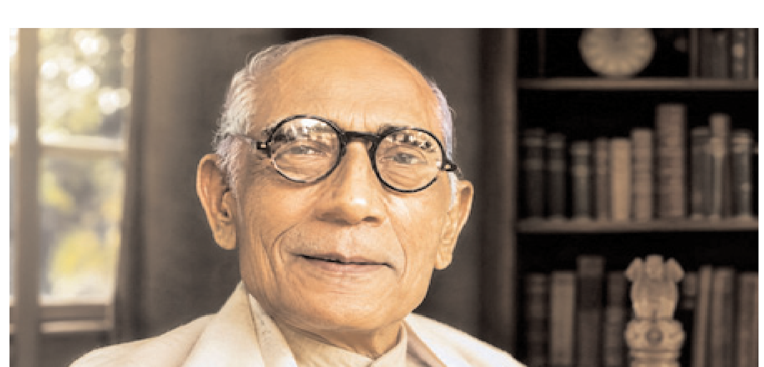

कानपुर में जन्मे और प्रयागराज की बौद्धिक आबोहवा में पले-बढ़े वेंकटेश नारायण तिवारी गोपालकृष्ण गोखले की 'सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी' के आजीवन सदस्य थे।

वर्ष 1910 में जब 'अभ्युदय' पत्र के संपादक कृष्णकांत मालवीय पर ब्रिटिश सरकार ने राजद्रोह का मुकदमा चलाया, तो औपनिवेशिक अदालत के भारी दबाव की परवाह न करते हुए वेंकटेश नारायण तिवारी, पंडित जवाहरलाल नेहरू और श्याम मोहन ने उनके पक्ष में निर्भीक गवाही दी थी। वेंकटेश नारायण तिवारी ने बाद में 'अभ्युदय', 'भारत' और स्वतंत्रता के बाद 1955 में दिल्ली से प्रकाशित 'जनसत्ता' का संपादन कर अपनी प्रखर पत्रकारिता से जनचेतना को जगाए रखा।

वेंकटेश नारायण तिवारी की संवेदनशीलता की जड़ें भारत के गांवों और सुदूर देशों में बसे भारतीय मजदूरों तक फैली थीं। लखनऊ कांग्रेस के निर्देश पर उत्तर प्रदेश के किसानों की बदहाली का अध्ययन करने के लिए एक 'किसान जांच समिति' बनी। वेंकटेश नारायण तिवारी इसके अध्यक्ष थे और तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री इसके सचिव थे। वर्ष 1937 में आई इनकी ऐतिहासिक रिपोर्ट ने उत्तर प्रदेश में जमींदारी उन्मूलन की नींव रखी।

इन्हें भारतीय गिरमिटिया मजदूरों की स्थिति जांचने के लिए बने 'पिल्लई आयोग' का सदस्य सचिव बनाकर गुयाना भेजा गया। वर्ष 1939 में जब राजनीतिक समझौतों के तहत हिंदी के स्थान पर कृत्रिम 'हिन्दुस्तानी' भाषा को थोपने का प्रयास शुरू हुआ, तो वेंकटेश नारायण तिवारी ने इसका पुरजोर विरोध किया। उन्होंने इस वैचारिक लड़ाई को केवल जज्बातों से नहीं बल्कि वैज्ञानिक सांख्यिकी से लड़ा। उनकी पुस्तक 'हिन्दी बनाम उर्दू' (1939) ने 1891 से 1936 तक के सरकारी आंकड़ों से यह साबित किया कि समाज स्वाभाविक रूप से देवनागरी लिपि और उच्च हिंदी की ओर बढ़ रहा है।

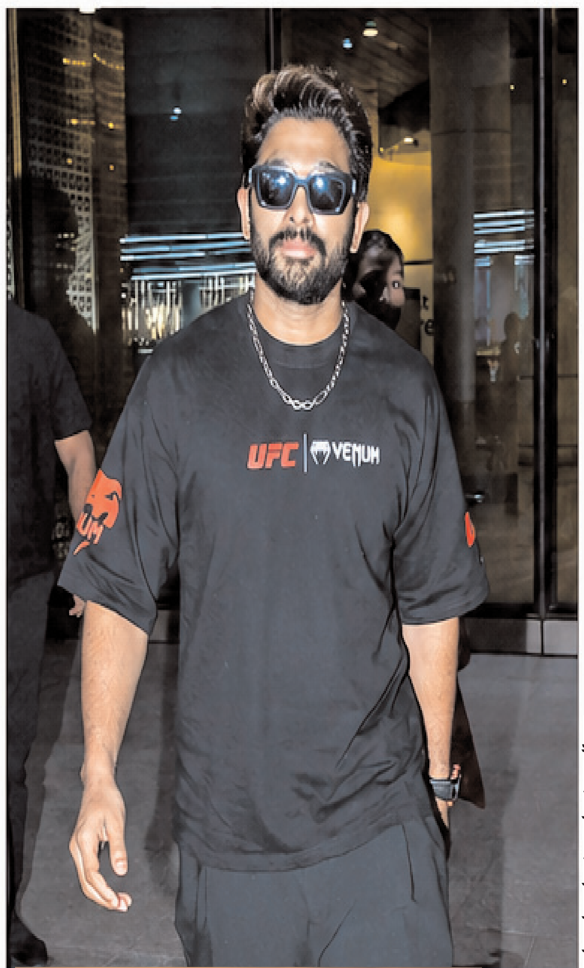

संध्या थिएटर भगदड़ मामला

अदालत में पेश नहीं हुए अल्लू अर्जुन, 6 जुलाई तक टली सुनवाई

हैदराबाद। संध्या थिएटर भगदड़ मामले में सोमवार को अदालत में हुई सुनवाई के दौरान तेलुगु फिल्म अभिनेता अल्लू अर्जुन व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हुए। अभिनेता इन दिनों मुंबई में अपनी नई फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसी वजह से उन्होंने वकील के जरिए अदालत से व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट देने का अनुरोध किया। साथ ही अदालत को बताया गया कि वह आगे की कार्यवाही में वर्चुअली शामिल होने के लिए तैयार हैं।

मामले की सुनवाई हैदराबाद की नामपल्ली आपराधिक अदालत में हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने अभिनेता को एक औपचारिक आवेदन दाखिल करने की सलाह दी। इसके बाद अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 6 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी।

अल्लू अर्जुन के वकील ने अदालत को बताया कि अगली तारीख पर अभिनेता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यवाही में शामिल होंगे।

सोमवार को मामले के अन्य सभी आरोपी अदालत में उपस्थित हुए। उन्हें पिछले सप्ताह अदालत की ओर से समन जारी किया गया था। अदालत ने अल्लू अर्जुन को भी व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया था, लेकिन शूटिंग की वजह से उन्होंने अदालत से राहत मांगी। फिलहाल अदालत ने उनके अनुरोध पर विचार करते हुए अगली तारीख तय कर दी है।

यह पूरा मामला 4 दिसंबर 2024 का है, जब फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' के प्रीमियर के दौरान हैदराबाद के संध्या थिएटर में भारी भीड़ जमा हो गई थी।

- मामले की सुनवाई हैदराबाद की नामपल्ली आपराधिक अदालत में हुई। अदालत ने अभिनेता को एक औपचारिक आवेदन दाखिल करने की सलाह दी। इसके बाद अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 6 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी।
- अल्लू अर्जुन के वकील ने अदालत को बताया कि अगली तारीख पर अभिनेता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यवाही में शामिल होंगे।
- सोमवार को मामले के अन्य सभी आरोपी अदालत में उपस्थित हुए। अदालत ने अल्लू अर्जुन को भी व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया था, लेकिन शूटिंग की वजह से उन्होंने अदालत से राहत मांगी। फिलहाल अदालत ने उनके अनुरोध पर विचार करते हुए अगली तारीख तय कर दी है।

क्या है पूरा मामला?

4 दिसंबर 2024 को 'पुष्पा 2: द रूल' के प्रीमियर के दौरान हैदराबाद के संध्या थिएटर में भारी भीड़ जमा हो गई। उसी दौरान अचानक भगदड़ जैसी स्थिति बन गई, जिसमें एक महिला की मौत हो गई और उसका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया।

केस की टाइमलाइन

- **4 दिसंबर 2024** — भगदड़ की घटना
- **13 दिसंबर 2024** — अल्लू अर्जुन गिरफ्तार
- **उसी दिन** — हाईकोर्ट से अंतरिम जमानत
- **24 दिसंबर 2024** — पुलिस ने 3 घंटे पूछताछ की
- **23 जून 2025** — सुनवाई टली
- **6 जुलाई 2025** — अगली सुनवाई

संजय दत्त ने न्यूयॉर्क में फादर्स डे पर बेटी त्रिशाला दत्त को दिया खास सरप्राइज

विश्व केसरी

मुंबई । बॉलीवुड स्टार संजय दत्त की बड़ी बेटी त्रिशाला दत्त ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस साल फादर्स डे के सेलिब्रेशन की झलक शेयर की है।

संजय दत्त की बेटी ने न्यूयॉर्क से अपने पिता के साथ कई तस्वीरें शेयर कीं, जहां उन्होंने साथ में फादर्स डे मनाया। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर तस्वीरें शेयर करते हुए त्रिशाला ने कैप्शन दिया, 'फादर्स डे वीकेंड।'

त्रिशाला द्वारा शेयर की गई तस्वीरों की सीरीज में पिता-बेटी की जोड़ी के साथ में अच्छा समय बिताते हुए कुछ अनकहे और प्यारे पल दिखे।

एक तस्वीर में संजय और त्रिशाला धूप वाले दिन बाहर पोज देते हुए दिखे, जबकि दूसरी तस्वीर में दोनों एक रेस्टोरेंट में साथ बैठे नजर आए। संजय ने काले रंग की पोल्का-डॉट वाली शर्ट पहनी थी, वहीं त्रिशाला शानदार फ्लोरल ऑफ-शोल्डर आउटफिट में बहुत खूबसूरत लग रही थीं। तीसरी तस्वीर में दोनों को रात के समय न्यूयॉर्क शहर की स्काईलाइन के बैकग्राउंड में पोज देते हुए दिखाया गया।

त्रिशाला ने अपनी सोशल मीडिया स्टोरी पर भी एक तस्वीर शेयर की और इसे 'फादर्स डे का सबसे बेहतरीन सरप्राइज' बताया।

बता दें कि त्रिशाला, संजय दत्त और उनकी पहली पत्नी एक्ट्रेस-मॉडल ऋचा शर्मा की बेटी हैं। संजय दत्त और ऋचा ने 1987 में शादी की थी और 1988 में त्रिशाला का जन्म हुआ था। ऋचा को ब्रेन ट्यूमर हो गया था और बीमारी से जूझने के बाद 1996 में उनका निधन हो गया था।

अपने स्टार पिता के उलट, त्रिशाला ने सोच-समझकर एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से दूरी बनाए रखी है और न्यूयॉर्क में रहती हैं।

पिछले कुछ सालों में उन्होंने सोशल मीडिया पर संजय के साथ अपने करीबी रिश्ते की झलकियां अक्सर शेयर की हैं। त्रिशाला के संजय की पत्नी मान्यता दत्त के साथ भी अच्छे संबंध हैं।

संजय और मान्यता जुड़वां बच्चों, शहरान दत्त और इकरा दत्त के माता-पिता हैं, जिनका जन्म 2010 में हुआ था।

अमिताभ बच्चन की वजह से हाथ से निकल गईं कई फिल्में, राज बब्बर ने बयां किया था अपना दर्द

विश्व केसरी

मुंबई। हिंदी सिनेमा के मशहूर अभिनेता राज बब्बर ने अपने करियर में हर तरह की भूमिका निभाई और लोगों के दिलों में खास जगह बनाई। उन्होंने कभी हीरो का किरदार निभाया, तो कभी ऐसा नेगेटिव रोल अदा किया, जिसे दर्शक कभी भूल ही नहीं पाए। हालांकि उनकी जिंदगी में एक ऐसा दौर भी आया, जब उन्हें लगा कि उनके हिस्से की फिल्में बड़े सितारों की वजह से उनसे दूर चली गईं। इन सितारों में अमिताभ बच्चन का नाम भी शामिल था।

राज बब्बर का जन्म 23 जून 1952 को उत्तर प्रदेश के टूंडला में हुआ था। बचपन से ही उन्हें अभिनय का शौक था। स्कूल के समय से ही वह स्टेज पर परफॉर्म किया करते थे। अपने इसी सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने दिल्ली के नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) से अभिनय की ट्रेनिंग ली। एनएसडी से पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने फिल्मों की दुनिया में कदम रखा और धीरे-धीरे अपनी जगह बनानी शुरू की। राज बब्बर ने साल 1977 में फिल्म 'किस्सा कुर्सी का' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। शुरुआत में उन्हें ज्यादा सफलता नहीं मिली। साल 1980 में आई फिल्म 'इंसाफ का तराजू' ने उनकी किस्मत बदल दी। इस फिल्म में उन्होंने एक नेगेटिव किरदार निभाया, जो लोगों को काफी पसंद आया। लेकिन करियर की शुरुआत में राज बब्बर को कुछ ऐसे अनुभव भी मिले, जिन्हें वह आज तक नहीं भूले। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्हें फिल्म 'शक्ति' के लिए चुना गया था।

विजय के जन्मदिन पर शुभकामनाओं का सिलसिला जारी, कमल हासन से लेकर राघव लॉरेंस तक ने दी बधाई

विश्व केसरी

चेन्नई । दक्षिण भारतीय सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता और राजनेता सी. जोसेफ विजय के जन्मदिन के अवसर पर फिल्म जगत और राजनीति से जुड़ी कई बड़ी हस्तियों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस कड़ी में निर्माता और सांसद कमल हासन, अभिनेता राघव लारेंस, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाइयां दी।

कमल हासन ने विजय को जन्मदिन की बधाई देते हुए एक्स टाइमलाइन पर एक पोस्ट शेयर किया और लिखा, ''माननीय तमिलनाडु के मुख्यमंत्री, तमिलगा वेत्री कजगम के प्रमुख और मेरे प्यारे छोटे भाई विजय को जन्मदिन की मेरी हार्दिक शुभकामनाएं, जिन्होंने करोड़ों दिलों का प्यार जीता है।''

अभिनेता और निर्माता राघव लॉरेंस ने भी विजय के जन्मदिन पर एक खास पोस्ट किया और लिखा, ''हर साल मैं उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देता हूं, लेकिन इस बार यह अवसर और भी खास है। मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि तमिलनाडु के माननीय मुख्यमंत्री को जन्मदिन की बधाई।''

विजय के जन्मदिन के अवसर पर केवल कमल हासन और राघव लॉरेंस ही नहीं, बल्कि फिल्म उद्योग की कई अन्य हस्तियों ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं। अभिनेता शांतनु, अभिनेत्री खुशबू सुंदर समेत कई कलाकारों और फिल्म वितरण से जुड़ी कंपनियों ने भी पोस्ट किया और उनके अच्छे स्वास्थ्य, सफलता और लंबे जीवन की कामना की।

राजनीतिक जगत से भी विजय को शुभकामनाएं मिलीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी और उनके लंबे व स्वस्थ जीवन की कामना की। उन्होंने एक्स पर लिखा, ''तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थिरु सी. जोसेफ विजय को जन्मदिन की बधाई। मैं उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं।''

बता दें कि विजय दक्षिण भारतीय सिनेमा में अपनी अलग पहचान रखते है। उन्होंने 'खुशी', 'थिरुमलाई', 'घिल्ली', 'पोक्किरी' और 'सरकार' जैसी कई शानदार फिल्में दी।

साल 2024 में विजय ने 'तमिलगा वेट्री कझगम' (टीवीके) पार्टी बनाई, जिसने 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में जबरदस्त प्रदर्शन किया और राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। टीवीके ने तमिलनाडु विधानसभा की 234 में से 108 सीटों पर जीत हासिल की।

बहुमत के आंकड़े से कम सीटें आने पर टीवीके ने कांग्रेस और अन्य दलों के साथ गठबंधन किया। इसके बाद जोसेफ विजय ने 10 मई को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली।

'शादी शुरू', महीप कपूर ने अंशुला कपूर के प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन की झलकियां शेयर की

विश्व केसरी

मुंबई। फिल्म निर्माता बोनी कपूर की बेटी अंशुला कपूर और उनके मंगेतर रोहन ठक्कर की शादी का जश्न शुरू हो गया है। शादी से पहले की रस्मों की तस्वीरें भी सामने आ रही हैं। अंशुला की आंटी महीप कपूर ने शादी से पहले के जश्न की कई तस्वीरें और वीडियो साझा की हैं।

महीप कपूर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शादी से पहले के जश्न के वीडियोज और तस्वीरों के साथ कैप्शन दिया कि शादी शुरू 'जय माता दी, अंशुला एवं रोहन।' उनकी इन तस्वीरों से सेरेमनी की एक झलक दिखी, जो 'माता की चौकी' लग रही है।

इस जश्न में कपूर परिवार के कई सदस्य और करीबी दोस्त भी शामिल हुए। दुल्हन अंशुला कपूर के साथ, महीप की ओर से शेयर की गई तस्वीरों में अर्जुन कपूर, शनाया कपूर, जाह्नवी कपूर, खुशी कपूर, महीप कपूर, संजय कपूर और परिवार के अन्य सदस्य और दोस्त भी नजर आए। लेकिन तस्वीरों में अनिल कपूर, सोनम कपूर और रिया कपूर नजर नहीं आए। सोनम और रिया अंशुला की कजिन (चचेरी बहनें) हैं।

इस सेरेमनी के लिए अंशुला ने भारी सुनहरे रंग का आउटफिट पहना था, जिसके साथ उन्होंने मल्टी-कलर का फुलकारी-स्टाइल दुपट्टा लिया था। उनकी कजिन और एक्ट्रेस शनाया ने मिंट-ग्रीन दुपट्टे के साथ एक शानदार आइवरी कुर्ता सेट चुना, जबकि जाह्नवी कपूर चमकदार गुलाबी साड़ी में बहुत खूबसूरत लग रही थीं।

दुल्हन के भाई और एक्टर अर्जुन कपूर मैरून धारीदार कुर्ते में दिखे, जबकि उनके अंकल और एक्टर संजय कपूर ने क्लासिक सफेद कुर्ता-पायजामा पहना था।

महीप की ओर से शेयर किए गए कई वीडियो में अंशुला और रोहन धार्मिक रस्मों में हिस्सा लेते हुए दिखे। कपल 'माता रानी' की मूर्ति और तस्वीर के सामने प्रार्थना करते, आरती करते और बड़ों का आशीर्वाद लेते हुए दिखे।

महीप की ओर से शेयर किए गए अन्य क्लिप में परिवार के सदस्य नाचते और जश्न मनाते हुए दिखे। अंशुला को अपने कजिन्स के ग्रुप के साथ पोज देते हुए भी देखा गया। खबरों के मुताबिक, अंशुला और रोहन जुलाई के पहले हफ्ते में शादी के बंधन में बंध सकते हैं।

पिछले कुछ हफ्तों में, अंशुला को अपनी शादी की तैयारियों और ब्राइडल शॉपिंग के सिलसिले में अपने भाई अर्जुन कपूर के साथ दुनिया भर में घूमते हुए देखा गया था। होने वाली दुल्हन ने अपने करीबी दोस्तों और कजिन्स के साथ बैचलर पार्टी भी मनाई थी, जिसकी तस्वीरें और वीडियो उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किए थे। खबरों के मुताबिक, पिछले साल अक्टूबर के आसपास अंशुला ने 'गोद धना' स्टाइल में शादी से पहले परिवार के साथ एक छोटा सा फंक्शन किया था।

मुझे महिलाओं का स्मोकिंग करना पसंद नहीं, किसी को कपड़ों से जज करना सही नहीं : शिल्पा शिंदे

विश्व केसरी

मुंबई । आज के समय में 'फेमिनिज्म' शब्द लगातार चर्चा में रहता है। सोशल मीडिया से लेकर फिल्मों और इंटरव्यू तक, इसकी अलग-अलग परिभाषाएं देखने को मिलती हैं। इस बीच अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू के दौरान इस पर अपनी अलग राय पेश की है।

शिल्पा शिंदे ने कहा, 'मेरा मानना है कि असली पहचान बाहरी दिखावे से नहीं आती, बल्कि आत्मविश्वास, मूल्यों और खुद को समझने की क्षमता से होती है। यह जरूरी नहीं है कि कोई महिला क्या पहन रही है या कैसे दिखती है, बल्कि यह ज्यादा महत्वपूर्ण है कि वह अपने जीवन को कितनी स्पष्टता से समझती है।'

इसी बातचीत में शिल्पा शिंदे ने खुद को 'थोड़ा पारंपरिक सोच वाली' बताया। उन्होंने कहा, ''यह मेरी निजी सोच है कि मुझे महिलाओं का धूम्रपान करना पसंद नहीं है। कई लोग धूम्रपान या लाइफस्टाइल को मॉर्डिनिटी से जोड़ देते हैं, लेकिन मैं इस विचार से सहमत नहीं हूं। किसी आदत को मॉर्डिनिटी का पैमाना नहीं माना जा सकता। शिल्पा शिंदे ने आगे कहा, ''मेरे लिए मॉर्डिनिटी का मतलब अलग है। सिर्फ धूम्रपान करना, शराब पीना या अलग तरह के कपड़े पहनना किसी को बोल्ड नहीं बनाता।

भारत के विदेश मंत्री जयशंकर पहुंचे मंगोलिया दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय साझेदारी को करेंगे मजबूत

विश्व केसरी

उलानबटोर। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर सोमवार को मंगोलिया पहुंचे। विदेश मंत्री जयशंकर इस दौरे पर दोनों देशों के बीच आपसी सहयोग और खास साझेदारी को गहरा करने पर जोर देंगे।

विदेश मंत्री के मंगोलिया पहुंचने पर मंगोलिया के विदेश मंत्रालय के राज्य सचिव मुंकतुशिग इलखानाजव ने उनका स्वागत किया। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने लिखा, 'आज मंगोलिया पहुंचकर खुशी हुई। गर्मजोशी से स्वागत के लिए राज्य सचिव मुंकतुशिग इलखानाजव को धन्यवाद। हमें आशा है हमारी खास साझेदारी को और आगे बढ़ेगी।' भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर 22 से 25 जून तक मंगोलिया और कोरिया गणराज्य की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य भारत की द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करने के साथ ही

रणनीतिक, आर्थिक और तकनीकी क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाना है। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को इस दौरे की घोषणा करते हुए कहा कि जयशंकर 24 और 25 जून को दक्षिण कोरिया जाने से पहले 22 और 23 जून को मंगोलिया जाएंगे।

विदेश मंत्रालय ने कहा, 'विदेश मंत्री 22 और 23 जून को मंगोलिया जाएंगे। इस दौरे के दौरान वह मंगोलिया के शीर्ष नेतृत्व से मिलेंगे और अपने समकक्ष विदेश मंत्री बी बत्तसेत्सेग के साथ चर्चा करेंगे।' बयान में आगे कहा गया, 'विदेश मंत्री 24 और 25 जून को दक्षिण कोरिया का दौरा करेंगे। इस दौरे के दौरान जयशंकर दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ह्युन के साथ बातचीत करेंगे। वह 25 जून को जेजू में जेजू फोरम फॉर पीस एंड प्रॉस्पेरिटी में मुख्य भाषण भी देंगे।' मंगोलिया दौरे पर दोनों देशों के बीच आपसी सहयोग की समीक्षा करने और लंबे समय से चले आ रहे संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान देने की उम्मीद है। भारत और मंगोलिया सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और लोकतांत्रिक मूल्यों में निहित घनिष्ठ संबंध साझा करते हैं। भारत और मंगोलिया ने 24 दिसंबर 1955 को राजनयिक संबंध स्थापित किए।

पीओके में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की बर्बरता के खिलाफ कश्मीरी प्रवासियों ने लंदन में निकाला मार्च

लंदन। ब्रिटेन में रहने वाले कश्मीरी प्रवासियों के एक समूह ने लंदन में ब्रिटिश संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और बाद में प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास 10 डाउनिंग स्ट्रीट तक मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की ज्यादती का मुद्दा उठाया। उन्होंने लोगों की मौत और भोजन – दवाओं की आपूर्ति में जानबूझकर रुकावट पैदा करने के खिलाफ आवाज उठाई।

प्रदर्शनकारियों ने 'स्टॉप द किलिंग्स' और 'ह्युमन विद्आउट ह्युमन राइट्स' जैसे नारे लिखे हुए बैनर भी प्रदर्शित किए और ब्रिटिश सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। एक प्रदर्शनकारी ने आरोप लगाया कि पीओके के कई क्षेत्रों में खाद्य सामग्री और दवाओं की आपूर्ति बाधित है, जिससे लोगों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कई

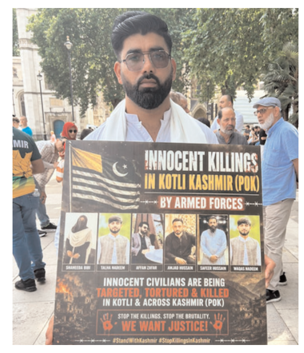

लोग भूख और इलाज न मिलने के कारण अपनी जान गंवा रहे हैं।

प्रदर्शनकारी ने ब्रिटेन में बसे कश्मीरी समुदाय की बड़ी संख्या का हवाला देते हुए कहा कि सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह इस मुद्दे पर मानवीय आधार पर हस्तक्षेप करे और पाकिस्तान सरकार से बातचीत कर स्थिति को सामान्य बनाने की कोशिश करे।

उन्होंने यह भी दावा किया कि कुछ ब्रिटिश नागरिक भी इस स्थिति में फंसे हुए हैं और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। प्रदर्शनकारियों ने ब्रिटिश सरकार से तत्काल मानवीय सहायता बहाल करने, कर्फ्यू जैसी स्थितियों को हटाने और भोजन एवं दवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने की अपील की।

इस बीच, ब्रिटेन की सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद बॉब ब्लैकमैन ने भी हाल ही में ब्रिटिश संसद में पीओके में हुई कार्रवाई की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा, ' पाकिस्तान द्वारा 1947 से कश्मीर के एक हिस्से पर कब्जा किया गया है और हाल के समय में वहां बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर हुए प्रदर्शनों पर कठोर कार्रवाई की गई है। इन प्रदर्शनों में कम से कम 11 लोगों की मौत और बड़ी संख्या में घायल होने की रिपोर्ट है, जबकि कुछ समूहों का दावा है कि मृतकों की संख्या अधिक हो सकती है।' उन्होंने यह भी कहा कि प्रदर्शनकारियों पर कथित तौर पर गोलियां चलाई गईं और कई लोगों को गिरफ्तार किया गया।

संक्षिप्त खबर

नेतन्याहू ने कहा- 'ईरान के लिए परमाणु हथियार बनाना मुश्किल', बताई वजह

विश्व केसरी

यरूशलम। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दावा किया है कि ईरान के लिए परमाणु हथियार संपन्न होना अब कठिन है। उन्होंने इसकी वजह 20 वैज्ञानिकों की मौत को बताया। इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि दक्षिणी लेबनान में बनाए गए सुरक्षा बफर जोन में इजरायल तब तक बना रहेगा, जब तक वह इसे अपनी सुरक्षा के लिए आवश्यक समझेगा।

इजरायल द्वारा स्थापित यह बफर जोन दक्षिणी लेबनान में लगभग 602 वर्ग किलोमीटर (230 वर्ग मील) क्षेत्र में फैला हुआ है, जो लेबनान के कुल भू-भाग का लगभग 6% हिस्सा है। नेतन्याहू के अनुसार, इस क्षेत्र में इजरायली सैन्य उपस्थिति का उद्देश्य सुरक्षा सुनिश्चित करना और संभावित खतरों को रोकना है। उन्होंने संकेत दिया कि इजरायल इस क्षेत्र से हटने के लिए कोई निश्चित समय-सीमा तय नहीं कर रहा है और स्थिति के आकलन के आधार पर ही निर्णय लिया जाएगा। यरूशलम में जेएनएस इंटरनेशनल पॉलिसी समिट 2026 में नेतन्याहू ने ईरान को तबाह और बर्बाद करने की बात कही, इससे पहले अपने बड़े भाई की बरसी पर ईरान को परमाणु हथियार संपन्न न होने देने का वादा किया।

जर्मनी में बलूच शोषण के खिलाफ निकाला गया विरोध मार्च

विश्व केसरी

बर्लिन। जर्मनी के बॉन शहर स्थित मार्कटप्लाट्ज में संगठन 'बलूच नेशनल मूवमेंट' (बीएनएम) ने एक विरोध मार्च निकाला। संगठन के अनुसार, इस कार्यक्रम का उद्देश्य वैश्विक समुदाय का ध्यान बलूचिस्तान की गंभीर स्थिति और वहां कथित मानवाधिकार उल्लंघनों की ओर आकर्षित करना था।

बीएनएम ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने कथित 'सरकारी दमन' से पीड़ित लोगों के साथ एकजुटता जताई और न्याय की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने बलूच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) के नेताओं के खिलाफ चल रही कथित 'फेसलेस ट्रायल' प्रक्रिया पर भी चिंता व्यक्त की और इसे मौलिक मानवाधिकारों तथा न्याय के बुनियादी सिद्धांतों का उल्लंघन बताया। बीएनएम ने अपने बयान में कहा, 'प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बलूचिस्तान में संवैधानिक और कानूनी अधिकारों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है। वहीं, पाकिस्तान सेना बिना जवाबदेही के काम कर रही है। संगठन ने विशेष रूप से बीवाईसी नेता महरंग बलोच और उनके साथियों के मामलों का उल्लेख किया, जिनके खिलाफ कथित रूप से पारदर्शिता के बिना न्यायिक प्रक्रिया चल रही है। इन मामलों में अदालत के कर्मचारियों, गवाहों और यहां तक कि न्यायाधीशों की पहचान भी गुप्त रखी जा रही है।' प्रदर्शनकारियों ने बलूच कार्यकर्ताओं और राजनीतिक नेताओं के घरों पर कथित हमलों की भी निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि कई घरों में तोड़फोड़ और लूटपाट की जा रही है।

नेतन्याहू का बड़ा बयान, दक्षिणी लेबनान में आईडीएफ को कार्रवाई की पूरी छूट

विश्व केसरी

यरूशलेम। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार को कहा कि दक्षिणी लेबनान में तैनात इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) के सैनिकों को अपने खिलाफ या उत्तरी इजरायल के निवासियों के खिलाफ किसी भी सीधे या उभरते खतरे को रोकने के लिए पूरी कार्रवाई की स्वतंत्रता है।

उन्होंने कहा कि उनके और रक्षा मंत्री की ओर से आईडीएफ को दिए गए निर्देश बिल्कुल स्पष्ट हैं और उनमें कोई बदलाव नहीं किया गया है।

नेतन्याहू ने कहा, 'दक्षिणी लेबनान में हमारे सैनिकों को अपने खिलाफ या उत्तर के निवासियों के खिलाफ किसी भी सीधे या संभावित खतरे को रोकने के लिए पूरी स्वतंत्रता है। इस मामले में आईडीएफ पर कोई प्रतिबंध नहीं है। मैं उनके साथ खड़ा हूं और पूरा देश उनके साथ खड़ा है।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैं अपने इस रुख पर कायम हूं कि उत्तर के निवासियों और इजरायल के सभी नागरिकों की सुरक्षा के लिए हम दक्षिणी लेबनान में सुरक्षा क्षेत्र

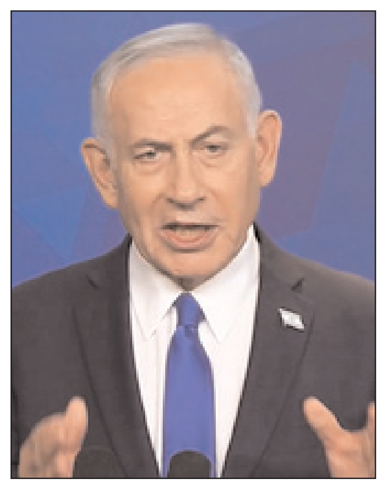

(सिक्योरिटी जोन) में उतने समय तक बने रहेंगे, जितनी आवश्यकता होगी।'

इससे पहले दिन में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने मीडिया को स्विट्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत की प्रगति के बारे में जानकारी दी। लेबनान के मुद्दे पर वेंस ने कहा कि बातचीत में 'काफी अच्छी प्रगति' हुई है। उन्होंने बताया कि एक 'डी-कॉनफ्लिक्शन मैकेनिज्म' तैयार किया जा रहा है जिसका उद्देश्य इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच होने वाले टकराव को बड़े क्षेत्रीय संघर्ष में बदलने से रोकना है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि हम जिस व्यवस्था को 'डी-कॉनफ्लिक्शन मैकेनिज्म' कह रहे हैं, उसे स्थापित करने में काफी सफल रहे हैं।

जब उनसे पूछा गया कि क्या वॉशिंगटन चाहता है कि इजरायली सेना दक्षिणी लेबनान से बाहर निकल जाए, तो वेंस ने कहा, 'हम चाहते हैं कि इजरायल की सुरक्षा बनी रहे और साथ ही लेबनान की संप्रभुता (सॉवरेनिटी) का भी सम्मान हो। इस विषय पर बातचीत आगे भी जारी रहेगी।

उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका बातचीत के दौरान इजरायल, लेबनान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात सहित क्षेत्रीय साझेदारों के संपर्क में बना हुआ है। नेतन्याहू और रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने शनिवार को सेना को लेबनान में युद्धविराम लागू करने का आदेश दिया था।

राष्ट्रपति ट्रंप की धमकियों के बाद ईरान ने स्विट्ज़रलैंड में अमेरिका से चल रही बातचीत रोकी

विश्व केसरी

तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड में अगले चरण की बातचीत के लिए दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल इकट्ठा हुए। हालांकि, ईरान के विदेश मंत्रालय ने बताया है कि अमेरिका की धमकियों के बाद ईरान ने स्विट्जरलैंड में चल रही बातचीत में अमेरिका, कतर और पाकिस्तान के साथ चार-पक्षीय बातचीत में अपनी भागीदारी रोक दी है।

हालांकि, इससे पहले अमेरिकी अधिकारियों की तरफ से इस खबर को झूठा बताया गया था। तस्नीम न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा कि चार-पक्षीय बैठक के दौरान अमेरिका के धमकी भरे बयान के कारण तेहरान ने यह घोषणा की कि वह ऐसी परिस्थितियों में बातचीत में भाग लेना जारी नहीं रखेगा। कतर और पाकिस्तान ने बातचीत जारी रखने की कोशिश की,

लेकिन ईरान ने कहा कि वह मीटिंग में हिस्सा नहीं लेगा। ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने इस बात पर जोर दिया कि दूसरे पक्ष को अपने कमिटमेंट पूरे करने के लिए जिम्मेदार ठहराया जाए। तस्नीम न्यूज एजेंसी के अनुसार, दूसरे पक्ष के भरोसे को तोड़ने, खासकर इजरायल के सीजफायर के लगातार उल्लंघन को लेकर चिंता जताई गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को तेहरान को चेतावनी दी कि 'लेबनान में अपने ज्यादा पैसे वाले प्रॉक्सी को तुरंत रोके, नहीं तो अमेरिका ईरान पर बहुत जोरदार हमला करेगा।'

पुलिस हिरासत में अवामी लीग कार्यकर्ता की मौत पर हंगामा

विश्व केसरी

ढाका। बांग्लादेश में अवामी लीग के सदस्यों की हिरासत में मौत के बढ़ते मामलों के बीच, फरीदपुर जिले में पुलिस हिरासत में एक स्थानीय कार्यकर्ता की मौत हो गई है। यह जानकारी स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में दी गई है।

मृतक की पहचान 28 वर्षीय मिर्जा इश्तियाक अहमद प्रांतो के रूप में हुई है, जो अवामी लीग की छात्र शाखा छात्र लीग से जुड़े कार्यकर्ता थे। पुलिस के डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) ने उन्हें 20 जून को मधुखाली उपजिला से हिरासत में लिया था। बाद में रविवार को फरीदपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

परिजनों ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने हिरासत के दौरान उनकी पिटाई की, जिसके कारण उनकी मौत हुई। प्रोथोम आलो

की एक रिपोर्ट के अनुसार, मृतक की मां खादिजा अख्तर ने रोते हुए कहा, मेरे स्वस्थ और निर्दोष बेटे को किस अपराध में पकड़ा गया, उसे प्रताड़ित किया गया और हिरासत में मार दिया गया? मैं न्याय चाहती हूं।

इस घटना पर ढाका स्थित मानवाधिकार संगठन 'ऐन ओ सालिश केंद्र (एएसके)' ने गंभीर चिंता जताई है और न्यायिक जांच की मांग की है। संगठन ने कहा कि मौत के वास्तविक कारण का पता लगाने के लिए निष्पक्ष जांच जरूरी है और दोषियों को सजा मिलनी चाहिए। एएसके ने यह भी मांग की है कि मामले में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक किया जाए, पीड़ित परिवार को सुरक्षा और कानूनी सहायता पहुंचाई जाए और गुनहगारों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए। वहीं, अवामी लीग ने इस घटना की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की सरकार राज्य तंत्र का इस्तेमाल करके उसके नेताओं और कार्यकर्ताओं को निशाना बना खत्म कर रही है।

दक्षिण कोरिया के पूर्व न्याय मंत्री को 25 साल की जेल

विश्व केसरी

सोल। दक्षिण कोरिया के पूर्व न्याय मंत्री पार्क सुंग-जे को सोमवार को जिला अदालत ने 25 साल जेल की सजा सुनाई। अदालत ने उन्हें पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल की मार्शल लॉ लगाने की कोशिश में शामिल होकर विद्रोह में अहम भूमिका निभाने का दोषी पाया।

योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, इस केस से जुड़े विशेष जांच दल ने पार्क को 20 साल कैद की मांग की थी लेकिन सोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने उसे पांच साल और बढ़ा दिया। अदालत ने उन्हें तुरंत हिरासत में भेज दिया, क्योंकि न्यायाधीशों ने आशंका जताई कि वह सबूतों को नष्ट कर सकते हैं।

विशेष जांच दल ने पहले पार्क पर आरोप लगाया था कि उन्होंने 3 दिसंबर 2024 को यून सुक योल द्वारा मार्शल लॉ की घोषणा के बाद मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक बुलाकर विद्रोह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अपने पद का दुरुपयोग किया।

अदालत ने दोनों आरोपों में पार्क को दोषी माना। अदालत ने विशेष जांच टीम के इस तर्क को स्वीकार किया कि पार्क ने मार्शल लॉ का समर्थन करने वाली संस्था के लिए अभियोजकों की तैनाती की समीक्षा करने, सुधार गृहों की क्षमता जांचने और उन राजनेताओं-प्रमुख लोगों को रखने की तैयारी करने जैसे कदमों पर चर्चा की, जिन्हें कथित रूप से मार्शल लॉ के तहत गिरफ्तार किया जाना था।

अदालत ने कहा, 'प्रतिवादी ने संविधान की रक्षा करने के अपने कर्तव्य से मुंह मोड़ लिया और इस सोच के साथ विद्रोह में शामिल हुए कि यह सफल हो सकता है।'

पार्क अब यून सुक योल की कैबिनेट के उन अन्य पूर्व सदस्यों में शामिल हो गए हैं जिन्हें विद्रोह में भूमिका के लिए दोषी ठहराया गया है। इनमें पूर्व प्रधानमंत्री हान डक सू और पूर्व रक्षा मंत्री किम योंग ह्युन भी शामिल हैं।

फरवरी में पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल को भी मार्शल लॉ लागू करने के प्रयास के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। उन्होंने इस फैसले के खिलाफ अपील की है। इस बीच, अदालत ने पार्क के खिलाफ भ्रष्टाचार-रोधी कानून के उल्लंघन से जुड़े अतिरिक्त आरोपों को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि यह मामला विशेष जांच दल के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। विशेष जांच टीम ने पार्क पर यह आरोप भी लगाया था कि मई 2024 में यून की पत्नी किम कियोन ही के अनुरोध पर उन्होंने अपने अधीनस्थों को अभियोजन जांच से जुड़ी कुछ जानकारियों की जांच करने के अनुचित निर्देश दिए थे।

क्वेटा जेल में बलूच नेताओं का विरोध प्रदर्शन जारी, 'फेसलेस ट्रायल' पर ऐतराज

विश्व केसरी

क्वेटा। बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा स्थित हुडा जेल में बंद बलूच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) के नेताओं का धरना रविवार को लगातार नौवें दिन भी जारी रहा। संगठन ने हिरासत में रखे गए अपने नेताओं की सेहत और सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि वे अपने संवैधानिक और कानूनी अधिकारों की मांग के लिए कठिन परिस्थितियों में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

बीवाईसी के अनुसार, डॉ. महरंग बलोच, बेबर्ग बलोच, शाह जी बलोच, बीबो बलोच और गुलजादी बलोच सहित कई नेताओं ने कथित 'फेसलेस ट्रायल' और न्यायिक प्रक्रिया में अनियमितताओं के विरोध

में जेल के भीतर ही धरना शुरू किया था, जो अब नौवें दिन में प्रवेश कर चुका है। संगठन का आरोप है कि बंद नेताओं ने इन अदालती कार्यवाहियों और उनकी ओर से नियुक्त सरकारी वकीलों को स्वीकार करने से साफ इनकार किया था। इसके बावजूद उनकी सहमति के बिना सुनवाई जारी रखी गई और राज्य द्वारा नियुक्त वकीलों को उन पर थोप दिया गया। बीवाईसी ने एक्स पोस्ट में कहा, 'फेसलेस ट्रायल पारदर्शी न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है और इससे आरोपियों का अपनी कानूनी रक्षा करने का बुनियादी अधिकार प्रभावित होता है।

दक्षिण कोरिया बैलट पेपर मामला : मतदान केंद्रों पर तैनात सरकारी कर्मचारियों से होगी पूछताछ

विश्व केसरी

सोल। मतपत्रों में कमी को लेकर दक्षिण कोरिया का एक बड़ा वर्ग विरोध कर रहा है। सरकारी मशीनरी पर दबाव बढ़ा है और प्रतिपक्ष के नेता राष्ट्रीय निर्वाचन आयोग (एनईसी) को कठघरे में खड़ा कर रहे हैं। इस बीच कानूनी सूत्रों के अनुसार, जांचकर्ताओं ने सोमवार को उन सरकारी कर्मचारियों से पूछताछ करने की तैयारी की है जो 3 जून को हुए स्थानीय चुनावों के दौरान उन केंद्रों पर तैनात थे जहां मतपत्रों का संकट रहा।

योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि आठ अधिकारियों को पुलिस और अभियोजन पक्ष की संयुक्त जांच टीम के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। यह टीम देशभर के 26 मतदान केंद्रों पर हुई मतपत्रों की कमी की

जांच कर रही है, जिसके कारण कुछ समय के लिए मतदान रोकना पड़ा था।

बताया जा रहा है कि संबंधित सरकारी कर्मचारियों को सोल के उन दो मतदान केंद्रों के प्रबंधन के लिए तैनात किया गया था, जहां मतपत्र खत्म होने की समस्या सामने आई थी। सूत्रों के मुताबिक, जांचकर्ता उनसे उस समय चुनाव निगरानी संस्था (नेशनल इलेक्शन कमीशन यानी एनईसी) द्वारा उठाए गए कदमों और स्थिति से निपटने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी लेंगे। यह कार्रवाई 11 जून को संयुक्त जांच टीम की ओर से एनईसी कार्यालय पर की गई छापेमारी के बाद हो रही है। जांच टीम मतपत्रों की कमी की घटना की जांच कर रही है। मतपत्रों की कमी के बाद जनता में नाराजगी बढ़ गई है। इसके चलते दक्षिणी सोल स्थित एक जिम्नेजियम के बाहर लगातार विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, यहीं मतगणना केंद्र बनाया गया था। कुछ प्रदर्शनकारी चुनाव दोबारा कराने की मांग पर अड़े हैं। एसके ओलंपिक हैंडबॉल जिम्नेजियम के बाहर प्रदर्शन सोमवार तक लगातार 18वें दिन भी जारी रहा। प्रदर्शनकारियों ने मतदान पेटियों को हटाने से रोकने के लिए परिसर के प्रवेश द्वारों को बाधित किया।

भरत तिवारी एनकाउंटर : सुप्रीम कोर्ट का तत्काल सुनवाई से इनकार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में दायर याचिका पर जल्द सुनवाई की तारीख तय करने से इनकार कर दिया है। अदालत ने याचिकाकर्ता को निर्देश दिया है कि वह रजिस्ट्रार के समक्ष मामले का उल्लेख करे, जिसके बाद आगे की प्रक्रिया तय की जाएगी। इस याचिका में घटना की सीबीआई जांच कराने और सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति गठित करने की मांग की गई है।

यह याचिका सुप्रीम कोर्ट के वकील विशाल तिवारी द्वारा दायर की गई है। इसमें आरोप लगाया गया है कि बिहार के भोजपुर जिले में हुई पुलिस मुठभेड़ में भरत भूषण तिवारी की मौत एक 'न्यायेतर हत्या' का मामला हो सकती है, इसलिए इसकी निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच बेहद जरूरी है। याचिका में यह भी मांग की गई है कि एनकाउंटर में शामिल पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए और पूरे मामले की जांच सीबीआई को सौंपी जाए। घटना बिहार के भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौती गांव की बताई जा रही है, जहां बुधवार को पुलिस और एक व्यक्ति के बीच फायरिंग हुई थी। पुलिस का दावा है कि अभियान के दौरान भरत भूषण तिवारी ने पुलिस टीम पर गोली चलाई, जिसके बाद आत्मरक्षा के लिए जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। इस गोलीबारी में भरत भूषण तिवारी गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उन्हें पटना मेडिकल कॉलेज ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई थी।

इस बीच बिहार सरकार ने भी मामले को लेकर न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा कि बिलौती गांव में हुई मुठभेड़ की जांच पटना हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में कराई जाएगी। सरकार का कहना है कि इस जांच से पूरे घटनाक्रम की निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ समीक्षा सुनिश्चित होगी। उधर, इस मामले में प्रशासनिक कार्रवाई भी की गई है। बिहार पुलिस ने एक थाना प्रभारी समेत चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई एक कथित वीडियो सामने आने के बाद की गई, जिसमें एक हथियारबंद व्यक्ति पुलिस बल की ओर पिस्तौल ताने हुए दिखाई दे रहा है और पुलिसकर्मियों पर समय पर प्रतिक्रिया न देने के आरोप लगाए गए हैं।

तृणमूल ने बैंक खातों को फ्रीज करने के मामले में कलकत्ता हाई कोर्ट में याचिका दायर की

कोलकाता। पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस के तीन बैंक खाते सीज कर दिए हैं, जिसके खिलाफ पार्टी ने कलकत्ता हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। पार्टी ने अदालत से यह निर्धारित करने के लिए हस्तक्षेप की मांग की कि किसके अधिकार से और किस कारण से खाते फ्रीज किए गए हैं।

तृणमूल के वकीलों ने न्यायमूर्ति सौगता भट्टाचार्य की पीठ के समक्ष मामला दायर करने की अनुमति मांगी। अदालत ने आवेदन स्वीकार कर लिया और औपचारिक सुनवाई इस सप्ताह के अंत में शुरू हो सकती है। बताया जा रहा है कि तृणमूल के तीनों खातों में कुल 440 करोड़ रुपए हैं।

कुछ दिन पहले, पार्टी कोषाध्यक्ष अरूप बिस्वास ने एक निजी बैंक को पत्र लिखकर अनुरोध किया था कि आंतरिक कलह के बाद पार्टी निधि के नियंत्रण को लेकर हुए विवाद के कारण तृणमूल के तीन खाते फ्रीज कर दिए जाएं।

राज्य विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार के बाद, तृणमूल ने 5 जून को संगठनात्मक फेरबदल की घोषणा की और पूर्व सांसद सुभाषिश चक्रवर्ती को अरूप बिस्वास की जगह नया कोषाध्यक्ष नियुक्त किया।

हालांकि, बैंक को लिखे एक हालिया पत्र में अरूप ने दावा किया कि वह अभी भी पार्टी के कोषाध्यक्ष हैं। तृणमूल कांग्रेस के कोलकाता के एक निजी बैंक की सेंट्रल प्लाजा शाखा में कई खाते हैं। उनके आधिकारिक पत्र के अनुसार, उन खातों में लेनदेन अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था, जिससे पार्टी के भीतर हंगामा मच गया। इसके बाद नेतृत्व ने पूर्व मंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी किया।

संक्षिप्त खबर

गुजरात में शिक्षा योजना के तहत छात्राओं की उपस्थिति और साइंस में दाखिले बढ़े

गांधीनगर। गुजरात के सेकेंडरी और हायर सेकेंडरी स्कूलों में कम से कम 80 प्रतिशत उपस्थिति बनाए रखने वाली छात्राओं की संख्या पिछले साल की तुलना में 73 प्रतिशत बढ़ी है, जबकि साइंस स्ट्रीम की कक्षाओं में उपस्थिति 125 प्रतिशत बढ़ी है।

सोमवार को राज्य के 'विद्या समीक्षा केंद्र' द्वारा जारी आंकड़ों से पता चला कि कक्षा 9 से 12 तक कम से कम 80 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज करने वाली लड़कियों की संख्या 2024-25 शैक्षणिक वर्ष में 1,71,988 से बढ़कर 2025-26 में 2,96,495 हो गई, जो 1,24,507 छात्राओं की वृद्धि है। यह डाटा 'नमो लक्ष्मी योजना' के असर के सबूत के तौर पर पेश किया गया। इस योजना को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में शुरू किया गया था, ताकि छात्राएं बिना किसी रुकावट के (आर्थिक तंगी के कारण) कक्षा 12 तक अपनी शिक्षा पूरी कर सकें।

सरकार ने कहा कि छात्रों की उपस्थिति की निगरानी 'विद्या समीक्षा केंद्र' के माध्यम से ऑनलाइन की जाती है। कम से कम 80 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज करने वाले छात्रों की संख्या में वृद्धि के अलावा, पूरी या 100 प्रतिशत उपस्थिति हासिल करने वाली लड़कियों की संख्या में भी पिछले साल की तुलना में 62,059 की वृद्धि हुई है। इस योजना के साथ-साथ सेकेंडरी और हायर सेकेंडरी शिक्षा में लड़कियों के दाखिले में भी वृद्धि हुई है।

मोबाइल चोर गिरोह का भंडाफोड़; 100 सील पैक स्मार्टफोन बरामद, तीन गिरफ्तार

विश्व केसरी

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट के थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोबाइल फोन चोरी करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लगभग 40 से 50 लाख रुपये कीमत के 100 सील पैक आईक्यूओओ मोबाइल फोन, एक फर्जी नंबर प्लेट लगी महिंद्रा पिकअप और दो अवैध चाकू बरामद किए हैं। वहीं, मामले का एक मास्टरमाइंड अभी फरार बताया जा रहा है, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस के अनुसार, 21 जून 2026 को थाना नॉलेज पार्क पुलिस को मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना प्राप्त हुई थी कि कुछ लोग चोरी किए गए मोबाइल फोन बेचने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने सेक्टर-153 स्थित पानी की टंकी के पीछे घेराबंदी कर कार्रवाई की। इस दौरान तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आनंद उर्फ रुद्रेश, पंकज उर्फ धीरेंद्र और मोहित उर्फ संतोष के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि बरामद किए गए सभी 100 मोबाइल फोन आईक्यूओओ कंपनी के हैं और पूरी तरह सील पैक अवस्था में थे। इनकी बाजार कीमत करीब 50 लाख रुपये आंकी गई है। बताया जा रहा है कि यह मोबाइल फोन यमुना एक्सप्रेसवे के सेक्टर-24 स्थित कंपनी के लॉजिस्टिक चैनल से चोरी किए गए थे।

जोधपुर में सिजेरियन डिलीवरी के बाद आठ महिलाएं बीमार, ऑपरेशन थिएटर बंद किया गया

विश्व केसरी

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर जिले के सरकारी अस्पलात में सिजेरियन डिलीवरी के बाद आठ महिलाएं बीमार हो गई है। मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। जांच पूरी होने तक ऑपरेशन थिएटर बंद कर दिया गया है।

मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. फतेह सिंह ने बताया कि ऑपरेशन के बाद आठ प्रसूताओं में से दो की स्थिति गंभीर होने पर उन्हें तत्काल एमडीएम अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया। इनमें एक मरीज को उच्च रक्तचाप तथा दूसरी को ऑपरेशन के दौरान अधिक रक्तस्राव की समस्या हुई थी। दोनों मरीजों की स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है और वरिष्ठ चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही चिकित्सकों, माइक्रोबायोलॉजिस्ट और विशेषज्ञों की टीम ने सभी मरीजों के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशालाओं में भेज दिए हैं। वहीं औषधि निरीक्षकों ने भी उपयोग में ली गई दवाइयों और अन्य सामग्री के नमूने लिए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा।

डॉ. फतेह सिंह ने कहा कि वर्तमान मौसम में बैक्टीरिया वृद्धि की संभावना को भी जांच के दायरे में रखा गया है, लेकिन किसी निष्कर्ष पर पहुंचना अभी जल्दबाजी होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि चिकित्सक और अस्पताल प्रशासन किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं चाहते और सभी निर्धारित मानकों एवं प्रक्रियाओं का पालन किया जाता है। पावटा अस्पताल के पीएमओ डॉ. कुलवीर सिंह चोपड़ा ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि शनिवार को आठ सी-सेक्शन ऑपरेशन किए गए थे, उनमें से दो महिलाओं की तबीयत खराब हुई है।

बीमार दोनों महिलाओं को हमने मथुरादास माथुर (एमडीएम) अस्पताल रेफर कर दिया है। उन महिलाओं में संक्रमण की समस्या काफी ज्यादा है। बाकी छह मरीज इसी अस्पताल में भर्ती हैं। डॉक्टर ने बताया कि यहां भर्ती छह प्रसूताओं की स्थिति बेहतर है। डॉक्टर कुलवीर सिंह ने आगे कहा कि हम लोग गाइडलाइन का पालन कर रहे हैं।

अमेरिकी दबावों का भारत ने दिया जवाब, खास रणनीति से हर क्षेत्र में बढ़ाया वैश्विक दायरा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अमेरिका के लिए भारत बेहद महत्वपूर्ण साझेदार है। बावजूद इसके अमेरिका ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में कई ऐसे फैसले लिए और बयान दिया, जिससे भारत के साथ संबंध प्रभावित हुए। ट्रंप के तेवर और अमेरिका की बदलती कूटनीतिक चाल को देखते हुए भारत ने डायवर्सिफिकेशन मतलब विविधिता की रणनीति अपनाई।

एच-1बी वीजा, टैरिफ और वैश्विक संघर्षों के दौर में भारत ने किसी एक देश या क्षेत्र पर निर्भर रहने के बजाय ऊर्जा, दवा, मेडिकल उपकरण, रक्षा, सेमीकंडक्टर और महत्वपूर्ण खनिजों तक में विविधता पर फोकस किया, जो भारत की वैश्विक रणनीति में एक अहम मुद्दा बन गया। यही कारण है कि ईरान संकट, रूस-यूक्रेन युद्ध और अमेरिका की नीतिगत सख्ती के बावजूद भारत अपेक्षाकृत स्थिर स्थिति में बना हुआ है। अमेरिका ने कई मोर्चों से भारत पर दबाव बनाने की कोशिश की। अमेरिकी सरकार ने एच-1बी वीजा के नियम सख्त करने का ऐलान कर दिया। इस फैसले ने भारतीय आईटी पेशेवरों और कंपनियों के बीच चिंता बढ़ा दी थी। इसके साथ ही ट्रंप सरकार ने प्रवासन कानूनों को लेकर भी सख्त रुख अपनाया। दूसरी ओर, व्यापारिक मोर्चे पर टैरिफ और बाजार पहुंच जैसे मुद्दों पर दोनों देशों के बीच तनाव देखने को मिले। इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से कई तरह के बयान भी सुनने को मिले। हालांकि, भारत ने इन चुनौतियों का जवाब टकराव से नहीं, बल्कि दीर्घकालिक आर्थिक और रणनीतिक योजना के जरिए दिया। भारत ने डायवर्सिफिकेशन को इस पूरी स्थिति से निपटने के लिए हथियार बनाया। ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में भारत ने केवल एक या दो देशों पर निर्भर रहने के बजाय रूस, अमेरिका, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, इराक और अन्य आपूर्तिकर्ताओं से तेल खरीद के विकल्प बनाए रखे।

राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग पर झामुमो का बयान, छह विधायकों ने गठबंधन के साथ गद्दारी की

विश्व केसरी

रांची। झारखंड राज्यसभा चुनाव में महागठबंधन के कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा की हार के बाद सियासी घमासान तेज हो गया है। गठबंधन दलों के बीच क्रॉस वोटिंग को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इसी बीच झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बड़ा बयान दिया।

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि राज्यसभा चुनाव में महागठबंधन के कांग्रेस और झामुमो उम्मीदवारों को वोट देने वाले 50 विधायकों के नेता सीएम हेमंत सोरेन और लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी हैं। उन्होंने कहा कि जिन 28 विधायकों ने भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी को वोट दिया, उनके नेता पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हैं।

उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव में छह विधायकों ने गठबंधन के साथ गद्दारी की है। हालांकि, इन विधायकों के खिलाफ कार्रवाई के सवाल पर उन्होंने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया और इस मुद्दे को टाल गए। झारखंड विधानसभा में महागठबंधन के पास कुल 56 विधायकों का समर्थन है। इनमें झामुमो के 34, कांग्रेस के 16, राजद के 4 और भाकपा (माले) के 2 विधायक शामिल हैं।

इसके बावजूद राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा को अपेक्षित समर्थन नहीं मिला। उन्हें कुल 21 वोट मिले, जिनमें से एक वोट रद्द हो गया। बताया जा रहा है कि पांच विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की, जबकि एक वोट रद्द हुआ। इन छह वोटों के कारण भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी की जीत का रास्ता साफ हुआ। झामुमो के बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में गठबंधन के भविष्य को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या राजद और माले के साथ गठबंधन में कोई बदलाव होगा या उन्हें सरकार से बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। हालांकि, इस पर अभी किसी दल की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। बता दें कि दो दिन पहले कांग्रेस ने 12 विधायकों के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गठबंधन की एकजुटता का दावा किया था। इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा था कि महागठबंधन पूरी तरह मजबूत और अटूट है।

गुजरात सरकार का ऐतिहासिक फैसला, राज्य की सीधी भर्तियों में पूर्व अग्निवीरों को मिलेगा 20 प्रतिशत आरक्षण

विश्व केसरी

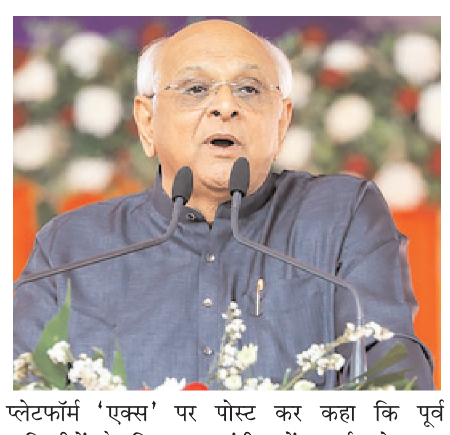

अहमदाबाद। गुजरात सरकार ने पूर्व अग्निवीरों के लिए ऐतिहासिक फैसला किया है। अब राज्य की सीधी भर्तियों में पूर्व अग्निवीरों को 20 प्रतिशत का आरक्षण मिलेगा। सीएम भूपेंद्र पटेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि पूर्व अग्निवीरों के लिए अहम फैसला। सरकार ने राज्य सरकार के अलग-अलग विभागों में क्लास-3 कैटेगरी की सीधी भर्ती में पूर्व अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण देने का अहम निर्णय लिया है। ऐसी भर्ती के लिए पूर्व अग्निवीरों को शारीरिक दक्षता परीक्षा से छूट देने के साथ-साथ उन्हें तय अधिकतम उम्र सीमा में 3 साल तक की छूट भी दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि अग्निवीर स्कीम के पहले बैच के जवानों के लिए तय अधिकतम उम्र सीमा में पांच साल तक की छूट देने के लिए भी गाइडलाइंस जारी की गई हैं। इन फैसलों का फायदा आर्म्ड पुलिस सब-इंस्पेक्टर, आर्म्ड पुलिस कॉन्स्टेबल, एस.आर.पी. प्लाटून कमांडर और पुलिस कॉन्स्टेबल की भर्ती में मिलेगा। इसके अलावा, जेल विभाग के तहत जेलर ग्रुप-2 और जेल सिपाही, तथा वन एवं पर्यावरण विभाग की फॉरेस्ट गार्ड क्लास-3 और फॉरेस्ट वॉचर क्लास-3 कैटेगरी में सीधी भर्ती के लिए भी पूर्व अग्निवीरों को यह लाभ दिया जाएगा। वहीं, गुजरात सरकार के सूचना आयुक्त कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि पूर्व अग्निवीरों के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल का अहम फैसला। राज्य पुलिस बल के आर्म्ड विंग विभाग, एस. आर. पी., जेल विभाग और वन विभाग के फॉरेस्ट गार्ड व फॉरेस्ट रेंजर (क्लास- 3) पदों पर सीधी भर्ती में पूर्व अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलेगा। इन भर्तियों के लिए पूर्व अग्निवीरों को शारीरिक दक्षता परीक्षा से छूट देने और तय अधिकतम आयु सीमा में तीन साल तक की रियायत देने का निर्णय लिया गया है। साथ ही, मुख्यमंत्री ने अग्निवीर योजना के पहले बैच के जवानों के लिए तय अधिकतम आयु सीमा में 5 साल तक की रियायत देने के निर्देश भी दिए हैं।

दल-बदल करने वाले सांसदों के निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा करेंगे उद्धव ठाकरे

विश्व केसरी

मुंबई। शिवसेना-यूबीटी पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे 27 से 29 जून तक उन निर्वाचन क्षेत्रों के व्यापक दौरे पर निकलेंगे जहां से पार्टी के सांसद दल-बदल करके एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं। राज्यसभा सांसद और सामना के कार्यकारी संपादक संजय राउत द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, यह दौरा राज्य के कई महत्वपूर्ण जिलों को कवर करेगा, और प्रत्येक स्थान के लिए पार्टी के शीर्ष नेताओं को विशिष्ट जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

यह दौरा छह सांसदों - ओमराजे निंबालकर (धाराशिव), संजय पाटिल (मुलुंड उत्तर पूर्व), संजय जाधव (परभणी), संजय देशमुख (यवतमाल), नागेश पाटिल अष्टिकर (हिंगोली) और भाऊसाहेब वाकचौरे (शिरडी) - द्वारा पिछले सप्ताह किए गए विद्रोह के कुछ दिनों बाद हो रहा है, जिसमें उन्होंने शिंदे गुट में शामिल होने का संकेत दिया था। ठाकरे पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वह इन निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा करेंगे और 2024 के आम चुनावों के दौरान अब दलबदल कर चुके सांसदों को वोट देने वाले मतदाताओं से सार्वजनिक रूप से माफी मांगेंगे। ठाकरे 27 जून को यवतमाल में अपने दौरे की शुरुआत करेंगे, जहां सांसद अरविंद सावंत, विधायक संजय डेरकर, संपर्क प्रमुख राजेंद्र गायकवाड़ और जिला प्रमुख प्रवीण शिंदे, किशोर इंगले और संजय निखाड़े सहित वरिष्ठ नेता तैयारियों का जायजा लेंगे।

तेलंगाना के सीएम ने आदिलाबाद हवाई अड्डे पर कार्गो और एमआरओ यूनिट्स के लिए केंद्र से समर्थन मांगा

विश्व केसरी

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की।

इस दौरान उन्होंने रक्षा मंत्री से आदिलाबाद में भारतीय वायु सेना हवाई अड्डे और नागरिक उड्डयन टर्मिनल भवन के साथ-साथ कार्गो, एमआरओ और हैंगर सुविधाओं की व्यापक स्थापना के लिए सहयोग का अनुरोध किया।

रेवंत रेड्डी ने बताया कि आदिलाबाद विश्व प्रसिद्ध एयरलाइनों के लिए अपने हैंगर स्थापित करने के लिए एक आदर्श स्थान है। उन्होंने विशेष रूप से मध्य पूर्व में हाल के घटनाक्रमों के मद्देनजर इन आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए हवाई अड्डे के विकास का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अनुसार, उन्होंने आदिलाबाद में आगामी भारतीय वायु सेना हवाई अड्डे के विकास और व्यापक विस्तार के लिए राज्य सरकार के सहयोग का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने रक्षा मंत्री को उच्च प्राथमिकता वाली परियोजना आदिलाबाद हवाई अड्डे के विकास के संबंध में राज्य सरकार के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने विशेष रूप से भूमि अधिग्रहण और सुविधाओं के स्थानांतरण के संबंध में सहयोग का आश्वासन दिया।

उन्होंने केंद्रीय मंत्री को बताया कि राष्ट्रीय अखंडता और रक्षा के लिए परियोजना के महत्व को देखते हुए राज्य सरकार हर संभव सहयोग प्रदान करेगी।

नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने अप्रैल में घोषणा की थी कि आदिलाबाद में रक्षा के लिए एक हवाई अड्डा बनाया जाएगा और उसमें नागरिक संचालन के लिए एक एन्क्लेव होगा। रक्षा विभाग के पास आदिलाबाद में पहले से ही 360 एकड़ की हवाई पट्टी है, जबकि नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने हवाई अड्डे के निर्माण के लिए राज्य सरकार से 450 एकड़ अतिरिक्त भूमि का अधिग्रहण करने का अनुरोध किया है।

एआई और रोबोटिक्स ने मशीनों को लेकर इंसानों की समझ को गहरा किया : एक्सपर्ट्स

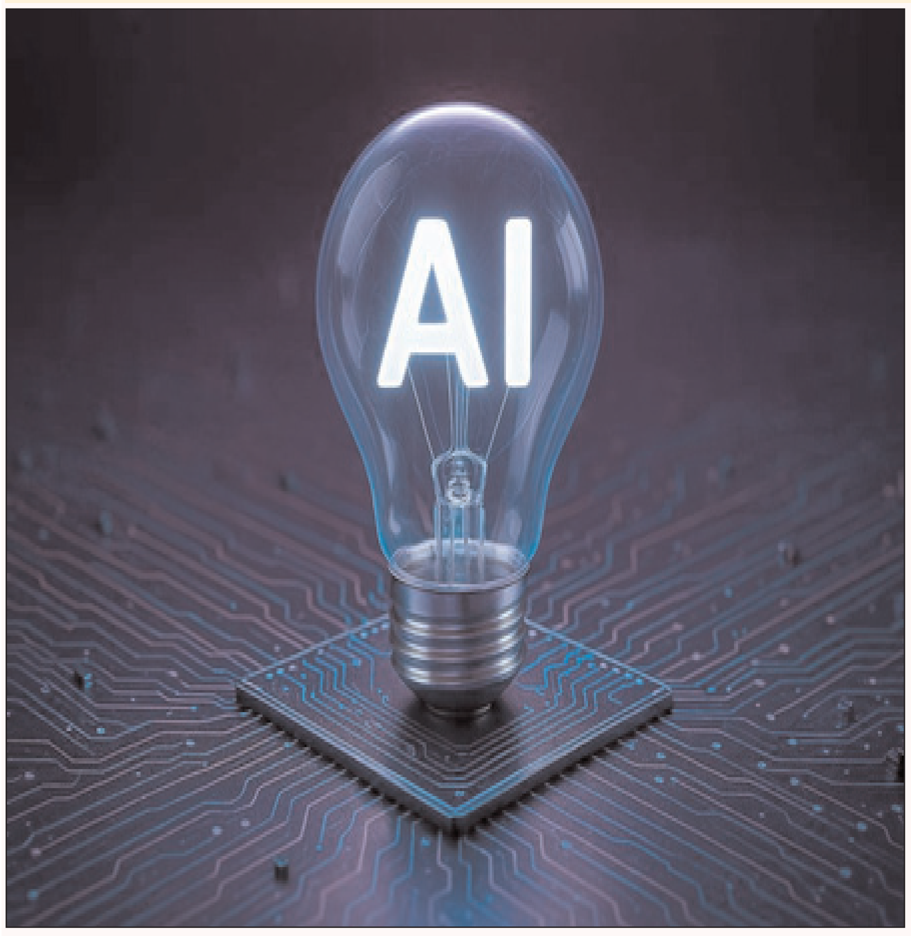

विश्व केसरी ■

डालियान (चीन)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और रोबोटिक्स इंसानी भावनाओं को समझने और लोगों व मशीनों के बीच बातचीत को मजबूत करने के लिए नई संभावनाएं खोल रहे हैं। यह जानकारी एक्सपर्ट्स की ओर से सोमवार को दी गई।

चीन के डालियान में 23-25 ??जून तक होने वाली 'एनुअल न्यू चैंपियंस मीटिंग' या 'समर दावोस' से पहले एक्सपर्ट्स ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तेजी से डेटा प्रोसेसिंग से आगे बढ़कर इंसानी व्यवहार, भावनाओं और सामाजिक मेल-जोल को समझने की दिशा में बढ़ रहा है, जिससे हेल्थकेयर, वर्कप्लेस, शिक्षा और रोजमर्रा की जिंदगी में नए-नए इस्तेमाल सामने आ रहे हैं।

एटोनैटन कंपनी के प्रतिनिधि चेंग जू ने डिजाइनर और रोबोटिक्स रिसर्चर मैडलिन गैनन द्वारा बनाए गए इंटरैक्टिव इंस्टॉलेशन 'रोबोट्स एज मिरर्स' के बारे में बताया। यह इंस्टॉलेशन आर्ट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स का एक अनोखा मेल है, जिसमें एक इंडस्ट्रियल रोबोटिक आर्म इंसानों की मौजूदगी और हरकत पर प्रतिक्रिया देती है।

उन्होंने आईएएनएस को बताया, 'हम इंसान इशारों और हरकतों जैसे बिना बोले दिए जाने वाले संकेतों से एक-दूसरे को समझने में माहिर होते हैं। इस कारण हम इस रोबोट में भी ऐसी ही कुछ खूबियां और एक तरह की पर्सनैलिटी डालने की कोशिश कर रहे हैं। जब आप इसके पास जाकर 'हाय' कहेंगे, तो यह आपकी बात का जवाब देगा। लेकिन अगर आप ज्यादा आक्रामक होंगे, तो हो सकता है कि यह भाग भी जाए।'

सीईसी के यू सॉन्ग ने 'क्लाउड ब्रेन' पेश किया, जो इंसानी भावनाओं और मानसिक स्थिति का विश्लेषण करने के लिए बनाया गया एक एडवांस्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम है।

एआई-आधारित यह प्लेटफॉर्म चहरे के हाव-भाव, आंखों की हरकत, बॉडी लैंग्वेज और व्यवहार के संकेतों का इस्तेमाल करके किसी व्यक्ति की भावनात्मक और मानसिक स्थिति का रियल-टाइम में आकलन करता है।

यह सिस्टम पहचान सकता है कि कोई व्यक्ति ध्यान केंद्रित कर रहा है, थका हुआ है, तनाव में है, आराम से है या खुश है, और इस जानकारी को एक डिजिटल डैशबोर्ड पर दिखाता है। डेवलपर्स का कहना है कि इस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल हेल्थकेयर, वर्कप्लेस मैनेजमेंट, शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में किया जा सकता है। स्मार्ट हंस की कोऑर्डिनेटर ग्रेटा रामिरेज ने आर्टिस्टिक रिसर्चर मैक्स हारिच द्वारा तैयार किया गया एक इंस्टॉलेशन पेश किया, जो यह पता लगाता है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंसानी व्यवहार की बारीक बातों को कैसे समझ सकता है।

दूरसंचार विभाग ने बीएसएनएल, एमटीएनएल और सैटेलाइट सेवाओं के लिए जारी किया स्पेक्ट्रम एलोकेशन फ्रेमवर्क; स्टारलिंक बाहर

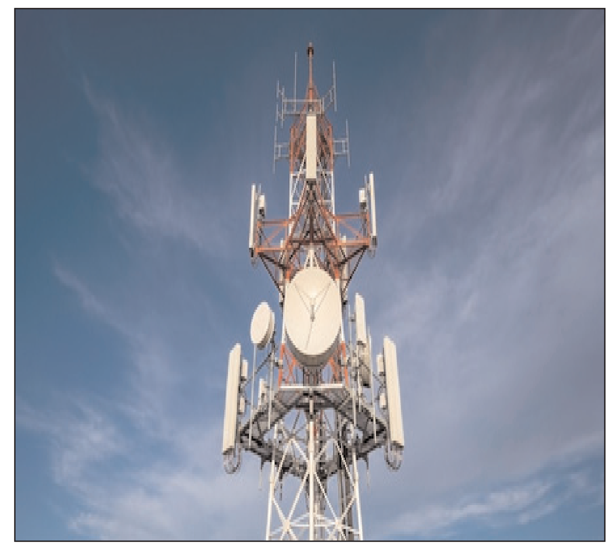

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने दूरसंचार अधिनियम, 2023 के तहत प्रशासनिक तरीके से स्पेक्ट्रम एलोकेशन के लिए नियमों का फ्रेमवर्क (मसौदा) जारी किया है। इन नियमों में विभिन्न दूरसंचार और सैटेलाइट संचार सेवाओं के लिए पात्रता मानदंड, स्पेक्ट्रम शुल्क और आवंटन की शर्तें तय की गई हैं।

हालांकि, प्रस्तावित ढांचे में स्टारलिंक, यूटेलसैट वनवेब और रिलायंस जियो की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा सहित सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवाएं देने वाली कंपनियों को शामिल नहीं किया गया है। ऐसे में यह क्षेत्र अभी भी स्पेक्ट्रम एलोकेशन और उसकी कीमत तय करने के लिए अलग नीति का इंतजार कर रहा है।

सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी किए गए फ्रेमवर्क नियम मुख्य रूप से पारंपरिक सैटेलाइट संचार सेवाओं को कवर करते हैं। इनमें वीसैट (वेरी स्मॉल एपर्चर टर्मिनल) ऑपरेटर, डायरेक्ट-टू-होम (डीटीएच) प्लेटफॉर्म, टेलीपोर्ट, ब्रॉडकास्टर और सरकारी कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) द्वारा संचालित सैटेलाइट फोन सेवाएं शामिल हैं।

इसके अलावा, यह फ्रेमवर्क उन स्पेक्ट्रम आवंटनों पर भी लागू होगा जो प्रशासनिक तरीके से सरकारी दूरसंचार कंपनियों बीएसएनएल और महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) को दिए जाते हैं।

फ्रेमवर्क के अनुसार, प्रशासनिक मार्ग से स्पेक्ट्रम आवंटन दूरसंचार अधिनियम, 2023 के प्रावधानों के अनुरूप निर्धारित पात्रता शर्तों, शुल्क और आवंटन नियमों के आधार पर किया जाएगा।

डीओटी ने फ्रेमवर्क नियमों पर अंतिम निर्णय लेने से पहले हितधारकों से अगले 30 दिनों के भीतर सुझाव और टिप्पणियां मांगी हैं।

सरकार के डिजिटल अभियान का असर देश में दूरसंचार और इंटरनेट सेवाओं के बढ़ते उपयोग में भी दिखाई दे रहा है।

फरवरी 2026 के अंत में ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या 1,059.05 मिलियन थी, जो मार्च 2026 के अंत तक बढ़कर 1,065.88 मिलियन हो गई।

दूरसंचार क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है। मार्च 2026 के दौरान मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) के लिए 14.63 मिलियन अनुरोध (रिक्वेस्ट) दर्ज किए गए।

वहीं, पीक विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) आंकड़ों के अनुसार, एक्टिव वायरलेस सब्सक्राइबर्स की संख्या 1,185.60 मिलियन रही, जो देश में डिजिटल कनेक्टिविटी के व्यापक विस्तार को दर्शाती है।

ये रोजमर्रा की आदतें बनाती हैं समय से पहले बूढ़ा, तेजी से बढ़ती है एजिंग की समस्या

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। उम्र बढ़ना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिसे रोका नहीं जा सकता। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, त्वचा के अंदर बनने वाले जरूरी तत्व धीरे-धीरे कम होने लगते हैं। इनमें कोलेजन और इलास्टिन जैसे प्रोटीन शामिल होते हैं, जो त्वचा को मजबूत और मुलायम बनाए रखते हैं। जब ये कमजोर होते हैं तो चेहरे पर झुर्रियां, ढीलापन और रूखापन दिखने लगता है। आज के समय में सिर्फ उम्र ही नहीं बल्कि हमारी रोज की आदतें भी त्वचा को जल्दी बूढ़ा बना रही हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, धूम्रपान त्वचा के लिए सबसे हानिकारक आदतों में से एक है। सिगरेट के धुएं में कई ऐसे जहरीले तत्व होते हैं, जो शरीर की नसों को सिकोड़ देते हैं। इससे त्वचा तक खून और ऑक्सीजन कम पहुंचता है। जब त्वचा को सही पोषण नहीं मिलता तो वह धीरे-धीरे कमजोर होने लगती है और समय से पहले झुर्रियां

दिखने लगती हैं।

नींद की कमी भी त्वचा पर गहरा असर डालती है। जब हम सोते हैं तो शरीर खुद को ठीक करता है और नई कोशिकाएं बनाता है। लेकिन अगर नींद पूरी नहीं होती तो यह प्रक्रिया ठीक से नहीं हो पाती। शरीर में तनाव बढ़ाने वाले हार्मोन बढ़ जाते हैं, जिससे त्वचा की मरम्मत धीमी हो जाती है। इसका असर चेहरे पर थकान, डलनेस और झुर्रियों के रूप में दिखाई देने लगता है, इसलिए रोज 7 से 9 घंटे की नींद बहुत जरूरी होता है। पानी कम पीना भी त्वचा को जल्दी बूढ़ा बना सकता है। पानी शरीर और त्वचा दोनों के लिए बहुत जरूरी है। यह त्वचा को अंदर से नमी देता है और उसे मुलायम रखता है। जब शरीर में पानी की कमी हो जाती है तो त्वचा रूखी और बेजान दिखने लगती है। इससे चेहरे पर लाइन्स भी ज्यादा नजर आने लगती हैं। पर्याप्त पानी पीने से त्वचा साफ और स्वस्थ बनी रहती है। खराब खानपान भी त्वचा की उम्र बढ़ाने में बड़ा कारण है। अगर हम ज्यादा तला-भुना, मीठा या जंक फूड खाते हैं तो शरीर में सूजन बढ़ सकती है। यह सूजन धीरे-धीरे त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाती है। दूसरी तरफ अगर हम फल, सब्जियां, दालें और अच्छे वसा वाले भोजन खाते हैं तो त्वचा को जरूरी पोषण मिलता है और वह लंबे समय तक स्वस्थ रहती है।तनाव भी त्वचा पर असर डालती है। जब हम ज्यादा तनाव लेते हैं तो शरीर में ऐसे हार्मोन बनते हैं जो त्वचा की सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं। तनाव से त्वचा की चमक कम हो सकती है और चेहरे पर थकान साफ दिखने लगती है। लंबे समय तक तनाव रहने से झुर्रियां भी जल्दी आ सकती हैं।

आज के समय में प्रदूषण भी त्वचा के लिए एक बड़ा खतरा बन चुका है। हवा में मौजूद धूल, धुआं और जहरीले कण त्वचा पर जम जाते हैं। ये त्वचा के अंदर जाकर उसे नुकसान पहुंचाते हैं और उसकी प्राकृतिक चमक को कम कर देते हैं।

केरल में स्वास्थ्य व्यवस्था के हालात को लेकर राजनीतिक उत्तराधिकारियों के बीच विधानसभा में हुआ टकराव

विश्व केसरी ■

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा में संक्रामक बीमारियों के फैलने पर हो रही बहस जल्द ही दो प्रमुख राजनीतिक उत्तराधिकारियों के बीच तीखी राजनीतिक लड़ाई में बदल गई। सीपीआई (एम) विधायक व पूर्व मंत्री मोहम्मद रियास और स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन ने स्थिति से निपटने के सरकार के तरीके को लेकर एक-दूसरे पर आरोप लगाए।

मौजूदा नेता विपक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के दामाद रियास ने राज्य में संक्रामक बीमारी की स्थिति पर चर्चा के लिए स्थगन प्रस्ताव लाने की अनुमति मांगने वाला नोटिस पेश किया।

हालांकि, स्पीकर ने प्रस्ताव को खारिज कर दिया और कहा कि इस मुद्दे पर तत्काल चर्चा की जरूरत नहीं है।इस हंगामे के दौरान केरल की राजनीति से जुड़े दो सियासी परिवारों के प्रतिनिधि आमने-सामने आ गए। इनमें एक तरफ रियास थे जो वामपंथी नेतृत्व की विरासत का प्रतिनिधित्व कर रहे थे और दूसरी तरफ पूर्व मुख्यमंत्री के. करुणाकरण के बेटे मुरलीधरन थे, जो सत्ता पक्ष की ओर से सरकार का बचाव कर रहे थे।पूर्व मंत्री रियास ने आरोप लगाया कि केरल के अपने अच्छे कामों की वजह से चर्चा में रहे स्वास्थ्य मॉडल को झटका लगा है और उन्होंने स्वास्थ्य विभाग पर तालमेल की कमी का भी आरोप लगाया।

उन्होंने दावा किया कि चार जिले बिना जिला चिकित्सा अधिकारियों के काम कर रहे हैं और कोझिकोड में उचित चिकित्सा नेतृत्व की कमी पर भी सवाल उठाए। रियास ने पूछा, 'क्या सरकार कोझिकोड के लिए एक भी मेडिकल अफसर उपलब्ध नहीं करा सकती थी?' उन्होंने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य विभाग बीमारी से बचाव के उपायों को मजबूत करने के बजाय तबादलों और पोस्टिंग में व्यस्त था।

उन्होंने दावा किया कि निपाह की दवाएं बीमारी का पता चलने के पांच दिन बाद राज्य में पहुंचीं और आरोप लगाया कि यह सप्लाई भी विपक्ष के विरोध-प्रदर्शनों के बाद हो सकी। रियास ने कड़े शब्दों में स्वास्थ्य मंत्री के दफ्तर पर निशाना साधते हुए कहा कि वहां के एक अधिकारी (स्वास्थ्य सेवा के पूर्व निदेशक) निपाह वायरस से भी ज्यादा बड़ी चिंता का विषय बन गए थे।

इबोला प्रकोप के कारण भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन स्थगित, देश तेजी से बना रहा वैक्सीन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अफ्रीका के कुछ देशों में फैले इबोला वायरस के कारण चौथा भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन स्थगित कर दिया गया। इस स्थिति ने यह दिखाया कि अफ्रीका की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों, खासकर वैक्सीन बनाने और उनके उत्पादन के क्षेत्र में, को पूरा करने में भारत की भूमिका लगातार बढ़ रही है।

आईओएल के एक विश्लेषण के अनुसार, समिट को टालने से अफ्रीका में बंडिबुग्यो इबोला वायरस के प्रकोप (जो डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और युगांडा में देखा गया था) से निपटने में मदद करने के लिए भारत की तेज कोशिशों पर ध्यान गया है।

भारत-अफ्रीका फोरम समिट, जो मूल रूप से 28-31 मई के बीच यहां होने वाली थी, को अफ्रीका में बदलती पब्लिक हेल्थ स्थिति को लेकर चिंताओं के बीच भारत और अफ्रीकी संघ के बीच बातचीत के बाद टाल दिया गया था।

भारत की भूमिका सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) की कोशिशों पर केंद्रित है, जिसमें कोएलिशन फॉर एपिडेमिक प्रिपेयर्डनेस इनोवेशन (सीईपीआई) और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी शामिल हैं, ताकि इबोला के बंडिबुग्यो स्ट्रेन के खिलाफ वैक्सीन के डेवलपमेंट को तेज किया जा सके।

रिपोर्ट में बताया गया है कि एसआईआई अपने साबित हो चुके चाडऑक्स1 वैक्सीन प्लेटफॉर्म, जिसका इस्तेमाल कोविड-19 महामारी के दौरान बड़े पैमाने पर किया गया था, का इस्तेमाल क्लिनिकल-ग्रेड डोज को तेजी से तैयार करने के लिए कर रहा है, जो कुछ ही महीनों में ट्रायल के लिए तैयार हो सकती हैं।

इसमें कहा गया है कि भारत का यह कदम कोविड-19 संकट के दौरान उसकी भूमिका की याद दिलाता है, जब देश, कई अफ्रीकी देशों सहित, विकासशील देशों को सस्ती वैक्सीन का एक बड़ा सप्लायर बनकर उभरा था।

असम के गोलपाड़ा में डेंगू के 19 नए मामले आए सामने, बीमारी फैलने की वजह आई सामने

विश्व केसरी ■

गोलपाड़ा । असम के गोलपाड़ा में डेंगू के 19 नए मामले सामने आए हैं। रबड़ के पेड़ों से दूध इकट्ठा करने वाले कप मच्छरों के पनपने की मुख्य जगह पाए गए हैं। इसके फैलाव को रोकने के लिए जागरूकता अभियान शुरू किया गया है।

जिला मलेरिया कार्यालय की अधिकारी ताराली ठाकुरिया आईएएनएस को बताया, 'पहले गोलपाड़ा में डेंगू के केस स्थानीय स्तर पर नहीं थे। पिछले तीन साल में यहां डेंगू के मरीज बढ़े हैं। 2024 में 104 डेंगू के केस सामने आए थे।

जांच के दौरान रबड़ के पेड़ों से दूध इकट्ठा करने वाले कप में भरे पानी में डेंगू के लार्वा मिले थे। इससे रबड़ उद्योग पर निर्भर

आदिवासी लोग डेंगू के शिकार हो गए। इस साल 96 डेंगू के मामले रबड़ की खेती वाले क्षेत्र में पाए गए हैं। तारालीठाकुरिया ने बताया कि जिस क्षेत्र में डेंगू के मरीज मिल रहे हैं, वहां के लोगों जागरूक करने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। रबड़ किसानों को भी डेंगू से बचाव के बारे में जागरूक किया जा रहा है। हम लोग किसानों को बता रहे हैं कि वह रबड़ के पेड़ों से दूध इकट्ठा करने वाले कप में भरे पानी को हर सप्ताह बदल दें, जिससे लार्वा पनपने न पाए।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, डेंगू एक वायरल इन्फेक्शन है, जो डेंगू वायरस से होता है और संक्रमित मच्छरों के काटने से इंसानों में फैलता है। दुनिया की लगभग आधी आबादी को डेंगू का खतरा है।

डेंगू दुनियाभर में ट्रॉपिकल (उष्णकटिबंधीय) और सब-ट्रॉपिकल इलाकोंद्व खासकर शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में पाया जाता है। डेंगू की रोकथाम और नियंत्रण वेक्टर कंट्रोल (मच्छरों को नियंत्रित करने) पर निर्भर करता है। डेंगू या गंभीर डेंगू का कोई खास इलाज नहीं है, लेकिन बीमारी का जल्दी पता चलने और सही मेडिकल देखभाल मिलने से गंभीर डेंगू से होने वाली मौतों की दर काफी कम हो जाती है।

खाली पेट लीची खाना पड़ सकता है भारी? अचानक गिर सकता है ब्लड शुगर

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। गर्मी का मौसम आते ही बाजारों में आम, तरबूज, खरबूजा और लीची जैसे फलों की भरमार दिखाई देने लगती है। इनमें लीची अपनी मिठास, रस और स्वाद के कारण बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी की पसंद होती है। पोषण विशेषज्ञ भी इसे विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर फल मानते हैं। लेकिन एक तरफ जहां यह शरीर को फायदा पहुंचाती है तो दूसरी तरफ यह सेहत को नुकसान भी पहुंचा सकती है।

लीची में विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो शरीर की

रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में मदद करता है। इसके अलावा, इसमें फाइबर, पोटैशियम, कॉपर और कई प्रकार के प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट मौजूद होते हैं, जिसके चलते लीची को त्वचा, हृदय और सामान्य स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, लीची में मौजूद विटामिन सी शरीर में कोलेजन बनाने में मदद करता है। कोलेजन एक ऐसा प्रोटीन है जो त्वचा, हड्डियों और रक्त वाहिकाओं को मजबूत रखने में अहम भूमिका निभाता है। वहीं इसमें मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद करता है। फाइबर आंतों की समस्या को दूर करता है और कब्ज जैसी परेशानी से राहत दिलाता है। पोटैशियम हृदय और रक्तचाप के लिए फायदेमंद माना जाता है, क्योंकि यह शरीर में तरल पदार्थों के संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है।

फीफा वर्ल्ड कप: सऊदी अरब को 4-0 से रौंदकर शीर्ष पर पहुंचा स्पेन, ओयारजाबल ने किए दो गोल

विश्व केसरी ■

अटलांटा। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप एच मुकाबले में स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सऊदी अरब को 4-0 से करारी शिकस्त दी। स्पेन की इस जीत में युवा खिलाड़ी लामिन यामल और स्ट्राइकर मिकेल ओयारजाबल ने अहम भूमिका निभाई। यामल ने एक गोल किया और कई अच्छे मौके बनाए, जबकि ओयारजाबल ने दो गोल दागे।

केप वर्डे के खिलाफ पहले मैच में गोलरहित ड्रॉ खेलने वाली स्पेन की टीम सऊदी अरब के खिलाफ बेहतरीन फॉर्म में दिखाई दी। स्पेन ने पूरे मैच में आक्रामक खेल दिखाया और सऊदी अरब को अपने मजबूत डिफेंस के दम पर वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। वर्ल्ड कप के इतिहास के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी लामिन यामल पर हर किसी की निगाहें थीं, जिन्हें शुरुआती एकादश में जगह दी गई थी। मैदान पर उतरते ही उन्होंने अपने शानदार कौशल से दर्शकों का दिल जीता। उनकी गति और ड्रिब्लिंग ने सऊदी अरब के डिफेंडरों को लगातार परेशान किया।

स्पेन का पहला गोल 10वें मिनट में आया। डैनी ओल्मो ने बाईं ओर से बेहतरीन क्रॉस दिया, जिस पर यामल ने शानदार तरीके से स्लाइड करते हुए गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। यह टूर्नामेंट में उनका पहला गोल था। इस गोल से स्पेन का आत्मविश्वास बढ़ा और टीम ने लगातार हमले जारी रखे। मैच के 30वें मिनट में स्पेन की बढ़त को एमेरिक लापोर्टे ने दोगुना किया। डैनी ओल्मो के कॉर्नर पर एमेरिक लापोर्टे ने हेडर लगाया। गेंद बॉक्स के अंदर ओयारजाबल के पास पहुंची और उन्होंने बिना कोई गलती किए इसे गोल में तब्दील कर दिया।

इसके सिर्फ तीन मिनट बाद स्पेन ने एक और शानदार टीम गोल किया। सऊदी अरब के डिफेंस के ऊपर से आए लंबे पास को मार्क कुकुरेला ने बेहतरीन तरीके से नियंत्रित किया और गेंद को आगे बढ़ाया। इसके बाद डैनी ओल्मो ने मौका बनाते हुए गेंद ओयारजाबल को पास की, जिन्होंने शानदार वॉली लगाकर अपना दूसरा और स्पेन के लिए मैच का तीसरा गोल किया।

झारखंड प्रीमियर लीग: छोटा नागपुर रॉयल्स ने बनाई सेमीफाइनल में जगह, जमशेदपुर स्टीलर्स को 85 रनों से हराया

विश्व केसरी ■

रांची। छोटा नागपुर रॉयल्स ने झारखंड प्रीमियर लीग 2026 के सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली है। रविवार को खेले गए टूर्नामेंट के 23वें मुकाबले में छोटा नागपुर ने एकतरफा मुकाबले में जमशेदपुर स्टीलर्स को 85 रनों से हराया।

छोटा नागपुर रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 211 रन लगाए। टीम को विराट सिंह और नाजिम सिद्दीकी ने शानदार शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 8.5 ओवर में 88 रन जोड़े। सिद्दीकी ने सिर्फ 32 गेंदों का सामना करते हुए 54 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में सिद्दीकी ने 10 चौके और एक छक्का लगाया।

वहीं, श्रेष्ठ सागर ने 20 गेंदों में 25 रन बनाए। हालांकि, चंदन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और एक रन बनाकर पवेलियन लौटे। एक छोर से कप्तान विराट ने अपनी शानदार बल्लेबाजी जारी रखी और उन्होंने 58 गेंदों में 7 चौके और 6 छक्कों की मदद से 106 रनों की लाजवाब पारी खेली। गेंदबाजी में जमशेदपुर स्टीलर्स की ओर से हर्ष राणा, अमन कुमार और प्रतीक रंजन ने एक-एक विकेट चटकाया।

212 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए जमशेदपुर स्टीलर्स की पूरी टीम सिर्फ 126 रन बनाकर सिमट गई। टीम की ओर से सर्वाधिक 46 रन हर्ष राणा ने बनाए, जबकि शक्ति सिंह ने 22 रनों का योगदान दिया। छोटा नागपुर की ओर से गेंदबाजी में राहुल रजक ने सिर्फ 11 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए। वहीं, दिपांशु और दुर्गेश ने दो-दो विकेट निकाले।

वहीं, दिन के दूसरे मुकाबले में धनबाद डायमंड्स ने संथाल स्ट्राइकर्स को 9 विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए धनबाद डायमंड्स की पूरी टीम सिर्फ 106 रन बनाकर ऑलआउट हुई। टीम की ओर से सर्वाधिक 32 रन राम शरण ने बनाए, जबकि विकास विशाल ने 26 रनों का योगदान दिया। गेंदबाजी में संजीत शर्मा ने 4 ओवर में सिर्फ 10 रन देकर 4 विकेट झटके, तो अनमोल राज ने भी 4 विकेट चटकाए।

संथाल स्ट्राइकर्स ने 107 रनों के लक्ष्य को सिर्फ एक विकेट खोकर 11.5 ओवर में हासिल कर लिया। टीम की तरफ से कुमार सूरज ने 34 गेंदों में नाबाद 53 रन बनाए, जबकि विभूर पांडे 32 रन बनाकर नाबाद रहे। टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल मुकाबला जमशेदपुर स्टीलर्स और टेबल में टॉप पर रहने वाली कोयलांचल सुपर किंग्स से होगा। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में छोटा नागपुर रॉयल्स की भिड़ंत रांची टाइटन्स से होगी।

वीजा की निराशा से मियामी के सुइट तक: काबो वर्डे के गोलकीपर वोजिन्हा की मां कैसे फीफा वर्ल्ड कप तक पहुंचीं

विश्व केसरी ■

मियामी। काबो वर्डे ने 15 जून को 'ग्रुप-एच' के अपने पहले मैच में स्पेन के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ खेला। जब इस मुकाबले के बाद काबो वर्डे के गोलकीपर वोजिन्हा मैदान से बाहर निकले, तो उनका ध्यान हजारों मील दूर अपनी मां की ओर गया।

6 दिन बाद, एना कैंडिडा एवोरा मियामी में एक सुइट में थीं, जहां काबो वर्डे का मुकाबला उरुग्वे से हो रहा था। इस तरह उन्होंने एक ऐसा सफर पूरा किया, जो वर्ल्ड कप की सबसे चर्चित मानवीय कहानियों में से एक बन गया।

'सिन्हुआ' की रिपोर्ट के अनुसार, एना मियामी स्टेडियम में काबो वर्डे का झंडा लेकर और अपने बेटे का नाम और नंबर लिखी शर्ट पहनकर पहुंची थीं। मैच से पहले, उन्होंने फीफा की तरफ से जारी एक वीडियो में उन लोगों का शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने इस यात्रा को मुमकिन बनाया।

उन्होंने कहा, 'मैं उन सभी फैंस और लोगों का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं, जिन्होंने इस प्रक्रिया में मेरी मदद की। साथ ही, उनका भी जो टीम का समर्थन करते हैं। हम सभी काबो वर्डे का समर्थन कर रहे हैं, ताकि वे अच्छा खेलें और मैदान पर शानदार प्रदर्शन करें।' अपनी बात खत्म करते हुए उन्होंने जोश के साथ कहा: 'आगे बढ़ो, ब्लू शार्क्स।'

फीफा वर्ल्ड कप: गोलरहित ड्रॉ रहा बेल्जियम और ईरान के बीच खेला गया मुकाबला

विश्व केसरी ■

लॉस एंजिल्स। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में बेल्जियम और ईरान के बीच खेला गया ग्रुप जी का मुकाबला गोलरहित ड्रॉ पर खत्म हुआ। लॉस एंजिल्स स्टेडियम में दोनों टीमों ने जीत के लिए पूरा जोर लगाया, लेकिन शानदार गोलकीपिंग और मजबूत डिफेंस के कारण कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी।

इस ड्रॉ के साथ ही बेल्जियम और ईरान को अभी भी इस विश्व कप में अपनी पहली जीत का इंतजार है। मैच की शुरुआत से ही बेल्जियम ने गेंद पर अपना नियंत्रण बनाए रखा और लगातार हमले किए। टीम के अनुभवी मिडफील्डर केविन डी ब्रुइन ने शुरुआती मिनटों में ही लंबी दूरी से शॉट लगाया, लेकिन गेंद गोलपोस्ट के बाहर चली गई। इसके बाद डी ब्रुइन और लिएंड्रो ट्रॉसार्ड ने मिलकर कुछ अच्छे मौके बनाए, लेकिन ईरान के गोलकीपर अलीरेजा बेरानवंद ने शानदार बचाव करते हुए बेल्जियम को बढ़त लेने से रोक दिया।

बेल्जियम ने मैच में ज्यादा समय तक गेंद पर अपनी नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन दूसरे छोर से ईरान ने भी आक्रामक खेल दिखाया। पहले हाफ में बेल्जियम के डिफेंस में हुई एक गलती के बाद होसैन कनानी को गोल करने का अच्छा मौका मिला, लेकिन बेल्जियम के गोलकीपर थिबॉट कोर्टोइस ने बेहतरीन बचाव कर कनानी के अरमानों पर पानी फेर दिया।

ईरान को पहले हाफ में एक बार लगा कि उसने बढ़त हासिल कर ली है। मेहदी तारेमी ने एक शानदार मूव के बाद गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाया, लेकिन रेफरी ने ऑफसाइड का फैसला देते हुए गोल को अमान्य करार दे दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने कुछ और मौके बनाए, लेकिन हाफ टाइम तक स्कोर 0-0 ही रहा।

दूसरे हाफ में बेल्जियम ने खेल की रफ्तार बढ़ाई। एलेक्सिस सेलेमेकर्स और मैक्सिम डी क्यूपर ने गोल करने की कोशिश की, लेकिन ईरानी गोलकीपर बेरानवंद फिर से दीवार बनकर खड़े रहे। दूसरी ओर, मेहदी तारेमी ने भी कुछ खतरनाक हमले किए, जिन्हें कोर्टोइस ने शानदार ढंग से रोका। मैच का सबसे बड़ा मोड़ 70वें मिनट के आसपास आया, जब बेल्जियम के डिफेंडर नाथन न्गोय ने गलती से गलत बैक पास दिया। इसके बाद उन्होंने गोल की ओर बढ़ रहे ईरानी खिलाड़ी को रोकने के लिए फाउल किया। रेफरी ने उन्हें सीधे रेड कार्ड दिखाया और बेल्जियम को बाकी मैच 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा।

एक खिलाड़ी कम होने के बाद बेल्जियम पर दबाव बढ़ गया। गोलकीपर थिबॉट कोर्टोइस ने कई शानदार बचाव करके टीम को मैच में बनाए रखा। इसके बावजूद, बेल्जियम ने जीत हासिल करने की कोशिश जारी रखी। डेब्यू कर रहे मटियास फर्नांडीज-पार्डो ने अपनी तेज रफ्तार और आक्रामक खेल से प्रभावित किया, जबकि डोडी ल्यूकेबाकियो का शानदार कर्लिंग शॉट गोल पोस्ट के बेहद करीब से बाहर निकल गया।

सैयद शाहिद हाकिम: पिता के नक्शे-कदमों पर चलकर बनाई फुटबॉल में पहचान, इंटरनेशनल रेफरी भी बने

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत में फुटबॉल को नई पहचान दिलाने वाले खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों का जब भी जिक्र होता है, तो सैयद शाहिद हाकिम का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। वह 1960 के रोम ओलंपिक में भारतीय फुटबॉल टीम का हिस्सा रहे थे। इसके अलावा, बतौर कोच उन्होंने भारतीय फुटबॉल को कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी दिए, जिसके लिए उन्हें द्रोणाचार्य लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सैयद शाहिद हाकिम का जन्म 23 जून, 1939 को हैदराबाद में हुआ। शाहिद के पिता सैयद अब्दुल रहीम खुद भारत के महान फुटबॉलर में से एक रहे। यही कारण रहा कि सैयद शाहिद का भी बचपन से ही फुटबॉल के खेल से खास लगाव रहा। उन्होंने इस खेल की बारीकियां अपने पिता से ही सीखी और इस खेल में धीरे-धीरे रमते चले गए। वह 1960 के रोम ओलंपिक में हिस्सा लेने वाली भारतीय टीम के सदस्य थे। उस समय भारतीय टीम के कोच उनके पिता सैयद अब्दुल रहीम थे। हालांकि, टूर्नामेंट में भारतीय टीम का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा और वह ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ सकी। फिर भी भारत ने फ्रांस के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलकर अपनी छाप छोड़ी थी।

घरेलू फुटबॉल में शाहिद हाकिम ने सर्विसेज की ओर से खेलते हुए संतोष ट्रॉफी जीती। उन्होंने भारतीय वायु सेना की टीम का भी प्रतिनिधित्व किया।

हालांकि, उन्होंने खिलाड़ी के मुकाबले कोच के रूप में अधिक ख्याति अर्जित की। वह बतौर खिलाड़ी संन्यास लेने के बाद इंटरनेशनल रेफरी भी बने। उन्होंने 1988 में एएफसी एशियन कप में अंपायरिंग की। साल 1998 में महिंद्रा एंड महिंद्रा के डूरंड कप का खिताब जीतने पर वह टीम के मैनेजर रहे। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय टीम के सहायक कोच रहते हुए भी टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने बंगाल मुंबई एफसी को भी कोचिंग दी। साल 2017 में फुटबॉल के खेल में कोच के तौर पर अहम योगदान देने के लिए उन्हें द्रोणाचार्य लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से भी नवाजा गया।

श्राची रार टाइगर्स ने जीता बंगाल मेंस टी20 लीग का खिताब, फाइनल में सोबिस्को स्मैशर्स मालदा को हराया

विश्व केसरी ■

कोलकाता। श्राची रार टाइगर्स ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बंगाल टी20 लीग के सीजन 3 का खिताब अपने नाम किया। श्राची टाइगर्स ने बारिश से प्रभावित खिताबी मुकाबले में ईडन गार्डन्स के मैदान पर सोबिस्को स्मैशर्स मालदा को 9 रनों (डकवर्थ लुईस नियम के तहत) से हराया।

बारिश के कारण मैच को दोनों टीमों के लिए 15 ओवर का कर दिया गया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए श्राची टाइगर्स ने 15 ओवर में 4 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 165 रन लगाए। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और शुभम देय बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। वहीं, सुमित महज 2 रन बनाकर आउट हुए। सुमन गुप्ता भी सिर्फ 7 रन ही बना सके। 10 रनों के स्कोर पर 3 विकेट खोकर मुश्किल में दिख रही श्राची टाइगर्स की पारी को कप्तान शाहबाज अहमद और गौरव सिंह चौहान ने संभाला और चौथे विकेट के लिए 144 रनों की अहम साझेदारी निभाई।

शाहबाज ने 46 गेंदों का सामना करते हुए 88 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 191 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 7 चौके और 6 छक्के लगाए। वहीं, गौरव ने 30 गेंदों में 55 रनों की शानदार पारी खेली। गौरव ने अपनी इस पारी में एक चौका और 5 छक्के लगाए। वहीं, रोहित कुमार 3 गेंदों में 9 रन बनाकर नाबाद रहे। गेंदबाजी में सोबिस्को स्मैशर्स की ओर से अखिल ने सर्वाधिक 2 विकेट चटकाए।

सोबिस्को स्मैशर्स का चेज शुरू होने से पहले बारिश ने एक बार फिर मैच में खलल डाली और टीम को 9 ओवर में 107 रनों का लक्ष्य दिया गया। हालांकि, सोबिस्को स्मैशर्स की टीम 5 विकेट गंवाकर 97 रन ही बना सकी। टीम की ओर से अभिमन्यु ईश्वरन ने 22 गेंदों का सामना करते हुए सर्वाधिक 38 रन बनाए, जबकि अखिल ने 5 गेंदों में 16 रन बनाए।

गेंदबाजी में श्राची रार टाइगर्स की तरफ से सुखमीत सिंह ने 14 रन देकर 2 विकेट चटकाए। खिताब जीतने वाली श्राची रार टाइगर्स को 50 लाख की इनामी राशि दी गई, जबकि फाइनल तक का सफर तय करने वाली उपविजेता सोबिस्को स्मैशर्स मालदा को 30 लाख रुपये दिए गए।

फीफा वर्ल्ड कप: मिस्र की सिएटल में रुकने के अनुरोध को सुरक्षा अधिकारियों ने किया खारिज, स्पोकेन वापस लौटेगी टीम

विश्व केसरी ■

वैंकूवर। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली ऐतिहासिक जीत के बाद मिस्र को बड़ा झटका लगा है। टीम को सिएटल में कैंप लगाने का फैसला बदलने पर मजबूर होना पड़ा है। मिस्र टीम की इस शहर में रुकने की गुजारिश को स्थानीय सुरक्षा अधिकारियों ने स्वीकार करने से मना कर दिया है।

मिस्र की टीम अब स्पोकेन लौटेगी और वहीं से अगले मैच की तैयारी करेगी। मिस्र फुटबॉल संघ के अनुसार, टीम मैनेजर इब्राहिम हसन ने बताया कि सुरक्षा कारणों से अधिकारियों ने टीम के सिएटल में रुकने के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया। इसी वजह से पूरे दल को स्पोकेन शहर लौटना पड़ेगा।

इब्राहिम हसन ने बताया कि टीम के कोचिंग स्टाफ ने पहले योजना बनाई थी कि न्यूजीलैंड पर 3-1 की जीत के बाद खिलाड़ी वैंकूवर से सीधे सिएटल जाएंगे। इसका मकसद खिलाड़ियों को अतिरिक्त यात्रा से बचाना और 27 जून को ईरान के खिलाफ होने वाले अहम ग्रुप मैच से पहले उनकी थकान कम रखना था, ताकि टीम बेहतर तैयारी कर सके।

मूल कार्यक्रम के अनुसार भी टीम को कनाडा से स्पोकेन वापस आना था और फिर 25 जून को सिएटल रवाना होना था। हालांकि, तकनीकी स्टाफ ने खिलाड़ियों की थकान कम करने के लिए इस योजना में बदलाव करने का फैसला लिया था। अब सुरक्षा एजेंसियों के फैसले के बाद टीम को पुरानी योजना पर ही चलना पड़ेगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ मिस्र का प्रदर्शन शानदार रहा। पहले हाफ में 0-1 से पिछड़ने के बावजूद मिस्र ने मैच में जबरदस्त वापसी करते हुए दूसरे हाफ में तीन गोल किए और मैच को 3-1 से अपने नाम किया। मिस्र की तरफ से मुस्तफा जिको, मोहम्मद सालाह और ट्रेजेगुएट ने गोल किया।

फीफा वर्ल्ड कप में मिस्र को 92 साल 25 दिन बाद पहली जीत नसीब हुई है।

मिस्र के कप्तान सालाह ने इस ऐतिहासिक जीत को देश के फुटबॉल इतिहास की सबसे बड़ी कामयाबी बताया। उन्होंने कहा कि इस जीत की खुशी को बयां करने के लिए उनके पास शब्द नहीं हैं। सालाह ने उम्मीद जताई है कि टीम अपने इस प्रदर्शन को टूर्नामेंट में आगे भी जारी रखेगी।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415